त्रिगुट

देवीपाटन मण्डल का प्रथम हिन्दी दैनिक

गोण्डा शनिवार 14 अक्टूबर 2023 वर्ष 39 अंक 57 रजि0 नं0 46071/85 (हिन्दी दैनिक समाचार पत्र) फोन/फैक्स–05262-230683 डाक पंजीयन संख्या–NP/GONDA-30/2003 पृष्ठ– 8 मूल्य 2.00 रुपये

सीडीओ ने एक्सईएन से तीन साल के कार्य किए तलब

जालौन। सीडीओ ने अफसरों और भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों के साथ नहर और माइनरों का निरीक्षण किया। उन्होंने ने अधिशासी अभियंता से तीन साल के कार्यों का ब्योरा मांगा है। गुरुवार को सीडीओ भीमजी उपाध्याय ने आसपास गांव से निकली नहरों का निरीक्षण किया। सबसे पहले पचोखरा माइनर को देखा। गांव को जाने वाली पुलिया के दोनों ओर कटाव दिखा। उन्होंने सफाइई पिचिंग कार्य कराने के लिए कहा। इसके बाद टिकरिया मुख्य नहर व उससे निकले माइनरों की जर्जर हालत देख नाराजगी जताते हुए सही कराने के लिए कहा। इसके बाद सेवढ़ी नहर व पचोखरा कुरकुरू माइनर का भी निरीक्षण किया। सेवढ़ी के पूर्व प्रधान हरप्रसाद पाल व ग्रामीणों ने बताया कि कई सालों से इनकी सफाई नहीं हुई है। माइनर से फसलों की सिंचाई की जगह ओवरफ्लो और कटान होने से नुकसान ज्यादा होता है। कई बार शिकायत भी की, लेकिन कोई निरीक्षण करने नहीं आया।

नासिरा प्रेस

मालवीयनगर–गोण्डा

मो0–9236750993

हमारे यहां शादी कार्ड, मुण्डन कार्ड, हैण्डबिल, पोस्टर, स्टीकर आदि की छपाई उचित दर पर होती है।

एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें।

अमेठी के युवा खेलें भी, खिलें भी–योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री ने जनपद अमेठी में सांसद खेलकूद प्रतियोगिता के समापन समारोह में विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किये

लखनऊ कार्यालय

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज जनपद अमेठी में सांसद खेलकूद प्रतियोगिता के समापन समारोह में विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किये। उन्होंने लगभग 700 करोड़ रुपये लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि देश में खेलों के लिए यह महीना बड़ा शुभ है। हमारे खिलाड़ियों ने एशियन गेम्स में मेडल की संेचुरी लगा दी है। उन्हांने अमेठी सांसद खेल–कूद प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि इसी जोश और आत्मविश्वास को हमें सम्भालना है, संवारना है, रोपना है, खाद पानी देना है। बीते 25 दिनों में आपको जो अनुभव मिला है, वो आपके स्पोर्टिंग कैरियर की बहुत बड़ी पूंजी है। एक लाख से ज्यादा खिलाड़ियों का जुटना, वो भी इतने छोटे से एरिया में यह अपने आप में बहुत बड़ी बात है।

प्रधानमंत्री जी ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी की मेहनत आने वाले दिनों में रंग लाएगी। आप में से ही कोई, किसी दिन भारत के तिरंगे के साथ दुनिया में देश का नाम रोशन करेगा। अमेठी के युवा खेलें भी, खिलें भी। इस प्रतियोगिता से आपको जो नई ऊर्जा और आत्मविश्वास मिला है, उसे आप सभी खिलाड़ी महसूस कर रहे होंगे। साथ ही, पूरे क्षेत्र के लोग भी इस ऊर्जा व आत्माविश्वास को महसूस कर रहे होंगे। प्रधानमंत्री जी ने कहा कि किसी भी समाज के विकास के लिए ये बहुत आवश्यक है कि वहां खेलों का विकास हो, वहां खेल और खिलाड़ियों को फलने–फूलने का अवसर मिले। लक्ष्य हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करना, हारने के बाद फिर से प्रयास करना, टीम के साथ जुड़कर आगे बढ़ना, व्यक्तित्व विकास की ये सारी भावनाएं खेलों के माध्यम से सहज तरीके से युवाओं में विकसित होती हैं।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि सांसद खेल प्रतियोगिताओं ने समाज और देश के विकास का नया रास्ता तैयार किया है। इन प्रयासों का परिणाम देश को आने वाले वर्षों में स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। मुझे विश्वास है कि अमेठी के भी युवा खिलाड़ी आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय स्तर के मेडल जरूर जीतेंगे और इसमें इस प्रतियोगिता से मिला अनुभव भी बहुत काम आएगा। जब कोई खिलाड़ी मैदान में उतरता है, तो उसका सिर्फ एक ही लक्ष्य होता है वो कैसे खुद को, अपनी टीम को विजयी बनाए। आज पूरा देश खिलाड़ियों की तरह ही सोच रहा है। खिलाड़ी भी जब खेलते हैं तो राष्ट्र प्रथम की सोच रखते हैं। उस क्षण वो सब कुछ दांव पर लगाकर देश के लिए ही खेलते हैं, इस समय देश भी एक बड़ा लक्ष्य लेकर चल रहा है।

भारत को विकसित बनाने में देश के हर जिले के हर नागरिक की भूमिका है। इसके लिए हर क्षेत्र को एक भाव, एक लक्ष्य और एक संकल्प से आगे बढ़ना पड़ेगा। इसी सोच से हम देश में आप जैसे युवाओं के लिए ज्दै स्कीम और खेलो इंडिया गेम्स जैसी योजनाएं चला रहे हैं। आज सैकड़ों एथलीट्स को ज्दै स्कीम के तहत देश विदेश में ट्रेनिंग और कोचिंग दिलाई जा रही है। इन प्लेयर्स को करोड़ों रुपये की सहायता दी जा रही है। खेलो इंडिया गेम्स के तहत भी 3 हजार से ज्यादा खिलाड़ियों को 50 हजार रुपये महीने की मदद दी जा रही है। इससे वो अपनी ट्रेनिंग, डाइट, कोचिंग, किट, जरूरी इक्विपमेंट्स और अन्य खर्च पूरा कर पा रहे हैं।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि बदलते हुए आज के भारत में छोटे–छोटे शहरों के टैलेंट को खुलकर आगे आने का मौका मिल रहा है। अगर आज स्टार्ट अप्स में भारत का इतना नाम है, तो उसमें छोटे शहरों के स्टार्ट अप्स की बड़ी भूमिका है। बीते वर्षों में आपने देखा होगा कि स्पोर्ट्स की दुनिया में छा जाने वाले बहुत सारे नाम, छोटे शहरों से ही निकलकर आए हैं। ये इसलिए हुआ है क्योंकि आज भारत में पूरी पारदर्शिता से युवाओं को आगे बढ़ने का मौका मिल रहा है। प्रधानमंत्री जी ने कहा कि एशियन गेम्स में भी मेडल जीतने वाले एथलीट्स बहुत बड़े बड़े शहरों से नहीं आए हैं। इनमें से बहुत से खिलाड़ी छोटे–छोटे शहरों से ही हैं। उनकी प्रतिभा का सम्मान करते हुए हमने उन्हें हर सम्भव सुविधाएं दी हैं। उसका परिणाम इन एथलीट्स ने दिया है। हमारे उत्तर प्रदेश की सुश्री अन्नू रानी, सुश्री पारुल चौधरी के प्रदर्शन ने पूरे देश को गर्व से भर दिया है। इसी धरती ने देश को सुश्री सुधा सिंह जैसी एथलीट भी दी हैं। हमें ऐसे ही टैलेंट को बाहर निकालकर, उसे निखारकर आगे बढ़ाना है और ये सांसद खेल प्रतियोगिता इसका भी बहुत बड़ा माध्यम है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि अमेठी सांसद खेलकूद प्रतियोगिता में 01 लाख 11 हजार खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में प्रतिभाग किया है। प्रधानमंत्री जी द्वारा 'खेलो इंडिया' कार्यक्रम व 'फिट इण्डिया' मूवमेण्ट द्वारा देश के युवाओं से शारीरिक रूप से फिट रहने का आह्वान किया गया है। इन अभियानों के परिणामस्वरूप देश में खेल प्रतियोगिताएं बढ़ी हैं। विगत तीन–चार वर्षों से हर संसदीय क्षेत्र में 'सांसद खेलकूद प्रतियोगिता' का आयोजन हो रहा है। गांव से लेकर न्याय पंचायत स्तर पर, स्कूल से लेकर के कॉलेज स्तर पर और पूरे संसदीय क्षेत्र के एक–एक खिलाड़ी को विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के साथ जोड़ा जा रहा है। पहले चरण में सैकड़ों की संख्या में, दूसरे चरण में हजारों की संख्या में और अब अमेठी में 01 लाख 11 हजार खिलाड़ियों ने सांसद खेलकूद प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर प्रधानमंत्री जी के 'खेलो इंडिया' को बढ़ावा देने के सपने को पूरा करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। कार्यक्रम के दौरान पूर्व महिला एथलीट व भारतीय ओलम्पिक संघ की अध्यक्ष श्रीमती पी0टी0 ऊषा तथा क्रिकेटर श्री सुरेश रैना का वीडियो संदेश प्रसारित किया गया। इस अवसर पर पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री श्री धर्मपाल सिंह, खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गिरीश चन्द्र यादव, संसदीय कार्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य राज्यमंत्री श्री मयंकेश्वर शरण सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण व शासन–प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बच्चों के साथ शिक्षक की भूमिका में नज़र आए मंत्री

राज्यमंत्री ने अभ्युदय कोचिंग के छात्रों के साथ किया संवाद

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। ज़िले में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र–छात्राओं के लिए आज का दिन बेहद ख़ास रहा। क्योंकि प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री व पूर्व आईपीएस अधिकारी असीम अरुण उनको बता रहे थे कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी किस तरह बेहतर तरीक़े से की जाए। शुक्रवार को जनपद में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने आए समाज कल्याण मंत्री ने एलबीएस डिग्री कालेज में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले बच्चों से सीधा संवाद किया। मंत्री ने बताया कि सरकार समाज के कमजोर व पिछड़े वर्ग के बच्चों का प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रतिनिधित्व बढ़ने के लिए सभी ज़िलों में मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग संचालित कर रही है। जहां आईएएस, पीसीएस के अतिरिक्त इंजीनियरिंग, मेडिकल आदि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी समाज कल्याण विभाग करवाता है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों से समाज कल्याण मंत्री से ये भी जाना कि बेहतर तरीक़े से प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कैसे की जाए। इस मौक़े पर कुछ बच्चों ने अभ्युदय कोचिंग में पढ़ाई को लेकर कुछ सुझाव भी दिया जिसे राज्यमंत्री ने लागू करने का निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिया। बच्चों ने ये भी जाना कि कैसे एकाग्रचित्त होकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की जाए।

संक्षिप्त समाचार

प्रेमिका से मिलने आया युवक, पहुंच गया हवालात

ललितपुर। एक युवक को अपनी विवाहिता प्रेमिका से मिलने के लिए उसके घर में घुसना मंहगा पड़ गया। ग्रामीणों ने युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। गांव में इस प्रकरण को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले युवक का अपने घर के बगल की दो बच्चों की मां से प्रेम प्रसंग चल रहा था। प्रेमिका का पति विदेश में रहता है। घर पर प्रेमिका अपने बच्चों के साथ रहती है। दो वर्ष पहले गांव के ही एक युवक के साथ उसकी नजदीकियां बढ़ गई। बुधवार की रात लगभग 10-30 बजे प्रेमी, प्रेमिका से मिलने उसके घर में घुस गया। जिसकी भनक बगल में रहने लोगों को हुई तो उन्होंने उसे पकड़ लिया। साथ ही ग्रामीणों ने इसकी सूचना डायल 112 पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी युवक को पकड़कर थाने ले गई। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी युवक को हिरासत में लिया गया है। तहरीर मिलने पर केस दर्ज किया जाएगा।

एयर कंप्रेसर में धमाके के बाद लगी आग, दो बहनें गंभीर रूप से झुलसी, अस्पताल में भर्ती

कानपुर। इंस्पेक्टर जूही जितेंद्र सिंह ने बताया कि आग पर तत्काल ही काबू पा लिया गया था। दोनों बहनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। कानपुर में टायर में हवा भरने वाले कंप्रेसर में धमाके बाद आग लगने से दो बहनें झुलस गईं। संत रविदासनगर निवासी आलोक वर्मा मार्बल की दुकान में काम करते हैं। उन्होंने घर के बाहर पंचर की दुकान किराये पर दे रखी है। पड़ोसी राहुल यादव ने बताया कि दोपहर करीब साढ़े चार बजे टायर में हवा भरने वाले कंप्रेसर में धमाका हो गया। इससे कंप्रेसर में आग लग गई। इस हादसे में दिशा तथा छोटी बहन सोनी गंभीर रूप से झुलस गईं। पड़ोसियों ने दोनों को हैलट पहुंचाया, जहां दोनों की हालत स्थिर है। इंस्पेक्टर जूही जितेंद्र सिंह ने बताया कि आग पर तत्काल ही काबू पा लिया गया था। दोनों बहनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

एसडीएम से की पोखरी की नीलामी स्थगित करने की मांग

महाराजगंज। पनियरा ब्लॉक के ग्राम विशुनपुरा के बैरिया टोला के ग्रामीणों ने उप जिलाधिकारी से 12 तारीख को होने वाली पोखरी की नीलामी स्थगित करने की मांग की। बृहस्पतिवार को उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर ग्रामीणों ने कहा कि बैरिया में 64 डिस्मिल की पोखरी है। इसमें गांव का गंदा पानी नाली के रास्ते जाता है। इसमें ग्रामीण अपने पशुओं को नहलाते हैं। यदि इसकी नीलामी होगी तो आए दिन यहां विवाद का डर बना रहेगा। ऐसे में इस पोखरी की नीलाम न की जाए। ज्ञापन देने के दौरान महेंद्र शर्मा, राजेंद्र, कतवारू, रामकेश, अमित, पप्पू चौहान आदि मौजूद रहे।

मीट बिक्री लाइसेंस के लिए एनओसी दी, प्रदूषण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी पर गिरी गाज

मथुरा। धार्मिक स्थलों पर मीट बिक्री लाइसेंस के लिए एनओसी दिए जाने के मामले में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी योगेंद्र कुमार पर गाज गिरी है। शासन ने उनका स्थानांतरण कर दिया गया है। इस मामले में मुख्य अभियंता पर्यावरण पर भी शासन ने कार्रवाई की है। मथुरा धार्मिक नगरी है। योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद प्रदेश सरकार ने भगवान श्रीकृष्ण की जन्म और लीलाओं से जुड़े क्षेत्रों को तीर्थ स्थल घोषित किया है। इसमें मथुरा, वृंदावन, गोवर्धन, गोकुल, बलदेव, नंदगांव और बरसाना शामिल है। इन स्थानों पर मांस और मदिरा की बिक्री पूर्णतः प्रतिबंधित है। इसके बावजूद मथुरा नगर निगम क्षेत्र में मांस की बिक्री को लेकर लंबे समय से लाइसेंस की प्रक्रिया चल रही हैं। विभिन्न विभागों ने इसकी बिक्री के लिए एनओसी भी दी है। इसमें प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भी शामिल है। इस मामले में शासन ने मुख्यालय स्तर पर बड़ी कार्रवाई की है। इसकी गाज मथुरा में तैनात प्रदूषण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी पर भी गिरी है। उन्हें मथुरा से हटाते हुए कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। इसके अलावा स्थानीय उद्यमियों द्वारा क्षेत्रीय अधिकारी के व्यवहार संबंधी भी शिकायत की जा रही थी।

डेंगू के दो और मरीज मिले

ललितपुर। जनपद में डेंगू का दंश थमने का नाम नहीं ले रहा है। जनपद में दो और मरीज निकलने से अब मरीजों की संख्या सरकारी आंकड़ों में 40 पहुंच चुकी है। यह सभी मरीज वही हैं, जिन्होंने सरकारी अस्पतालों में जांच कराई है। निजी पैथालॉजी की रिपोर्ट व आंकड़े स्वास्थ्य विभाग के पास उपलब्ध नहीं हैं। जिले में संचारी रोग रोकथाम माह चल रहा है। इसमें दावा किया जा रहा है कि शहरी व ग्रामीण इलाकों में जगह-जगह दवा छिड़काव किया जा रहा है। लेकिन सच्चाई इसके विपरीत नजर आ रही है। जनपद में प्रतिदिन मरीज डेंगू के मरीज निकल रहे हैं। शहर की जेल कॉलोनी व बार के करमई में एक मरीज की रिपोर्ट डेंगू पॉजिटिव आने के बाद सरकारी आंकड़ों में मरीजों की संख्या 40 हो गई है।

ट्रेनों के ठहराव के लिए होगा जन आंदोलन

ललितपुर। नगर में एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव न होने से लोगों में काफी आक्रोश है। इसे लेकर नगर के कई सामाजिक संगठनों की बैठक में इसके लिए जन आंदोलन पर रणनीति बनाई गई। मंगलवार को सामाजिक संगठन युवा जागृति मंच एवं नगर उद्योग व्यापार मंडल सहित कई संगठनों की बैठक माताटीला तिराहे पर हुई। जिसमें प्रदेश की सीमा पर बसे ललितपुर के तालबेहट में ट्रेनों के ठहराव न होने पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि कोरोना के बाद तालबेहट में पहले रुकने वाली ट्रेनों तक को बंद करा दिया। जबकि यहां पर्यटन, उद्योग, व्यापार एवं शिक्षा के कारण आए दिन लोग बाहर आते-जाते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लखनऊ झांसी इंटरसिटी को ललितपुर तक किया जाए। झांसी-इटारसी भोपाल पैसेंजर को दोबारा शुरू कराने और उत्कल कलिंगा एक्सप्रेस के पुनः ठहराव कराने की मांग की गई। वक्ताओं ने ट्रेनों के ठहराव न होने पर आंदोलन पर विचार किया। बैठक में सुनील त्रिपाठी बाबा, राकेश चौरसिया, आशीष लखेरे, मनोज गुप्ता, संदीप अवस्थी, रंजीत साहू, गौरव व्यास, चिंटू शिवहरे, आशीष पंडा, दिनेश कुशवाहा, रविंद्र गुप्ता और रूपेश श्रीवास आदि मौजूद रहे।

पहले गुरुजी जानेंगे मोटे अनाज की खूबियां, फिर बच्चों को बताएंगे

ललितपुर। श्रीअन्न को बढ़ावा देने व नौनिहालों में इसकी जानकारी देने के लिए मिलेट्स पुनरुद्धार कार्यक्रम के तहत जनपद के शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। कृषि विभाग इन शिक्षकों को प्रशिक्षण देकर निपुण बनाएंगे। प्रशिक्षण लेने वाले शिक्षक स्कूल में बच्चों को इसकी उपयोगिता बताएंगे। साथ ही किसान अभिभावकों को इसके उत्पादन के प्रति जागरूक करेंगे। बेसिक शिक्षा विभाग ने इसको लेकर प्रक्रिया शुरू कर दी है। परिषदीय विद्यालयों में छात्रों को दिए जाने वाले मिडडे मील में सप्ताह में एक दिन मोटा अनाज बनाए जाने की प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है। अब जनपद के शिक्षकों को मोटे अनाज की खूबियों व उपयोगिता कैसे बताई जाएं, इसके लिए उन्हें प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षित होने वाले शिक्षकों में बेसिक शिक्षा विभाग और माध्यमिक शिक्षा विभाग के करीब सौ-सौ शिक्षक का चयन किया जाएगा। चयनित शिक्षकों को कृषि विभाग की ओर से विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण लेकर निपुण होने वाले शिक्षक स्कूलों में बच्चों को मोटे अनाज की उपयोगिता बताएंगे। इसके साथ वह अभिभावकों को मोटे अनाज के उत्पादन के प्रति जागरूक करेंगे। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रामपाल सिंह ने बताया कि श्री अन्न को बढ़ावा देने व बच्चों में इसकी जानकारी देने के लिए मिलेट्स पुनरुद्धार कार्यक्रम के तहत शासन के निर्देश पर प्रशिक्षण के लिए शिक्षकों का चयन जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा।

राजघाट बांध की तलहटी में बनेगा आधुनिक रिसोर्ट

ललितपुर। जनपद में पर्यटन विकास की दृष्टि से राजघाट बांध की तलहटी में पर्यटकों के ठहरने व उनके मनोरंजन से रिसोर्ट तैयार होने जा रहा है। इसका प्रस्ताव निवेशकों की बैठक में प्राप्त हुआ था। सिंचाई विभाग ने इस योजना के तहत लीज पर भूमि पर उपलब्ध कराई है। दो करोड़ की लागत से यह काफी महत्वपूर्ण योजना मानी जा रही है। निवेशक मीट के दौरान जनपद में आए हुए प्रस्ताव अब धरातल पर उतरने लगे हैं। ऐसा ही एक प्रोजेक्ट राजघाट बांध परियोजना के समीप तैयार होने जा रहा है। दो करोड़ की लागत से तैयार होने वाले इस प्रोजेक्ट में सिंचाई विभाग ने भूमि उपलब्ध कराई है। यह नेशनल रिसोर्ट सभी सुविधाओं से युक्त होगा। साथ ही यहां पर ठहरने वाले सैलानियों के लिए राजघाट बांध के जलाशय में जलक्रीड़ा की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा क्षेत्र के अन्य पर्यटक क्षेत्रों पर पर्यटकों को पहुंचाने के लिए गाइड व वाहन भी उपलब्ध होंगे। हालांकि अभी इसको तैयार होने में समय जरूर लगेगा, लेकिन तैयार होने के बाद जनपद में सैलानियों के यह सबसे खूबसूरत स्थान होगा। साथ ही बेतवा नदी जिसे बुंदेलखंड की गंगा भी कहा जाता है, उसको करीब देखने का अनुभव लोगों को मिलेगा। बताते चलें कि राजघाट से देवगढ़ तक बेतवा नदी के किनारे कई प्राकृतिक सौंदर्य देखने को मिलता है। प्राचीन रणछोर धाम से लेकर हरे-भरे पहाड़ इस नदी की शोभा को और भी बढ़ाते हैं।

ई-रिक्शा चालकों ने किया कोतवाली पर हंगामा

वृंदावन (मथुरा)। ई-रिक्शा चालकों ने बृहस्पतिवार शाम कोतवाली पर हंगामा कर दिया। उन्होंने एक पुलिसकर्मी और कोतवाली के पास चाय बेचने वाले पर सीज ई-रिक्शा को कोर्ट के आदेश पर छोड़ने के लिए तीन सौ रुपए सुविधा शुल्क लेने का आरोप लगाया है। इस संबंध में चालकों ने कोतवाली में तहरीर दी है। शाम पांच बजे बड़ी संख्या में ई रिक्शा चालक कोतवाली के पास स्थित चाय के खोखे पर पहुंचे और हंगामा करने लगे। चालकों का कहना था कि कोतवाली में तैनात एक पुलिसकर्मी के कहने पर चाय वाला प्रति ई रिक्शा चालक से 300 रुपए वसूल कर रहा है। इसके बाद ही कोर्ट के आदेश पर ई रिक्शा छोड़े जा रहे हैं। हंगामा होने पर कोतवाली में अफरातफरी मच गई। ई-रिक्शा चालकों की शिकायत पर पुलिस द्वारा चाय विक्रेता से पूछताछ की जा रही है। इस मामले में इंद्र कुमार जैन, रेखा देवी और अजीत सिंह द्वारा कोतवाली में तहरीर दी गई है। सीओ सदर प्रवीण मलिक का कहना है कि ई रिक्शा छोड़ने के लिए पैसे लेने और चालकों द्वारा हंगामा करने का मामला संज्ञान में आया है। जांच की जाएगी। दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

बेलहिया नेपाल सीमा में यात्रियों की सहायता के लिए की हेल्प डेस्क की स्थापना

महाराजगंज। विजयादशमी, दिवाली और छठ पर्व को लेकर नेपाल रूपनदेही जिला प्रशासन ने बृहस्पतिवार दोपहर बेलहिया नेपाल सीमा में यात्रियों की सहायता के लिए हेल्प डेस्क की स्थापना की गई।

जिला प्रशासन ने इन पर्वों के दौरान बाहर से लौटने वाले लोगों की संख्या को ध्यान में रखते हुए इसकी शुरुआत की है। बृहस्पतिवार को रूपनदेही जिले के डीएम गणेश अर्याल ने हेल्प डेस्क का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि दशहरा पर्व नेपाली लोगों का बड़ा त्योहार है। भारत सहित देश विदेश से काफी संख्या में नेपाली नागरिक अपने-अपने घरों को लौटते हैं। इस दौरान सरहद पर यात्रियों की सहायता के लिए हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है। सिद्धार्थनगर नगर पालिका के प्रमुख इश्तियाक अहमद खान ने कहा कि हेल्प डेस्क नेपाल लौटने वाले लोगों की सहायता के लिए हमेशा तत्पर रहेगी। चोरी, छिनैती समेत अन्य किसी भी तरह की परेशानी का निराकरण कराएगी। सहायक मुख्य जिला अधिकारी रामचंद्र आर्यल ने कहा कि सहायता कक्षों को जिला सुरक्षा समिति, सुरक्षा एजेंसियों, जिला यातायात पुलिस कार्यालय, परिवहन व्यवसाय की जिम्मेदारियों से अवगत कराना है।

रूपनदेही पुलिस प्रमुख पुलिस अधीक्षक भरत बहादुर विक ने कहा कि सहायता कक्ष की स्थापना जिला प्रशासन कार्यालय, स्थानीय स्तर, नेपाल पुलिस, यातायात पुलिस और अन्य की पहल पर की गई है।

फर्जी तेल कंपनी में खाद्य विभाग ने मारा छापा, गोदाम सील

महाराजगंज। कोठीभार थानाक्षेत्र के सरदार पटेल नगर सबयां में पुलिस व खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर एक फर्जी तेल मिल का भंडाफोड़ किया। इस मामले में कोई ठोस कागजात उपलब्ध नहीं कर पाने पर गोदाम को सील कर दिया। बरेली जनपद स्थित खंडेलवाल एडिबल ऑयल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा चक्र ट्रेडमार्क नाम से खाद्य तेल बाजार में बिक्री की जाती है। जिससे मिलता हुआ वक्र नामक ब्रांड का खाद्य तेल सरदार पटेल नगर सबयां निवासी मनीष जायसवाल द्वारा काफी दिनों से सिसवा सहित अगल-बगल के क्षेत्रों में बेचा जाता था। इस बात की जानकारी होने पर खंडेलवाल एडिबल ऑयल कंपनी द्वारा इसकी शिकायत कोठीभार थाने सहित जनपद महाराजगंज की खाद्य विभाग को की गई। जिसके बाद खाद्य विभाग व मुकामी थाने की पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा सबयां स्थित जायसवाल ऑयल प्रोडक्ट के गोदाम पर पहुंच कर छापा मारा। इस दौरान कंपनी के संचालक मनीष जायसवाल द्वारा कोई ठोस कागजात प्रस्तुत नहीं कर पाने के बाद गोदाम को सील कर दिया गया। प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार राय ने बताया कि चक्र कंपनी के प्रबंधक स्वतंत्र यादव की तहरीर पर वक्र नाम से तेल बेच रहे फर्जी कंपनी के मालिक मनीष जायसवाल के विरुद्ध ट्रेडमार्क अधिनियम व कॉपीराइट एक्ट सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। खाद्य विभाग के जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई जाएगी।

गुस्सैल हाथी नेपाल गए तो सड़क पर दिखे बाघ ने बढ़ाई धड़कन, सड़क पर दिखते ही बंद हो गया था आवागमन

कुशीनगर। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में बिहार को जोड़ने वाले बगहां-वाल्मीकि नगर मुख्य पथ पर मदनपुर रेंज के अंतर्गत बुधवार की रात में एक बाघ सड़क पर दिखा। सड़क पर बाघ को देखकर आवागमन बाधित हो गया। जो जहां था अपनी गाड़ी से वहीं ठहर गया। करीब दस मिनट तक बाघ सड़क पर रहा। वीटीआर के जंगल से गुस्सैल हाथी आज नेपाल चले गए। पर, जंगल से निकला एक बाघर बुधवार रात को कुशीनगर को बिहार व नेपाल से जोड़ने वाली सड़क पर दिखा। जिससे इलाकाई लोगों की धड़कनें बढ़ गई है। बिहार के वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में कुशीनगर से बिहार को जोड़ने वाले बगहां वाल्मीकि नगर मुख्य पथ पर मदनपुर रेंज में एक बाघ दिखने के बाद लोगों ने इस तरफ आना-जाना कम कर दिया है।

इस जंगल में बाघ बहुतायत में पाए जाते हैं, जो अक्सर जंगल से निकलकर आबादी में आ जाते हैं। कुशीनगर को बिहार व नेपाल से जोड़ने वाली सड़क पर रात में बाघ की चहलकदमी दिखी। इससे लोगों में दहशत फैल गई है। यह डर पहले जंगल से निकलकर आबादी में घुसे बाघ द्वारा किए गए हमले का है। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में बिहार को जोड़ने वाले बगहां-वाल्मीकि नगर मुख्य पथ पर मदनपुर रेंज के अंतर्गत बुधवार की रात में एक बाघ सड़क पर दिखा। सड़क पर बाघ को देखकर आवागमन बाधित हो गया। जो जहां था अपनी गाड़ी से वहीं ठहर गया। करीब दस मिनट तक बाघ सड़क पर रहा। इस बीच कुछ यात्रियों ने कार व बाइक की रोशनी में मोबाइल से वीडियो भी बना लिया।

बाघ संरक्षण के लिए बने वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में बढ़ी संख्या

बिहार का वाल्मीकि टाइगर रिजर्व दो प्रमंडलों में बंटा है। नेपाल व कुशीनगर के खड्डा क्षेत्र से सटा यह जंगल लगभग 910 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। यहां पर बाघों के संरक्षण के प्रयास के कारण संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। वर्ष 2010 में मात्र 8 बाघ थे, जो 2014 मे बढ़कर 23 हुए। वर्ष 2018 में इनकी संख्या 31 हो गई और वर्ष 2022 में 52 तक हो गई है। बाघों की बढ़ती संख्या जहां इको सिस्टम के लिए जरूरी है, वहीं इन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक इस क्षेत्र में पहुंचते है।

नौ लोगों के हत्यारे बाघ को मार दी गई थी गोली

बिहार सीमा में पिछले साल अक्तूबर महीने में तीन दिन के अंदर चार लोगों सहित छह माह में नौ लोगों की जाना लेने वाले आदमखोर बाघ को गोली मार दी गई थी। यूपी-बिहार के सीमावर्ती क्षेत्रों में आतंक का प्रयास बने इस बाघ को जान से मारने के लिए बाकायदा आदेश जारी किया गया था।

वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के जंगल से निकलकर रिहायशी इलाके में घुसे बाघ ने बलुआ गांव निवासी बविता देवी व उनके बेटे शिवम पर हमला कर दिया था। मां-बेटा सरेह में चारा लाने गए थे। काफी मशक्कत के बाद दोनों का शव बरामद किया जा सका। घटना से एक दिन पहले 7 अक्तूबर को संजय महतो, 5 अक्तूबर को बगड़ी कुमारी, 21 सितंबर को रामप्रसाद उरांव, 12 सितंबर को प्रेमकुमारी देवी, 15 जुलाई को धर्मराज काजी, 20 मई को पार्वती देवी और 14 मई को राजकुमार बैठा की बाघ के हमले में मौत हो गई थी। लगातार हो रही मौत से आक्रोशित ग्रामीण बाघ को मारने की मांग कर रहे थे। इस वजह से वीटीआर के सीएफ नेसामनी ने सीएनटीसीए (नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरटी) से अनुमति मांगी थी। अनुमति मिलने पर लगभग सात शूटरों ने अत्याधुनिक असलहे के साथ पहुंचकर बाघा का शिकार किया था। उसका शव भी बरामद कर लिया गया था।

दो साल पहले बाघ ने लिया था महिला की जान

खड्डा थाना क्षेत्र के ग्राम सभा मदनपुर सुकरौली निवासी कोइली देवी को शाम पशुओं के लिए चारा काटने सरेह में गई थीं। देर रात तक घर नहीं लौटी तो परिजनों ने खोजबीन की। रात के लगभग आठ बजे कोईली देवी का शव गन्ने के खेत में क्षत विक्षत पड़ा मिला था। शव के पास बाघ के पदचिह्न थे। बाघ ने कोइली को मार डाला था। उस समय भी आदमखोर बाघ से लोग भयभीत हुए थे।

जंगल से निकलकर गांव में पहुंचा 12 फीट लंबा सांप

खड्डा। 12 फीट का अजगर प्रजाति का सांप जंगल से निकलकर एक गांव में पहुंच गया। यह देख लोगों में हड़कंप मच गया। सूचना पर वन विभाग की टीम ने पहुंचकर रेस्क्यू करते हुए उसे जंगल में छोड़ दिया। तब जाकर लोगों ने राहत की सांस ली। सीमा पर स्थित वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के जंगल से जंगली जीव जंतु बाहर निकलकर अक्सर रिहायशी इलाके में पहुंचकर लोगों के लिए खतरा बन जा रहे हैं। इसी क्रम में बृहस्पतिवार को वाल्मीकिनगर थाना क्षेत्र के बिसहा गांव में एक विशालकाय अजगर पहुंच गया। उसे देख लोगों में अफरा तफरी मच गई। इसकी सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर स्नैक कैचर के साथ पहुंची। इतने बड़े सांप को रेस्क्यू करना आसान नहीं था। लगभग तीन घंटे के प्रयास के बाद उसे काबू में किया जा सका। 12 फीट लंबे अजगर को जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया गया। वाल्मीकि नगर के वन पाल नवीन कुमार ने बताया कि अजगर को सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया है।

तीन महीना पहले निकला था 14 फीट लंबा किंग कोबरा

बिहार के वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के जंगल से निकलकर बीते 16 जुलाई को रिहायशी इलाके में 14 फीट लंबे किंग कोबरा दिखा था। इससे लोग दहशत में आ गए थे। अत्यंत जहरीले इस सांप को स्नैक कैचर से वन कर्मचारियों की टीम ने काफी प्रयास के बाद पकड़कर जंगल में छोड़ा था। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व से सटे हुए लक्ष्मीपुर रमपुरवा गांव के चंपा माई स्थान के पास भोलाराम के घर में यह किंग कोबरा सांप घुस गया था। इसे देख घर के लोगों ने किसी तरह से भागकर अपनी जान बचाई थी और वन विभाग को इसकी सूचना दी। वनकर्मियों की टीम ने तकरीबन दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद किंग कोबरा का रेस्क्यू किया था।

किंग कोबरा में होता है 500 मिलीग्राम जहर

वाल्मीकिनगर रेंजर अवधेश कुमार सिंह ने बताया था कि यह किंग कोबरा की एक विशेष प्रजाति है, जो बेहद खतरनाक होती है। इस कोबरा के पास करीब 500 मिलीग्राम जहर की मात्रा होती है। इनके काटने से एक हाथी की भी मौत हो सकती है। कोबरा भी अन्य सांपों की तरह घोंसले बनाते हैं और उनमें अपने अंडे देते हैं। वे अपने अंडों की रक्षा करते हैं। कोबरा कई दिनों या महीनों तक बिना भोजन के रह सकते हैं। एक बार भरपेट भोजन करने के बाद किंग कोबरा करीब दो साल तक जीवित रह सकता है।

इनका जहर अगर आंखों में चला जाए तो सही इलाज न मिलने से आंखों की रोशनी भी जा सकती है। इनका जहर न्यूरोटॉक्सिक होता है, जो सीधे तंत्रिका तंत्र पर असर करता है। किंग कोबरा के बारे में कहा जाता है कि धामिन, कोबरा व अन्य सांपों को निगल जाता है।

गुजरात से युवक का पहुंचा शव, घर में मची चीख-पुकार

तमकुहीरोड। अहिरौलीदान निवासी अनिल कुमार सिंह (32) की मंगलवार को करंट लगने से मौत हो गई थी। अनिल एक कंपनी में वेल्डिंग का काम करता था। बृहस्पतिवार शाम को उसका शव गांव पहुंचा। शव पहुंचते ही गांव में कोहराम मच गया। परिजनों की चीखपुकार सुनकर लोगों की आंखे नम हो गई। किसी तरह ढांढस बंधाया। इसके बाद अंतिम संस्कार किया गया। अहिरौलीदान निवासी कलिस्टर सिंह का बेटा अनिल कुमार सिंह गुजरात के अहमदाबाद में एक कंपनी में वेल्डिंग का काम करते थे। बीते 10 अक्तूबर को वे कंपनी में वेल्डिंग का काम कर रहे थे। इसी बीच वे करंट के चपेट में आ गए। कंपनी के लोग उन्हें अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। बृहस्पतिवार की शाम करीब चार बजे उनका शव गुजरात से गांव पहुंचा, तो परिवार में चीखपुकार मच गया।

अलवर पुल के नीचे ट्रोला फंसने से हाईवे पर लगा जाम

मथुरा। राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर बृहस्पतिवार सुबह दिल्ली से आगरा की ओर जा रहा एक ट्रोला अलवर पुल के नीचे फंस गया। इससे हाईवे पर जाम लग गया। पुलिस ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद ट्रोला को पुल के नीचे से निकाला और सर्विस रोड से आगरा की ओर रवाना किया। इस दौरान हाइवे पर वाहनों की कई किलोमीटर तक लाइन लग गई। सुबह 7.30 बजे के करीब राष्ट्रीय राजमार्ग-19 स्थित दिल्ली से आगरा की ओर जा रहा ट्रोला अलवर पुल के नीचे फंस गया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रोला पर टैंक रखा हुआ था और उसकी ऊंचाई इतनी थी कि वह पुल के ऊपरी हिस्से से टकरा गया। पहले तो चालक ने किसी तरह पुल के नीचे से ट्रोला को निकालने का प्रयास किया, लेकिन नहीं निकलने पर उसने ट्रोला को बंद कर दिया। कुछ ही देर में हाईवे पर कई किलोमीटर दूर तक वाहनों की लाइन लग गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने भी ट्रोला को निकालने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। आखिर ट्रोला के पहियों में हवा का प्रेशर कम किया, तब जाकर पुल के नीचे से निकला। थाना प्रभारी निरीक्षक उमेश त्रिपाठी ने बताया कि अलवर पुल की ऊंचाई और ट्रोला में रखे टैंक की ऊंचाई बराबर थी। इस ओर चालक ने ध्यान नहीं दिया और ट्रोला पुल के नीचे फंस गया। टायरों में हवा का प्रेशर कम करने के बाद ट्रोला निकल पाया।

महराजगंज में दरोगा की हुई थी तस्करों से सांठगांठ, पुलिस जांच में हुआ खुलासा

गोरखपुर। एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कहा कि चरस के साथ एक दरोगा और उसके साथी को शाहपुर व महराजगंज पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर केस दर्ज कर पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। मामले की जांच जारी है। बताया जा रहा है कि रविंद्र लंबे समय से वह चरस की तस्करी में लिप्त है। पहले महराजगंज से करता था, अब गोरखपुर में तैनाती के बाद कर रहा था। महराजगंज में उसके राजदार ने इसकी सूचना पुलिस को दी, इसके बाद पुलिस ने जाल बिछाया और आरोपी को उसके साथी के साथ दबोच लिया।

बरामदगी का हवाला देकर करता था तस्करी

दरोगा रविंद्र कुमार शुक्ला ने वर्दी को ही तस्करी का हथियार बनाया था। चेकिंग के दौरान रोके जाने पर खुद को दरोगा बताकर बच जाता था। जब कभी तलाशी की नौबत आती थी तो बता देता था कि चरस बरामदगी की है। वर्दी की वजह से कोई गहराई से जांच नहीं करता था और उसका धंधा चल रहा था।

बिहार में शराबबंदी के बाद सीमावर्ती इलाकों में शराब और नेपाल से चरस की तस्करी होती है। वर्ष 2019 में कुशीनगर में तत्कालीन कसया थानेदार की निजी कार से शराब बरामद की गई थी। जांच में सामने आया था कि वह निजी वाहन से पांच पुलिस वालों के साथ शराब की तस्करी करता था। पुलिस ने उस पर कार्रवाई की थी। नेपाल से सटे महराजगंज जनपद के थाने व चौकी के कुछ पुलिस वालों पर भी ऐसा आरोप लगता रहा है। अभी कुछ दिन पहले ही एसपी महराजगंज डॉ. कौस्तुभ ने एक चौकी के पांच सिपाहियों को इसी आरोप में निलंबित कर दिया था। एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कहा कि चरस के साथ एक दरोगा और उसके साथी को शाहपुर व महराजगंज पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर केस दर्ज कर पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। मामले की जांच जारी है।

गैंगस्टर एक्ट में पांच वर्ष का सश्रम कारावास

महराजगंज। थाना कोतवाली सदर क्षेत्र में चोरी के दो-दो मामले में अभियुक्त गुड्डू उर्फ भोलू उर्फ रितेश पासवान को दोषी पाए जाने पर अपर सत्र त्वरित न्यायालय (प्रथम) के न्यायाधीश फूल चंद कुशवाहा ने पांच वर्ष के सश्रम कारावास की सजा दी है। 5000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। जानकारी के अनुसार तत्कालीन वादी मुकदमा सब इंस्पेक्टर कन्हैया पांडेय क्षेत्र में गश्त पर थे। उनको सूचना मिला कि चोरी के मामले का आरोपी गुड्डू उर्फ भोलू उर्फ रितेश पासवान निवासी तालकोयला थाना पीपीगंज, जनपद गोरखपुर का आपराधिक गिरोह है। वह आपराधिक कृत्यों से आय अर्जित कर रहा है। उसके खिलाफ जनता में भय व्याप्त है। कोई भी व्यक्ति गवाही देने के लिए तैयार नहीं है। इस मामले में विवेचना के बाद न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित किया गया। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता चंद्र प्रकाश पटेल ने गवाहों को पेश कर सजा की मांग की। न्यायालय ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर अभियुक्त के विरुद्ध पूर्व मुकदमे को देखते हुए सजा सुनाई है।

पहले खेत में ले जाकर पीटा, ससुर ने बांधे थे हाथ, पति ने दबाया गला

महराजगंज। पनियरा थाना क्षेत्र के नरकटहा गांव में संगीता के हत्या की गुत्थी सुलझ चुकी है। पूछताछ में पूछताछ में पता चला है कि संगीता के ससुर ने उसके हाथ बांधे थे और पति ने गला दबाकर मार डाला था। वारदात के पहले पिता पुत्र दोनों ने मिलकर खेत में ही संगीता की बेरहमी से पिटाई की थी। मौका ए वारदात पर शराब की शीशी मिली थी। ससुर को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। वहीं, पति अब भी फरार है। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि बीते सोमवार को पनियरा थाना क्षेत्र के नरकटहा गांव में स्थित डेढ़ किलोमीटर दूर सिवान में सुखनरैना नाले के पास अपने खेत में बेटे ने पिता के साथ मिलकर अपनी पत्नी संगीता की बेरहमी से पिटाई की थी। इसके बाद उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। ससुर ने बहु के हाथ और पैर को बांधा और बेटा सीने चढ़कर गले को पैर से तब तक दबाए रखा जब तक उसकी मौत नहीं हो गई।

इसके बाद दोनों ने नाले के किनारे मिट्टी खोदकर उसके शव को उसमें दफना दिया। पुलिस ने आरोपी ससुर को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो संगीता की मौत की गुत्थी सुलझ गई। उसकी निशानदेही पर बुधवार को पुलिस ने घटनास्थल पर सुखनरैना नाले के पास संगीता के शव को बरामद कर लिया था। पुलिस ने घटनास्थल के पास एक खेत में शराब कुछ शीशी बरामद की है। पुलिस ने आरोपी ससुर को रामकेवल को मुजुरी तिराहा टेंपो स्टैंड के पास गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

'मेरी बहु के ऊपर देवी देवताओं का साया था'

-- पुलिस की पूछताछ के दौरान आरोपी ससुर रामकेवल ने बताया कि मेरी बहु संगीता आए दिन मेरे बेटे से झगड़ा करती रहती थी। पति पत्नी में कई बार विवाद हो चुका था। मेरी बहु के ऊपर देवी-देवताओं का साया था। इसकी को लेकर वह मेरे बेटे से झगड़ती रहती थी। हमने बेटे के साथ मिलकर एक योजना बनाई कि अब बहु संगीता की किस्सा खत्म कर दिया जाए। बेटे ने सहमति जताई तो फिर हम दोनों संगीता को झाड़ फूंक और दवाई कराने का हवाला देकर सोमवार रात में घर से बच्चों को बताकर निकले थे। डेढ़ किलोमीटर सिवान ले जाकर अपने खेत में पिटाई की। हाथ पैर बांध दिए और बेटे ने उसके गले को पैर से दबाकर उसकी हत्या कर दी।

बच्चों ने पूछा, दादा मां कहा है, तो बोला तुम्हारे पापा के साथ आ रही

--पुलिस को गुमराह करने की नियत से बेटे के साथ घर पर आया। उसके घर पर मौजूद बच्चों ने पूछा, दादा मां कहा है, हमने जवाब दिया तुम्हारे पापा के साथ आ रही है। तब तक कुछ देर बाद मेरा बेटा घर पहुंच गया और उसी दौरान तीनों बच्चों ने अपने पिता से सवाल किया कि मां अब तक घर क्यों नहीं आई। जिस पर उनसे बोला कि हमने तुम्हारी मां को मारकर जमीन में दफना दिया है। इसी दौरान बच्चों ने मां की मौत की खबर सुनकर रोने लगे। जिसके बाद आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। हमने अपने बेटे को बचाने के लिए उसको भगा दिया और पुलिस को झूठी सूचना देकर गुमराह कर दिया।

नेपाल से सस्ते कॉस्मेटिक सामानों की धड़ल्ले से हो रही तस्करी

नेपाल से आया कॉस्मेटिक सामान आसानी से मिल जाता

महराजगंज। नेपाल से सस्ता कॉस्मेटिक सामान तस्कर धड़ल्ले से भारत पहुंचा रहे हैं। सीमा शुल्क में चोरी कर तस्कर न सिर्फ कस्टम विभाग को चूना लगा रहे बल्कि अपनी जेब भी भर रहे हैं। लाखों के कॉस्मेटिक का सामान तस्कर आसानी से सरहद पार कर देते हैं। ठेले और साइकिल पर रखकर सीमावर्ती क्षेत्र में फेरी लगाकर बेचते हैं।

दुकानों पर भी आसानी से नेपाल से आया कॉस्मेटिक सामान आसानी से मिल जाता है। सूत्र बताते हैं कि कास्मेटिक सामान नेपाल की ओर से सुंडी घाट, हरदीडाली, रजिया घाट, बैरिहवा, मुड़िला, चंडीथान, खैराघाट, कुरहवा घाट, जोगियाबारी, भगवानपुर, सेवतरी, खनुआ से होकर आता है। प्रत्येक सामान में औसतन 15 से 20 रुपये का मुनाफा होता है। हमेशा प्रयोग होने वाले सामान को ज्यादातर दुकानदार थोड़ा-थोड़ा कर कई बार भारतीय सीमा में लाकर दुकानों पर बेचते हैं। बताया जाता है कि जो क्रीम नेपाल में 30 से 35 रुपये में मिलता है, वह भारतीय क्षेत्र में आने से 50 से 55 रुपये में बिकता है। अन्य सामानों की भी कमोवेश यही स्थिति है। तस्कर जहां बिना सीमा शुल्क जमा किए नेपाल से सामान लाकर भारतीय सीमा में बेच देते हैं। वहीं दुकानदार नेपाली मुद्रा में अंकित मूल्य यहां भारतीय मुद्रा में वसूलते हैं। नेल पॉलिस से लेकर क्रीम, पाउडर, पेस्ट समेत अन्य सामान आसानी से सरहद पार किए जा रहे हैं। यह सामान कभी कभार ही बरामद होता है। सूत्र बताते हैं कि नेपाल से कास्मेटिक सामान लाकर सीमावर्ती क्षेत्र में फेरी वाले बेचते हैं। सस्ते में नेपाल से सामान लाकर आराम से महंगे दाम पर बेचते हैं। सूत्रों की माने तो खुली सीमा होने के कारण नेपाल की सीमा से सटे इलाकों में तस्करी कुटीर उद्योग का रूप ले चुकी है। इसके अलावा यहां नकली सामानों की आसानी से खपत हो जाती है। असली जैसे दिखने वाले तमाम शैंपू, टूथपेस्ट, साबुन, मसाला, पाउडर, सौंदर्य प्रशासन के तमाम ब्रांड के क्रीम यहां उपलब्ध हैं। इनके डिब्बों पर जहां मूल्य तो ब्रांडेड कंपनियों का लिखा होता है, लेकिन अक्सर इनके नकली होने की आशंका बनी रहती है।

इन रास्तों से आते-जाते हैं तस्कर

सीमावर्ती क्षेत्र में लगभग एक दर्जन ऐसे रास्ते हैं, जहां से कास्मेटिक सामानों की तस्करी होती है। सामान्य तौर पर दिन में नेपाल के बाजारों से आने वाली महिलाएं होती हैं। यह तस्करों के लिए कैरियर के रूप में काम करती हैं। खरीदारी करने के बाद उसे गंतव्य तक पहुंचा देती हैं। तस्करी के रास्तों में नौतनवां थाना क्षेत्र के संपतिहां, छपवा, सुंडी, खनुवा, हरदी डाली, कैथवलिया, बरगदही, फ़रेनिया, श्याम काट, भगवानपुर और सोनौली का दो नंबर गली है।

दो माह यह में हुई बरामदगी

--बीते 17 अगस्त 2023 को सशस्त्र सीमा बल 66 वीं वाहिनी के बीओपी जोगियाबारी व कोल्हुई पुलिस ने सूचना के आधार पर सोनपिपरी गांव से टूथपेस्ट 46 कार्टून व अन्य कॉस्मेटिक सामान के साथ एक बाइक की बरामदगी की थी। पांच सितंबर को सशस्त्र सीमा बल 66 वीं वाहिनी के बीओपी चंडीथान के जवानों ने गश्त के दौरान चंडीथान गांव के पास नेपाली शैंपू 1800 पीस, पेस्ट 1008 पीस, और एक बाइक बरामद किया था।

सात माह पहले भी कास्मेटिक सामान हुआ था बरामद

सात माह पहले छह मार्च 2023 को कोल्हुई क्षेत्र के जोगियाबारी तिराहे से पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम ने कास्मेटिक सामान से भरा एक पिकअप पकड़ा था। एक आरोपित को भी गिरफ्तार किया था। पिकअप में पचास पेटी नेपाल निर्मित पाउडर 42 पेटी टूथपेस्ट व 14 पेटी हेयर कलर बरामद हुआ था।

नेपाली मुद्रा में छपे मूल्य को भारतीय मुद्रा में वसूलते

फुटकर बाजारों में नेपाल से आया माल आसानी से खप जाता है। इसकी पहचान आसान नहीं होती है। एक ही कंपनी इंडिया और नेपाल दोनों जगहों के लिए प्रोडक्ट तैयार करती हैं। नेपाल में उनके उत्पाद का रेट नेपाली मुद्रा में होता है। यह प्रोडक्ट जब भारत में बिकता है तो उस पर नेपाली रेट लिखा होता है। यह भारत से ज्यादा होता है। ग्राहक रेट देख कर दुकानदारों को पैसा देते हैं। इसमें आसानी से 15 से 20 रुपये का मुनाफा मिल जा रहा है।

सीमावर्ती क्षेत्र में पुलिस निगरानी में जुटी रहती है। तस्करी पर अंकुश लगाने का तेजी से प्रयास किया जा रहा है। सामान बरामद कर कस्टम को सौंप दिया जाता है।

डीजे की तेज धमक से बढ़ जाती है बच्चों और बुजुर्गों की धड़कनें

महराजगंज। देवी-देवताओं की प्रतिमाओं और जलसा जुलूसों में कुछ उत्साही युवा श्रद्धालु डीजे की तेज आवाज पर नाचते-झूमते और शोर मचाते जाते हैं। विसर्जन स्थलों पर गंदगी फैलाते हैं। लोग पूरी रात शोर-शराबे के चलते नींद भर सो नहीं पाते। डीजे की तेज धमक से बुजुर्गों की धड़कनें बढ़ जाती हैं। लोगों का कहना है कि तेज धमक से बीमार, बुजुर्ग ही नहीं, बच्चों और गर्भवती महिलाओं की भी बेचैनी बढ़ जाती है। गणेश उत्सव तो बीत गया अब दुर्गापूजा-लक्ष्मीपूजा और छठ पर्व को लेकर चिंतित तमाम नागरिकों ने इस समस्या से निपटने को कमर कसी है। शहर के जागरूक लोगों ने इस मसले पर सक्रियता दिखाई है। बृहस्पतिवार को मऊपाकड़ चौराहे पर व्यवसायी रामसेवक साहू, बनारसी मद्धेशिया, मोहन लाल जायसवाल, मुकेश अग्रहरी, राजेश अग्रहरी, गोपाल पटेल ने भ्रमण कर लोगों को जागरूक किया। लोगों को संकल्प दिलाया कि आयोजनों में तेज आवाज में डीजे नहीं बजाएंगे।

प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए ज्यादातर जुलूस सक्सेना चौराहे से होकर गुजरते हैं। नागरिकों का कहना है कि इन्हीं रास्तों से होकर प्रतिमाएं जाती हैं और तेज आवाज में डीजे के बजने से सभी लोग परेशान होते हैं। लोगों ने कहा कि हाईकोर्ट की रोक के बावजूद डीजे बजाने पर रोक नहीं लग पा रही है। डीजे के तेज आवाज से बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं, बीमार लोगों को परेशानी होती है। डीजे बजाने वाले अति उत्साही कुछ युवक मना करने पर मारपीट पर उतारू हो जाते हैं।

शहर के व्यवसायी रामसेवक साहू ने टीम के साथ मऊपाकड में भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने लोगों को डीजे की आवाज से होने वाले नुकसान और परेशानियों के बारे में जागरूक किया। बताया कि डीजे की तेज आवाज से बच्चे रोने-चिल्लाने लगते हैं। बुजुर्ग और बीमार लोगों को तेज आवाज परेशानी होती है। रातभर डीजे बजने से लोग सो नहीं पाते हैं। इससे अगला दिन खराब हो जाता है। डीजे की आवाज से सिर दर्द और उल्टी होती है। हृदय रोगियों को खतरा बना रहता है। इसके अलावा लोग अनिद्रा के शिकार बन रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस दौरान लोगों ने कहा कि डीजे की आवाज से जहां परेशानी होती है, वहीं फूहड़ गाने बजाए जाने से लोग भी शर्मसार होते हैं।

संक्षिप्त समाचार

जनपद सिंचाई बन्धु की बैठक सम्पन्न

बहराइच। जनपद में नहरों की समुचित सफाई, नहरों की कटिंग तथा टेल तक पानी की उपलब्धता, रोस्टर के अनुसार नहरों का संचालन, नहरों के कुलाबों की व्यवस्था, राजकीय नलकूपों का संचालन, कृषकों से प्राप्त अन्य प्रकार की शिकायतों के निराकरण की समीक्षा हेतु विगत दिवस कल्पीपारा कालोनी स्थित सिंचाई विभाग के आफीसर्स फील्ड हास्टल में शासन द्वारा नामित उपाध्यक्ष राघवेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में जनपद सिंचाई बन्धु की बैठक सम्पन्न हुई। नहरों के संचालन एवं स्थानीय कृषकों द्वारा अवैध रूप से की जा रही नहर कटिंग पर प्रभावी अंकुश के लिए उपाध्यक्ष द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये गये। बैठक का संचालन अधि.अभि. स.न.ख. पंचम/सदस्य सचिव दिनेश कुमार ने किया। इस अवसर पर अधि.अभि. स.न.ख. प्रथम नानपारा अनिल कुमार गुप्ता, सहा.अभि. स.न.ख.-3 बहराइच के राजेश गुप्ता, खण्ड-प्रथम बहराइच के संदीप चौहान, रोहित कुमार व पुष्कर शुक्ला, खण्ड चतुर्थ के विरेन्द्र गुप्ता, स.न.ख.-प्रथम बलरामपुर के अरविन्द कुमार, भूमि संरक्षण अधिकारी रामचन्द्र, सहा.अभि. नलकूप के नेम सिंह, अवर अभियन्ता विद्युत अजय कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

18 अक्टूबर को आयोजित होगा किसान दिवस

बहराइच। शासन के निर्देशानुसार जनपद के किसानों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रत्येक माह के तृतीय बुधवार को आयोजित होने वाले किसान दिवसों की श्रृंखला अन्तर्गत 18 अक्टूबर 2023 को मध्यान्ह 12:00 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मोनिका रानी की अध्यक्षता में किसान दिवस तथा कृषक उत्पादक संगठनों द्वारा कराये गये कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया है। यह जानकारी देते हुए उप निदेशक कृषि टी.पी. शाही ने कृषि एवं एलाइड विभागों के अधिकारियों से अपेक्षा की है कि विभाग से संबंधित योजनाओं की अद्यतन सूचनाओं के साथ निर्धारित तिथि, समय व स्थान उपस्थित होकर किसान दिवस में प्रतिभाग करें।

बाप बेटे ने साथ में पी शराब, नशे में कहासुनी हुई तो पिता को मार डाला

झांसी। प्रेमनगर के खाती बाबा मोहल्ले में बाप-बेटे साथ बैठकर शराब पी रहे थे। दारू खत्म होने पर बेटे ने और बोतल लाने के लिए पिता से पैसे मांगे। पिता के इंकार करने पर युवक ने लोहे की रॉड से हमला कर दिया। नशे में धुत्त युवक तब तक वार करता रहा जब तक पिता लहूलुहान होकर जमीन पर न गिर गया। मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। प्रेमनगर पुलिस के मुताबिक खाती बाबा निवासी रेमंड जेनिस सैनी (52) 9 अक्टूबर की रात अपने बेटे हर्ष के साथ घर में बैठकर शराब पी रहा था। शराब खत्म होने के बाद हर्ष ने पिता से और शराब लाने के लिए पैसे मांगे। रेमंड ने पैसे देने से इन्कार कर दिया। इस बात से हर्ष नाराज हो गया। इसे लेकर दोनों में कहासुनी होने लगी। गुस्से में आकर हर्ष ने पास में पड़ी रॉड से पिता पर हमला बोल दिया। पिता को मार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पिता की चीख-पुकार सुनकर पड़ोस के लोग भी आ गए। पड़ोसियों की सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस ने घायल रेमंड को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। उसकी हालत तब से नाजुक बनी हुई थी। बुधवार दोपहर उसकी मौत हो गई। एसपी सिटी ज्ञानेंद्र सिंह के मुताबिक आरोपी पुत्र के खिलाफ नामजद रिपोर्ट करके उसे हिरासत में ले लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

चार्ज करते समय शॉर्ट सर्किट से इलेक्ट्रिक स्कूटी में लगी आग, जलकर खाक हुआ वाहन

झांसी। झांसी कोतवाली के बड़गांव गेट बाहर स्थित स्थित अन्नपूर्णा कॉलोनी निवासी पवन निगम की इलेक्ट्रिक स्कूटी में चार्ज करते समय आग लग गई। आग शॉर्ट सर्किट के चलते लगी। झांसी कोतवाली के बड़गांव गेट बाहर स्थित स्थित अन्नपूर्णा कॉलोनी निवासी पवन निगम की इलेक्ट्रिक स्कूटी में चार्ज करते समय आग लग गई। आग शॉर्ट सर्किट के चलते लगी। कुछ ही देर में आग ने स्कूटी को चपेट में ले लिया। जब तक आग बुझाई जाती स्कूटी जलकर खाक हो गई। पवन के मुताबिक यह स्कूटी उन्होंने 28 मार्च 2022 को झांसी से खरीदी थी। उनका कहना है कि रोजाना की तरह बुधवार शाम को उन्होंने घर में स्कूटी को चार्ज करने के लिए लगाया था।

विभागों में सात लाख के बोर्ड, पढ़ाई पर नहीं जोर

झांसी। बुंदेलखंड विवि में इन दिनों निर्माण और मरम्मत कामों पर जमकर पैसा बहाया जा रहा है। विवि में बने विभागों में सात लाख रुपये केवल नाम का बोर्ड लगाने पर खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन पढ़ाई और शैक्षिक गुणवत्ता को सुधारने के नाम पर बजट का रोना रो दिया जाता है। शिक्षा गुणवत्ता के गिरते स्तर का आलम यह है कि विवि में चल रहे विभिन्न कोर्सों में विद्यार्थी प्रवेश ही नहीं ले रहे हैं। विवि कैंपस समेत कई कॉलेजों में कई चरण की प्रक्रिया के बाद भी सीटें खाली हैं। बुंदेलखंड विवि में जल्द ही राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) की टीम निरीक्षण करने आने वाली है। यह टीम विवि में शिक्षा व्यवस्था, सफाई समेत अन्य बिंदुओं का निरीक्षण करके रैंक देगी। इस रैंक के आधार पर विवि में विद्यार्थियों के प्रवेश और बजट मिलता है। नैक की टीम को सब कुछ दुरुस्त मिले इसे लेकर बीयू प्रशासन इन दिनों निर्माण और मरम्मत कार्यों पर खूब पैसा खर्च कर रहा है। प्रशासनिक विभाग समेत विभागों में रंगाई-पुताई और मरम्मत के काम पर खूब खर्चा किया जा रहा है। आलम यह है कि बीयू के हर विभाग में सात लाख रुपये विभाग के नाम का एलईडी बोर्ड लगाया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर बीयू के विद्यार्थी लगातार शैक्षणिक गुणवत्ता खराब होने, विभागों में पढ़ाई न होने, प्रयोगशालाओं में प्रयोग न कराए जाने की शिकायत कर रहे हैं। विभागों के बाथरूम में टाइल्स लगाकर नया किया जा रहा है, जबकि नालियां चोक हैं। कुलसचिव विनय कुमार सिंह के अनुसार नैक के पैमानों के अनुसार बीयू को तैयार किया जा रहा है। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय और विभागों का नया बोर्ड तैयार हो गया है। बोर्ड की कीमत टेंडर प्रक्रिया के तहत तय की गई है।

रिटायर्ड सब इंस्पेक्टर के दो बेटों को हत्या में आजीवन कारावास

झांसी। अपर सत्र न्यायाधीश जयतेंद्र कुमार की अदालत ने हत्या का आरोप सिद्ध होने पर पुलिस के रिटायर्ड सब इंस्पेक्टर के दो बेटों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। जमीनी रंजिश में दोनों ने गांव के ही एक युवक को बंदूकों की बटों से हमलाकर मौत के घाट उतार दिया था। न्यायालय ने सात साल पुराने मामले में फैसला सुनाया। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता तेज सिंह गौर ने बताया कि बड़ागांव के ग्राम मड़ोरा निवासी भगवान सिंह यादव ने बड़ागांव थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें बताया था कि पांच मई 2016 की रात तकरीबन 12 बजे उनका भाई अंगद सिंह घर से जानवरों के बाड़े में सोने जा रहा था। इसी बीच जमीनी रंजिश के चलते गांव में रहने वाले पुलिस के रिटायर्ड सब इंस्पेक्टर जगदीश के बेटे कमल और जयपाल ने उस पर हमला बोल दिया था। दोनों ने बंदूकों की बटों से बेरहमी से उसके सिर पर प्रहार किए थे। घटना में भाई गंभीर रूप से घायल हो गया था। मेडिकल ले जाते समय उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया था। न्यायालय ने पूरे मामले की सुनवाई के बाद अभियुक्त कमल और जयपाल को आजीवन सश्रम कारावास की सजा सुनाई। इसके अलावा दोनों पर 50-50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया, जिसकी अदायगी न करने पर दोनों को एक-एक साल का अर्थदंड भी भुगतना होगा। बता दें कि इस घटना में दोनों सगे भाइयों के अलावा उनके पिता रिटायर्ड सब इंस्पेक्टर जगदीश व मां कपूरी देवी को भी आरोपी बनाया गया था, जिन्हें न्यायालय ने बरी कर दिया।

जोर पकड़ रहा डेंगू का डंक, स्वास्थ्य विभाग लाचार

मथुरा। महानगर में डेंगू के मरीज कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। बृहस्पतिवार को इनकी संख्या 84 हो गई, जोकि पिछले साल की अपेक्षा काफी ज्यादा है। इसके बाद भी स्वास्थ्य विभाग इस पर लगाम नहीं लगा पा रहा है। बृहस्पतिवार को महानगर के विभिन्न क्षेत्रों में डेंगू के छह नए मरीज मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार बल्देवपुरम, कांशीराम कॉलोनी, आनंदपुरी गली नं. 6, सुरीर कलां, बाद गांव, गोशाला नगर वृंदावन में नए मरीज मिले हैं। इन्हें मिलाकर अब तक 84 मरीज डेंगू की बीमारी से पीड़ित हो चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों पर नजर डालें तो 2022 में अक्तूबर माह में पहला केस मिला था और नवंबर तक 72 लोग डेंगू की चपेट में आए। इस बार पहला केस अक्तूबर माह में ही मिल गया। इसके बाद मरीजों की संख्या में इजाफा होता जा रहा है। आम तौर पर नवंबर माह तक डेंगू के मरीज मिलते हैं। इस तरह देखा जाए तो आधा अक्तूबर और पूरा नवंबर माह पड़ा है। यदि स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू को रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए तो घर-घर में डेंगू से पीड़ित मरीजों की चारपाई दिखाई देंगी। जिला मलेरिया अधिकारी आरके सिंह ने बताया कि डेंगू के मरीजों को लगातार उपचार दिया जा रहा है। उनकी हालत में सुधार भी हो रहा है। इसके साथ नए मरीजों को भी तलाशा जा रहा है। विभाग पूरी तत्परता के साथ लगा है। डेंगू को रोकने में जनता को भी सहयोग करना चाहिए। डेंगू का मच्छर गंदे पानी में पनपता है। लोगों को अपने घरों के कूलर आदि का पानी खाली कर देना चाहिए। स्वास्थ्य विभाग भी कीटनाशक दवा का छिड़काव करा रहा है। जगह-जगह फॉगिंग कराई जा रही है, ताकि मच्छर और उसके अंडों को समाप्त किया जा सके।

जन सूचना आवेदन पत्रों का निस्तारण में समयसीमा का पालन करें अधिकारी-सूचना आयुक्त

त्रिगुट संवाददाता

बहराइच। जन सूचना अधिकार अधिनियम-2005 अन्तर्गत प्राप्त होने वाले प्रार्थना-पत्रों के समयबद्ध निस्तारण के उद्देश्य से एक दिवसीय जनपद भ्रमण पर आये राज्य सूचना आयुक्त सुभाष चन्द्र सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार जिले के अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए निर्देश दिया कि जन सूचना अधिकार अधिनियम-2005 अन्तर्गत प्राप्त होने वाले प्रार्थना-पत्रों के निस्तारण में 30 दिवस की समयसीमा का अनिवार्य रूप से पालन करते हुए सम्बन्धित को अनिवार्य रूप से सूचना उपलब्ध करा दी जाए। आयुक्त ने कहा कि यदि कोई आवेदन पत्र विभाग से सम्बन्धित नही है, तो ऐसे आवेदन-पत्र को सम्बन्धित विभाग को अन्तरित कर दिया जाए।

सूचना आयुक्त श्री सिंह ने अधिकारियों से कहा कि सूचना उपलब्ध कराते समय इस बात का ध्यान रखा जाए कि फरियादी को पूर्ण सूचना उपलब्ध कराएं और आवश्यकता के अनुसार अन्य प्रपत्र भी संलग्नक करें, ताकि फरियादी आपकी कार्यवाही से संतुष्ट हो जाए। श्री सिंह ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को आधी अधूरी व भ्रामक सूचना कदापि न दें। श्री सिंह ने अधिकारियों को यह भी सुझाव दिया कि प्रत्येक जन सूचना अधिकारी अपने कार्यालय में एक पंजिका रखें, जिसमें जनसूचना आवेदन पत्रों की प्राप्ति व निस्तारण से सम्बन्धित सम्पूर्ण विवरण क्रमवार व तिथिवार अंकित किया जाए।

राज्य सूचना आयुक्त ने कहा कि जन सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के तहत सूचना मांगना वादी का अधिकार है तथा सूचना देना जन सूचना अधिकारी का वैधानिक कर्तव्य है। उन्होंने जन सूचना अधिकारियों व प्रथम अपीलीय अधिकारियों को सुझाव दिया कि अपने पदेन उत्तरदायित्वों के साथ-साथ जन सूचना अधिकारी के वैधानिक कर्तव्यों का निर्वहन भी 30 दिवस के भीतर अवश्य करें। सूचना आयुक्त श्री सिंह ने

कहा कि यदि किसी प्रार्थना-पत्र के सम्बन्ध में आप द्वारा सूचना नहीं दी जा रही है तो आवेदनकर्ता को 30 दिवस के अन्दर सूचना न देने के कारणों से अवश्य अवगत कराया जाय। श्री सिंह ने सभी सम्बन्धित से कहा कि किसी भी परिस्थिति में 30 दिन की समयसीमा का उल्लंघन न किया जाय। सूचना आयुक्त ने बैठक में मौजूद जन सूचना अधिकारियों की जिज्ञासाओं का भी समाधान किया गया।

जिलाधिकारी मोनिका रानी ने जनपद आगमन के लिए सूचना आयुक्त श्री सिंह का आभार ज्ञापित करते हुए कहाकि बैठक के माध्यम से जिले के अधिकारियों का जो ज्ञानार्जन हुआ है उससे जन सूचना अधिकार से सम्बन्धित प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों का निस्तारण करने में सहयोग प्राप्त होगा। डीएम ने जिले के अधिकारियों को निर्देशित किया कि बैठक में आयुक्त के माध्यम से प्राप्त हुए दिशा निर्देशों का पालन करते हुए निर्धारित अवधि में आवेदन पत्रों का निस्तारण सुनिश्चित कराएं। बैठक के अन्त जिलाधिकारी ने सूचना आयुक्त को ओडीओपी अन्तर्गत निर्मित स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। जबकि बैठक से पूर्व सभागार के बरामदे में जन सूचना अधिकार विषय पर उकेरी गई रंग-बिरंगी रंगोली का सूचना आयुक्त ने अवलोकन किया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी रम्या आर. मुख्य राजस्व अधिकारी अवधेश कुमार मिश्र, अपर पुलिस अधीक्षक पवित्र मोहन त्रिपाठी, नगर मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर, कारागार अधीक्षक राजेश यादव, उप जिलाधिकारी सदर डॉ पूजा यादव, पयागपुर दिनेश कुमार, कैसरगंज पंकज दीक्षित, महसी राकेश कुमार मौर्या, मिहींपुरवा संजय कुमार, सीएमओ डॉ एस.के. सिंह, जिला विकास अधिकारी महेन्द्र कुमार पाण्डेय सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

अयोध्या धाम में मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट का कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है-जिलाधिकारी

डा0 नरेन्द्र बहादुर सिंह

अयोध्या- जिलाधिकारी श्री नितीश कुमार ने बताया कि अयोध्या धाम में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण के साथ यहां आने वाले श्रद्धालुओं को आवागमन की बेहतर से बेहतर सुविधा उपलब्ध कराए जाने के दृष्टिगत अयोध्या धाम तथा अयोध्या को जोड़ने वाले मार्गों के चैड़ीकरण एवं विस्तारीकरण का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है। अयोध्या धाम तक हवाई यात्रा की सुविधा हेतु अयोध्या धाम में मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट का कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है, जिसका संचालन चालू कैलेंडर वर्ष में ही प्रारम्भ कर दिया जायेगा। इसी के साथ ही अयोध्या धाम तक उच्च स्तरीय रेल यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु रेलवे स्टेशनों का उच्चीकरण कर यात्री सुविधाओं का विकास भी तेजी से किया जा रहा है। अयोध्या धाम की प्राचीनतम, पौराणिकता को संरक्षित रखते हुये चरणबद्ध तरीके से अयोध्या के विभिन्न ऐतिहासिक एवं पौराणिक मठ-मंदिरों, आश्रमों, भवनों एवं कुंडों आदि को उनकी ऐतिहासिक वास्तुकलाओं को संजोने-संवारने का कार्य चरणवद्ध तरीके से किया जा रहा है। इसी क्रम में शासन द्वारा स्वीकृत 84.24 करोड़ की लागत से 84 कोसी, 14 कोसी एवं पंचकोसी परिक्रमा मार्गों के समीप/किनारे स्थित पर्यटन स्थलों यथा पौराणिक कुण्डों, आश्रमों आदि के पर्यटक विकास/निर्माण एवं जीर्णोद्धार का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि 14 कोसी मार्ग के किनारे स्थित पर्यटन स्थलों यथा लक्ष्मीसागर कुंड, वैतरणी कुंड, निर्मल कुंड, गिरजा कुंड, विघ्नेश्वर नाथ शिव मंदिर एवं विभीषण कुंड के जीर्णोद्धार एवं पर्यटन सुविधाओं के विकास का कार्य किया जाना है। पंचकोसी परिक्रमा मार्ग के किनारे/समीप स्थित पर्यटन स्थलों यथा सुग्रीव किला, अशर्फी भवन, छोटी देवकाली, नागेश्वर नाथ मंदिर, श्रेश्वर नाथ मंदिर, मुंडा शिवालय, दन्तधावन कुंड, प्रहलाद कुंड, जानकी कुण्ड, मोनी बाबा आश्रम, कौशल्या घाट, विद्या देवी कुंड, सीता कुंड, दशरथ कुंड के जीर्णोद्धार एवं पर्यटन सुविधाओं का विकास कार्य किया जाना है। इसी प्रकार जनपद अयोध्या में 84 कोसी परिक्रमा मार्ग पर स्थित पर्यटन स्थलों/कुंडों एवं आश्रमों यथा दुधेश्वर कुण्ड (सीताकुंड), महर्षि वामदेव आश्रम, जन्मेजय कुंड, नरकुंड, महर्षि वेद व्यास गेट गौराघाट, महर्षि वामदेव आश्रम व तालाब, त्रिपुरारी कुंड, दशरथ समाधि स्थल, नंदीग्राम भरतकुंड, श्रवण कुमार आश्रम, आस्तिक आश्रम, ऋषि च्यवन आश्रम, मेधा ऋषि आश्रम, श्री बंधु बाबा आश्रम व महर्षि वामदेव आश्रम व तालाब के जीर्णोद्धार एवं पर्यटन सुविधाओं के विकास कार्य किया जाना है।

जिलाधिकारी ने बताया कि वर्तमान में दंतधावनकुण्ड, सीताकुण्ड, विद्या देवी कुण्ड, गिरिजा कुण्ड, लक्ष्मी सागर कुण्ड, विभीषण कुण्ड, महर्षि वामदेव कुण्ड व आश्रम, जन्मेजय कुण्ड, दशरथ कुण्ड, दुग्धेश्वर कुण्ड (सीताकुण्ड), नन्दीग्राम भरतकुण्ड आदि पौराणिक स्थलों पर कार्य आरंभ भी हो चुका है। अयोध्या धाम में स्थित सूर्यकुण्ड, हनुमान कुण्ड, स्वर्णखनि कुण्ड एवं गणेश कुंड में कार्य पूर्ण भी हो चुका है, इन स्थलों पर सभा स्थल, छतरी, टायलेट, म्यूरल वाल, घाट एवं प्लेटफार्म, ऑटो वाटर फिल्टैउशन, बेंच, डस्टबिन, रेलिंग, साइनिज, लाइटिंग और पेयजल व्यवस्था आदि कार्य किया गया है, इन्ही कुंडों के तर्ज पर अन्य कुंडों को भी संजोने_संवारने का कार्य चरण वद्ध रूप में किया जा रहा है।

घर बैठे प्राप्त कर सकते हैं कई तरह की सेवाएं

अयोध्या। सेवायोजन विभाग उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नागरिकों को स्थानीय स्तर पर विभिन्न प्रकृति की सेवाएं प्रदान किये जाने के उद्देश्य से संचालित सेवा मित्र पोर्टल से कई तरह की सेवाएं जैसे-कारपेन्टर, टैक्सी सेवा कान्सट्रक्शन सेवा, कॅटरिंग सेवा, टेन्ट सेवा, इंटीरियर डिजाइन सेवा, पेंटिंग सेवा एवं इलेक्ट्रिकल सेवा आदि घर बैठे प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही सेवा प्रदाता फर्मस एवं कुशल कामगार भी इस व्यवस्था के अंतर्गत अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। इन सेवाओं का लाभ सेवामित्र पोर्टल पर sewamitra.up.gov.in अथवा सेवामित्र मोबाइल एप्लीकेशन या ट्रोल की काल सेन्टर नम्बर 155330 के माध्यम से उठाया जा सकता है। सेवा मित्र व्यवस्था के अंतर्गत कौशल प्राप्त युवाओं को सेवा प्रदाता एजेंसी के माध्यम से स्वावलम्बन के अवसर प्राप्त हो रहे हैं,

साथ ही इसमें डे वर्क और प्रोजेक्ट वर्क के अंतर्गत स्टार्टप के अवसर भी उपलब्ध हो रहेंहै. यह व्यवस्था पेशेवरों को डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से रोजगार प्राप्त करने और नागरिकों को उचित कीमत पर सत्यापित सेवाएं प्रदान कर सरकार के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के अनुरूप है। श्री पद्म वीर कृष्ण, सहायक निर्देशक सेवायोजन अयोध्या ने अवगत कराया कि जनपद अयोध्या में सेवामित्र जागरूकता पखवाड़ा (दिनांक 01 अक्टूबर, 2023 से 15 अक्टूबर, 2023 तक) मनाया जा रहा है। कारपेंटर, टैक्सी सेवा, हाउसिंग सेवा, कैटरिंग सेवा, टेन्ट सेवा, इंटीरियर डिजाइन सेवा, पेंटिंग सेवा एवं इलेक्ट्रिकल सेवा आदि विभिन्न सेवाएं चाहने वाले एवं देने वाले सेवा मित्र पोर्टल के माध्यम से लाभान्वित हो सकते है। इसका प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है।

स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाताओं को जागरूक करने के लिये व्यापक प्रचार.प्रसार कराया जाये

मतदाताओं को फार्म.6ए 7 व 8 से संबधित जानकारी उपलब्ध करायी जाये

लखनऊ। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत मतदाता जागरूकता हेतु विभिन्न माध्यमों से व्यापक प्रचार.प्रसार कराया जाना है। साथ ही अर्हता तिथि 01 जनवरीए 2024 के आधार पर वर्तमान पर विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के पूर्व की गतिविधियां संचालित है। इसके लिये अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्रीमती निधि श्रीवास्तव ने समस्त जिला निर्वाचन अधिकारियोंध्जिला अधिकारियों को निर्देश जारी किये है।

मतदाताओं को जागरूक करने के लिये फार्म.8 से सम्बन्धित जानकारी का व्यापक प्रचार.प्रसार बूथ लेवल अधिकारियों व सुपरवाईजर के माध्यम सेए मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेण्ट्स के द्वाराए इलेक्टोरल लिट्रेसी क्लब ;म्स्ब्द्ध के माध्यम सेए वोटर अवेयरनेस फोरम ;ट।थ्द्ध के माध्यम सेए प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के माध्यम सेए फेसबुकए इन्सटाग्राम इत्यादि सोशल साइट्स के माध्यम से कराया जाये। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचक नियमावलियों हेतु दावे और आपत्तियां प्राप्त करने के लिये फार्मदृ6ए 7 व 8 उपलब्ध कराया गया हैं। फार्म.6 नये पंजीकरण हेतु तथा फार्म.8. मतदाताओं द्वारा निवास स्थान परिवर्तनध्निर्वाचक नामावली में संशोधनध्मतदाता फोटो पहचान पत्र का प्रतिस्थापन तथा दिव्यांग मतदाताओं के चिन्हांकन हेतु निर्धारित है। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जनसामान्य में पर्याप्त जानकारी के अभाव में निर्धारित फार्मों का उपयोग न करने से कतिपय प्रकरणों में निवास स्थान परिवर्तन संबंधी आवेदन हेतु फार्म.8 का उपयोग न कर नए मतदाता अथवा ऐसे मतदाता जिनका नाम किसी भी विधानसभा की मतदाता सूची में सम्मिलित नहीं हैए के लिए फार्म.6 का उपयोग किया जाता है। इससे निर्वाचक नामावली में एक ही नाम बार.बार सम्मिलित होने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।उन्होने बताया कि फार्मदृ6 नए मतदाता या जिनका नाम किसी विधानसभा मतदाता सूची में सम्मिलित नहीं हैए उनके पंजीकरण हेतु निर्धारित है।

आयोग द्वारा निवास स्थान परिवर्तनध्निर्वाचक नामावली में संशोधनध्मतदाता फोटो पहचान पत्र का प्रतिस्थापन तथा दिव्यांग मतदाताओं के चिन्हांकन हेतु फार्मदृ8 निर्धारित किया गया हैए जिसकी जानकारी जन सामान्य में नही है या कम हैं।

परिवहन निगम 350 इलेक्ट्रिक बसों का जल्द करेगा संचालन

बोर्ड में निर्णय हेतु भेजा गया प्रस्ताव-श्री दयाशंकर सिंह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि उ0प्र0 परिवहन निगम द्वारा 100 नग स्टैण्डर्ड वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसों को क्रय करने के लिए तथा 250 नग स्टैण्डर्ड वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसों को जीसीसी मॉडल पर सी0ई0एस0एस0 के माध्यम से अनुबंध करने के लिए परिवहन निगम बोर्ड को प्रस्ताव भेजा गया है। इन बसों को भारत सरकार पी0एम0 ई बस सेवा के अंतर्गत कनवर्जेन्स एनर्जी सर्विसेज लि0 द्वारा अनुबंध पर लेने की कार्यवाही की जायेगी। जल्द ही बोर्ड द्वारा इस पर निर्णय लिया जायेगा। इन बसों के बस बेड़े में शामिल हो जाने से प्रदेश के लोगों को अच्छी और स्वास्थ्य के अनुकूल इलेक्ट्रिक बसें चलने के लिए उपलब्ध होंगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में इलेक्ट्रिक बसों को चलाया जाना ही हरित पर्यावरण के लिहाज से जरूरी भी है।

परिवहन मंत्री ने बताया कि 30 जून, 2028 तक 05 हजार इलेक्ट्रिक बसों को परिवहन निगम के बेड़े में शामिल किये जाना प्रस्तावित है। इन बसों को एनसीआर क्षेत्र तथा प्रदेश के महत्वपूर्ण धार्मिक, ऐतिहासिक एवं पर्यटन स्थलों में संचालित किया जायेगा। एनसीआर क्षेत्र के विभिन्न मार्गों में संचालन हेतु राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और निकटवर्ती क्षेत्र वायु गुणवत्ता प्रबंध आयोग के निर्देशानुसार इन क्षेत्रों में इलेक्ट्रिक बसों का ही संचालन किया जाना है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के महत्वपूर्ण धार्मिक तथा पर्यटन स्थलों के इलेक्ट्रिक बसों से जोड़ने के लिए परिवहन निगम लगातार कार्य कर रहा है। परिवहन मंत्री ने बताया कि 100 नग इलेक्ट्रिक बसों को लखनऊ तथा गाजियाबाद में तथा 250 नग अनुबंधित बसों को गाजियाबाद, आगरा, वाराणसी, गोरखपुर एवं लखनऊ में चलाया जायेगा। प्रदेश के लोगों को अधिक परिवहन सुविधाओं से जोड़े जाने की योजना पर परिवहन निगम कार्य कर रहा है। मा0 मुख्यमंत्री जी की कुशल मार्गदर्शन एवं निर्देशन में परिवहन निगम बेहतर से बेहतर कार्य करने के लिए कटिबद्ध है।

अवशेष पात्र कृषकों की ई-केवाईसी के लिए बैंकों को जारी किये गये निर्देश

बहराइच। मुख्य विकास अधिकारी रम्या आर. ने जिलों में अवस्थित बैंकों को निर्देश दिया है कि कृषि विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारियों व कृषकों के बैंक शाखा में जाने पर अपेक्षित सहयोग प्रदान करना सुनिश्चित करें। साथ ही जिन किसानों का बैंक खाता आपकी बैंक शाखा में संचालित है। उन सभी बैंक खातों को आधार से लिंक के साथ-साथ (एन.सी.पी.एल.) राष्ट्रीय भुगतान निगम से आधार लिंक करना सुनिश्चित करायें। ताकि जनपद के अवशेष पात्र किसानों को भारत सरकार व प्रदेश सरकार की मंशानुरूप प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से आच्छादित किया जा सके।

सीडीओ ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना हेतु शासन व केन्द्र सरकार द्वारा 31 अक्टूबर 2023 तक सभी कृषकों का ई-केवाईसी व आधार सीडिंग कराना अनिवार्य कर दिया गया है। अन्यथा की दशा में ई-केवाईसी से वंचित किसानों को पीएम किसान योजना के लाभ से वंचित होना पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि कृषि विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारियों द्वारा अभियान चलाकर ग्राम पंचायतों में कृषकों की ई-केवाईसी का कार्य किया जा रहा है।

सीडीओ ने बताया कि कभी-कभी कृषक भी बैंक खाते को आधार से लिंक कराने हेतु बैंकों में जाते हैं तो बैंक शाखा प्रबन्धकों अथवा काउन्टर पर नियुक्त कर्मियों द्वारा किसानों से यह कहकर कि आपका बैंक खाता आधार लिंक है या करा दिया गया है, परन्तु वह (एन.सी.पी.एल.) राष्ट्रीय भुगतान निगम से आधार लिंक नहीं कर रहे है तथा किसानों को लौटा दिया जाता है। फलस्वरुप उन्हें कर्मियों द्वारा की गयी लापरवाही के कारण भारत सरकार की इस महत्वपूर्ण योजना के लाभ से वंचित होना पड़ रहा है। इसके अलावा कृषकों की ई-केवाईसी तथा पता इत्यादि की जानकारी के लिए कृषि विभाग के कर्मचारियों द्वारा जब बैंक शाखाओं से सम्पर्क किया जाता है तो उन्हें बैंकों की ओर से अच्छा न मिलना अच्छी कार्य प्रणाली का द्योतक नहीं है। सीडीओ ने जिले के समस्त जिला बैंक समन्वयकों, अग्रणी जिला बैंक प्रबन्धक, स्टेट बैंक आफ इण्डिया, आर्यावर्त बैंक, बैंक आफ बड़ौदा, पंजाब नेशनल बैंक, इण्डिया पोस्ट पेमेन्ट बैंक, सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया, एचडीएफसी, यूनियन बैंक आफ इण्डिया तथा समस्त क्षेत्रीय प्रबन्धक आर्यावर्त बैंक बहराइच एवं भिन्गा को निर्देशित किया है कि 29 सितम्बर को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के दौरान दी गयी जानकारी के अनुसार अपरान्ह 2:00 बजे के बाद का समय कृषकों एवं कृषि विभाग के फील्ड लेवल कर्मचारियों के लिये आरक्षित करते हुए सभी पात्र अवशेष कृषकों के बैंक खाते आधार से लिंक कराने तथा राष्ट्रीय भुगतान निगम से आधार लिंक करने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाय। सीडीओ ने कृषकों से भी अपील की है कि अपने मोबाइल पर पीएम किसान ऐप डाउनलोड कर वे स्वयं भी अथवा जन सुविधा केन्द्र एवं कृषि विभाग के कर्मचारियों से सम्पर्क कर ई-केवाईसी पूर्ण करा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें अपना आधार व आधार से लिंक मोबाइल की आवश्यकता होगी। जबकि आधार सीडिंग हेतु कृषकों का अपने बैंक में जाकर अपने आधार व बैंक खाते को (एन.सी.पी.एल.) राष्ट्रीय भुगतान निगम से लिंक कराना होगा।

बैठक विकास भवन में सम्पन्न

अयोध्या। मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती अनिता यादव की अध्यक्षता में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वालम्बन हेतु आगामी शारदीय नवरात्र के पर्व पर मिशन शक्ति के विशेष अभियान (फेज-04) की तैयारियों के सम्बंध में अभियान से जुड़े सभी विभाग के अधिकारियों के साथ एक आवश्यक बैठक विकास भवन में सम्पन्न हुई। मुख्य विकास अधिकारी ने शासन द्वारा जारी शासनादेश के अन्तर्गत सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ इस अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिये। इसमें उन्होंने शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, ग्राम्य विकास, पंचायती राज, नगर विकास, युवा कल्याण, राजस्व, पुलिस विभाग, महिला कल्याण, संस्कृति एवं सूचना सहित आदि विभागों से सम्बंधित अधिकारियों को अभियान में सौपे गये दायित्वों का निर्वाहन करने के निर्देश दिये। गौरतलब है कि मिशन शक्ति के विशेष अभियान के अन्तर्गत दिनांक 14 अक्टूबर 2023 को प्रातः 08:30 बजे से एक से डेढ़ घंटे के लिए जनपद मुख्यालयों में चारपहिया एवं दोपहिया वाहनों से जागरूकता रैली निकाले जाने के निर्देश दिये गये है, इसके क्रम में जनपद में पुलिस लाइन से सभी सम्बंधित विभागों से समन्वय करते हुये 8:30 बजे से जागरूकता रैली निकाली जायेगी।

निः सहाय निर्धन तथा गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों की पुत्रियों की शादी हेतु अनुदान दिए जाने का प्रावधान है

डा0 नरेन्द्र बहादुर सिंह

अयोध्या- मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती अनिता यादव ने बताया वर्तमान वित्तीय वर्ष में अन्य पिछड़े वर्ग (अल्पसंख्यक वर्ग के छोड़कर) निः सहाय निर्धन तथा गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों की पुत्रियों की शादी हेतु अनुदान दिए जाने का प्रावधान है। इस योजनान्तर्गत एक पिता की अधिकतम दो पुत्रियों हेतु प्रति पुत्री रू0 20000 अनुदान दिया जाता है। जिस हेतु प्रथम चरण मे शासन द्वारा जनपद अयोध्या को 92.80 लाख (बानवे लाख अस्सी हजार रू0 मात्र) की धनराशि जारी की गयी है। अलग-अलग विकास खण्ड से सत्यापनोपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों के सापेक्ष कार्यवाही करते हुए 90 लाभार्थियों के खातो में 20000 रू0 प्रति लाभार्थी की दर से कुल 18.00 लाख रू0 ई-कुबेर से भेज दिया गया है।

शासन ने पिछड़े वर्ग के गरीब व्यक्तियों के लोगें के पुत्रियों की शादी अनुदान हेतु बजट आवंटित किया है लेकिन लक्ष्य के सापेक्ष लाभार्थियो ने अभी तक आवेदन नहीं किया है। अभी तक मात्र 210 आवेदन हुए है। योजना पूर्णतया आनलाइन है जिस हेतु पोर्टल www.shadianudan.upsdc.gov.in पर दिये गये लिंक पर आनलाइन आवेदन किया जा सकता है। आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूर्णतया आधार कार्ड प्रमाणन (ई0के0वाई0सी0) आधारित है जिस हेतु आवेदक (माता/पिता/अभिभावक) एवं पुत्री दोनों के आधार नम्बर की आवश्यकता है। पंजीकरण करते समय आधार नम्बर से मोबाइल नम्बर लिंक होना अनिवार्य है जिससे कि आधार के ई0के0वाई0सी0 का अभिप्रमाणन किया जा सके। लिंक मोबाइल नम्बर पर प्राप्त ओ0टी0पी0 से लागिन कर पंजीकरण एवं आनलाइन आवेदन पूर्ण करने सम्बन्धी प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। आवेदक की वार्षिक आय ग्रामीण क्षेत्र में अधिकतम रू0 46,080 प्रतिवर्ष एवं शहरी क्षेत्र मे अधिकतम रू0 56,460 प्रतिवर्ष होनी चाहिए। पुत्री की आयु शादी की तिथि के दिन 18 वर्ष या उससे अधिक एवं वर की आयु 21 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए। आनलाइन आवेदन शादी की तिथि से 90 दिन पूर्व एवं 90 दिन पश्चात तक किया जा सकता है। आनलाइन आवेदन में आवेदक के अपने जाति प्रमाण पत्र एवं आय प्रमाण पत्र के प्रमाण पत्र संख्या एवं आवेदन क्रमांक संख्या तथा बैंक खाता संख्या एवं आई0एफ0एस0सी0 कोड को सही-सही अंकित करना अनिवार्य है।

गलत प्रविष्टि करने पर आनलाइन आवेदन निरस्त हो जाएगा जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी सम्बन्धित आवेदक की होगी। उक्त योजनान्तर्गत आनलाइन आवेदन जनसेवा केन्द्र, लोकवाणी केन्द्र, साईवर कैफे, निजी इन्टरनेट एवं व्यक्तिगत स्मार्टफोन के माध्यम से किया/कराया जा सकता है। आवेदनोंपरान्त आनलाइन आवेदन के प्रिंट आउट के साथ समस्त संलग्नकों को अपने विकास खण्ड के खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय एवं शहरी क्षेत्र में सम्बन्धित उप जिलाधिकारी कार्यालय में जमा करना सुनिश्चित करें।

गौहनिया में निर्मित वृहद गौ संरक्षण केन्द्र विधायक महसी ने किया उदघाटन

बहराइच। तहसील महसी के ब्लाक फखरपुर की ग्राम पंचायत गौहनिया में रू. 1.20 करोड़ की लागत से निर्मित वृहद गौ संरक्षण केन्द्र का मुख्य अतिथि विधायक महसी सुरेश्वर सिंह ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच फीता काटकर उदघाटन किया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी महसी राकेश कुमार मौर्य, पुलिस क्षेत्राधिकारी जय प्रकाश त्रिपाठी, खण्ड विकास अधिकारी शैलेन्द्र सिंह, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी महसी डॉ. ओम प्रकाश श्रीवास्तव, पशु चिकित्साधिकारी फखरपुर सुभाष चन्द्र मौर्य, सम्बन्धित ग्राम पंचायत के प्रधान व सचिव सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।

वृहद गौ संरक्षण केन्द्र के निरीक्षण के पश्चात मुख्य अतिथि ने यहां पर संरक्षित गौवंशों की पूजा की तथा गुड़, फल, चना व हरा चारा खिलाकर गौसेवा की। संरक्षण केन्द्र की व्यवस्थाओं का जायज़ा लेने पर बताया गया कि यहां पर गौवंशों के रहने हेतु 04 पशु शेड, पानी की चन्नी 04 अदद, सबमर्सिबल बोरिंग तथा भूसा गोदाम का निर्माण किया गया।

वर्तमान समय में यहां पर 35 गौवंश संरक्षित हैं जिनके लिए लगभग 10 कुण्टल भूसा उपलब्ध है। विधायक श्री सिंह ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि शासन की मंशानुरूप संरक्षित गोवंशों के लिए व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जायें।

त्रिगुट

शनिवार 14 अक्टूबर 2023

कम कमाई, खर्च ज्यादा,कर्ज से दुनिया में बढी मानसिक रोगियों की संख्या

दुनिया भर के देशों में मानसिक रोगियों की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। हाल ही में ब्रेडफोर्ट यूनिवर्सिटी के स्कूल आफ मैनेजमेंट मे आर्थिक विभाग के प्रोफेसर केरी पेप्स का कहना है,कोरोना महामारी के बाद दुनिया भर के देशों में आर्थिक दबाव बढ़ गया है। आए और खर्च के बीच में, महंगाई के कारण तालमेल नहीं बन पाने के कारण, मानसिक रूप से इसका असर पड़ रहा है। एक और आम आदमी की आय कम हो रही है। वही नागरिकों के खर्च,महंगाई के कारण बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। खर्च पूरा करने के लिए लोगों को कर्ज लेना पड़ रहा है। वर्तमान आय से पारिवारिक खर्च को चलाना बड़ा मुश्किल हो गया है। जिसके कारण ब्रिटेन जैसे देश में आर्थिक कारणों से लोग बड़ी संख्या में मानसिक रोगी बन रहे हैं। बैंक ऑफ़ इंग्लैंड ने महंगाई कम करने के लिए ब्याज दरों में वृद्धि कर दी है। दुनिया के बहुत सारे देशों ने भी, महंगाई को नियंत्रित करने के लिए कर्ज पर ब्याज की दर बढ़ा दी है। जिसके कारण कर्ज और महंगा हो गया है। शोध में ब्रिटेन और अमेरिका के आर्थिक हालात का सर्वेक्षण किया गया है। अमेरिका में भी लगभग लगभग आर्थिक स्थिति इसी तरीके की है। अमेरिका का न्यूनतम वेतन ब्रिटेन से कम होने के कारण अमेरिका में,और भी खराब हालात हैं। ब्रिटेन में 25 से 34 साल के युवा सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं। 25 से 34 साल के 52 फ़ीसदी युवा मानसिक रूप से परेशान होकर शारीरिक बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। यह स्थिति ब्रिटेन और अमेरिका अकेले की नहीं है। सारी दुनिया के देश आर्थिक कारणों से जो समस्या उत्पन्न हो रही है। उससे मानसिक रोग कई समस्या से प्रभावित हो रहे हैं। मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञों के अनुसार वित्तीय स्थिति के कारण तनाव,चिंता और बेचैनी घर- घर में देखने को मिल रही है। आय की तुलना में कर्ज ओर ब्याज का बोझ, अति आवश्यक खर्च अधिक होने से, निम्न एवं मध्यम वर्गीय परिवार के साथ-साथ अब उच्च मध्यम वर्ग के परिवार भी मनोरोग के शिकार हो रहे हैं। भारत जैसे विकासशील राष्ट्र में भी स्थिति इससे भी खराब देखने को मिल रही है। भारत में बेरोजगारी बड़ी तेजी के साथ बढ़ती जा रही है। भारत में नागरिकों के ऊपर टैक्स भी बढ़ाये जा रहे हैं। मनोचिकित्सकों के पास भारत में भी बड़ी संख्या में लोग इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। उन सबके पीछे अधिकांशत: आर्थिक मामलों के कारण मनो रोगियों की संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही है। सबसे बड़ा दुष्प्रभाव युवाओं के ऊपर पड़ रहा है।

भारत में स्नातक और परास्नातक बेरोजगारों की संख्या बड़े पैमाने पर बढ़ी है। कर्ज लेकर उच्च शिक्षा की पढ़ाई में लाखों रुपए का कर्ज उनके ऊपर हो गया। डिग्री हासिल करने के बाद भी उन्हें कहीं काम नहीं मिल रहा है। जिन्हें नौकरी मिली भी है, उसका वेतन इतना काम है,कि उससे उनका गुजारा हो पाना संभव नहीं हो पा रहा है। संविदा और कांटेक्ट पर नियुक्ति होने से स्नातक और परास्नातक को अधिकतम 12000 से लेकर 20000 रुपये तक की नौकरी भारत में मिल पा रही है। बेरोजगारी और कब आय के कारण युवाओं की शादी भी 28 से 35 साल की उम्र में पहुंचने के बाद भी नहीं हो पा रही है। आय का अन्य कोई साधन नहीं होने से सामाजिक व्यवस्था में भी बड़ा तनाव परिवार और लोगों के बीच में देखने को मिल रहा है। जिसके कारण मनोरोगियों की संख्या भारत में भी बड़ी तेजी के साथ बढ रही है। मनोरोग विशेषज्ञों का कहना है, कि वित्तीय चिंता के कारण तनाव और बेचैनी के कारण वेतन भोगियों से लेकर, उनके परिवार के अन्य सदस्य भी मनोरोग के शिकार हो रहे हैं। भारत में आत्महत्या भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ती जा रही हैं। कोचिंग, पढ़ाई और आर्थिक कारणों से युवा बड़ी संख्या में आत्महत्या करने लगे हैं। पिछले एक दशक में युवाओं मे आत्महत्या करने की प्रवत्ती और उनकी संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। निम्न मध्यम वर्ग परिवार में कर्ज का बोझ इतना ज्यादा हो गया है, कि अब परिवार के सभी सदस्यों की हत्या करके आत्महत्या करने वालों की संख्या बड़ी तेजी के साथ भारत में बढ़ रही है। भारत में चिंता का सबसे बड़ा कारण है। आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपैया, कर्ज लेकर अपनी जरूरत को पूरा करने की प्रवृत्ति पिछले दो दशक में बड़ी तेजी के साथ भारतीय समाज में भी बढ़ी है। वर्तमान स्थिति में परिवार के अधिकांश सदस्यों पर कर्ज इतना ज्यादा हो गया है,कि उसकी किस्तें चुकाना भी संभव नहीं रहा। आवश्यक खर्चों के लिए भी पर्याप्त आय नहीं होने के परिणाम स्वरुप मनोरोगियों की संख्या तेजी के साथ बढ़ रही है। पिछले एक दशक मेंआर्थिक कारणों से अपराध भी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं, यह चिंता का विषय है। इस दिशा में सरकार के साथ-साथ,विशेष रूप से सामाजिक संगठनों को ध्यान देने की जरूरत है। समय रहते आर्थिक कारणों से मनोरोगियों की, जो संख्या बढ़ रही है। उसको समय रहते नियंत्रित नहीं किया गया,तो आगे चलकर भारी दुष्परिणाम झेलने पड सकते हैं।

अनंत शक्तियों का स्वामी हैं हमारा मन

हमें यह बात हमेशा ध्यान में रखना चाहिए कि मन का परमात्मा के साथ घनिष्ठ संबंध है। मन और ब्रह्म दो भिन्न वस्तुएं नहीं हैं। ब्रह्म ही मन का आकार धारण करता है। अतः मन अनंत और अपार शक्तियों का स्वामी है। मन स्वयं पुरुष है एवं जगत का रचयिता है। मन के अंदर का संकल्प ही बाह्य जगत में नवीन आकार ग्रहण करता है। जो कल्पना चित्र अंदर पैदा होता है, वही बाहर स्थूल रूप में प्रकट होता है। सीधी-सी बात है कि हर विचार पहले मन में ही उत्पन्न होता है और मनुष्य अपने विचार के आधार पर ही अपना व्यवहार निश्चित करता है। अगर मन में विचार ही न हों तो फिर क्रियान्वयन कहां से आएगा। शायद इसीलिए कहा गया है कि मन के जीते जीत है और मन के हारे हार। मन का स्वभाव संकल्प है। मन के संकल्प के अनुरूप ही जगत का निर्माण होता है। वह जैसा सोचता है, वैसा ही होता है। मन जगत का सूत्र बीज है। संकल्प द्वारा उसे जागृत किया जाता है। यही बीज, पहाड़, समुद्र, पृथ्वी और नदियों से मुक्त संसार रूपी वृक्ष उत्पन्न करता है। यही जगत का उत्पादक है। सत्, असत् एवं सदसत् आदि मन के संकल्प हैं। मन ही लघु को विभु और विभु को लघु में परिवर्तित करता रहता है। मन में सृजन की अपार संभावनाएं स्वयं द्वारा ही निर्मित की हुई हैं। मन स्वयं ही स्वतंत्रतापूर्वक शरीर की रचना करता है। देहभाव को धारण करके वह जगत् रूपी इंद्रजाल बुनता है। इस निर्माण प्रक्रिया में मन का महत्वपूर्ण योगदान है। मन का चिंतन ही उसका परिणाम है। यह जैसा सोचता है और प्रयत्न करता है, वैसा ही उसका फल मिलता है। मन के चिंतन पर ही संसार के सभी पदार्थों का स्वरूप निर्भर करता है। दृढ़ निश्चयी मन का संकल्प बड़ा बलवान होता है। वह जिन विचारों में स्थिर हो जाता है, परिस्थितियां वैसी ही विनिर्मित होने लगती हैं। जैसा हमारा विचार होता है, वैसा ही हमारा जगत् ।

अब दुःस्वप्न हो चला है तुरत-फुरत न्याय

राकेश अचल

सियासत के घावों को ठीक करने की एक मात्र मरहम हमारी न्याय व्यवस्था है लेकिन अब ये मरहम भी सहज-सुलभ दिखाई नहीं दे रहा। वक्त ने हमारी न्याय व्यवस्था को भी दूसरे माध्यमों की तरह निराश करने वाला बना दिया है। हाल के एक नहीं अनेक मामलों में अदालतों के व्यवहार से उम्मीद की जगह निराशा होती है ,लेकिन चौतरफा डूबती व्यवस्थाओं में अब भी न्याय व्यवस्था तिनके का सहारा बनी हुई है। गनीमत ये है कि हमारी न्याय व्यवस्था अभी सियासत की तरह छुईमुई नहीं हुई है।अपनी स्वस्थ्य आलोचना को सुन और समझ लेती है।

देश के तीन अलग-अलग मामलों पर नजर डालकर देखिये आपकी समझ में आ जाएगा कि आखिर हमारे मुल्क में हो क्या रहा है ? पहला मामला आम आदमी पार्टी से जुड़ा है । आम आदमी पार्टी के दो मंत्री पहले से जेल में थे और अब एक और सांसद संजय सिंह को जेलाटन करा दिया गया है । प्रवर्तन निदेशालय को अदालत से संजय की अभिरक्षा पर अभिरक्षा मिल रही है। इससे लगता है कि हमारी अदालतें किसी आरोपी का मुंह और रसूख देखकर जमानतें नहीं देती ,लेकिन कभी-कभी ये भी लगता है कि आरोपी का रसूखदार और सत्ता प्रतिष्ठान के खिलाफ खड़ा होना ही उसके जमानत के अधिकार को क्षीण कर देता है। संजय सिंह आबकारी घोटाले में आरोपी है । उनके दो अन्य साथी पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन भी इसी मामले में पहले से न्यायिक अभिरक्षा में है। उन्हें सजा मिलेगी ,तब मिलेगी ,अभी तो वे दोनों हमारी न्यायिक कार्यप्रणाली की अघोषित सजा भुगत रहे हैं। उन्हें जमानत नहीं मिल रही है, निश्चित ही अदालत के सामने ऐसे तथ्य रखे गए होंगे जो उनकी जमानत में बाधक होंगे,लेकिन आम धारणा ये है कि इन आरोपियों को इरादतन जेल के बाहर नहीं आने दिया जा रहा । भले ही अदालत की इसमें कोई भूमिका नहीं हो किन्तु जिनकी भूमिका है अदालत को उसे नजर में रखना चाहिए। आम आदमी पार्टी के ही दूसरे सांसद राघव चड्ढा को भी न्याय के लिए अदालत की ही शरण लेना पड़ रही है । वे भी राजयसभा के सदस्य हैं और सरकार की आँखों की किरकिरी है। उन्हें भी संजय सिंह की तरह निलंबित किया गया है और उनसे उनका बँगला खाली करने की प्रशासकीय कोशिश कीजा रही है । राघव की हाल ही में शादी भी हुई है ऐसे में बँगला खाली करने के सरकारी आदेश के खिलाफ उन्होंने अदालत की शरण ली है । वे अपने निलंबन को भी अदालत में चुनौती दे रहे हैं। सवाल ये उठता है कि ये सब एक साथ क्यों हो रहा है । राघव चड्ढा अभी केवल निलंबित हैं ,उन्हें बर्खास्त नहीं किया गया है। ऐसे में सरकार उनसे बँगला क्यों छीनना चाहती है ? जबकि बांगले के आवंटन में चड्ढा साहब की कोई गलती नहीं है। तीसरा मामला न्यूज क्लिक के प्रमुख प्रबीर पुलकायस्थ और उनके साथियों का है । प्रबीर और उनके साथी को प्रवर्तन निदेशालय ने चीन से कथित रूप से 38 करोड़ रूपये की राशि लेने का आरोप है । उन्हें भी जमानत नहीं मिली,गोया कि वे कोई आतंकवादी हों । वे विज्ञान के कार्यकर्ता और जनपक्षधरता से जुड़े एक न्यूज चैनल के मालिक है। वे भागकर आखिर कहाँ जायेंगे ? उन्हें जमानत पर छोड़े जाने को लेकर ईडी को क्यों आपत्ति है ,ये सब समझ से परे है।समाचार पोर्टल न्यूज़क्लिक के फाउंडर प्रबीर पुरकायस्थ और वेबसाइट के एचआर हेड अमित चक्रवर्ती को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उन्हें गैर कानूनी गतिविधियां रोकथाम (यूएपीए) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि चीन के पक्ष में प्रचार करने के लिए समाचार पोर्टल को विदेश से पैसे मिले थे।

अदालतों के सामने सभी आरोपी हैं ,अदालतें उन्हें अभियोजन पक्ष के तर्कों की अनदेखी कर जमानत नहीं दे रही । लेकिन ऐसा हर मामले में नहीं होता। तीनों ही मामलों में आरोपी जिम्मेदार नागरिक है। दो तो राजयसभा के सदस्य है। एक पुराने पत्रकार है। इन तीनों के साथ अभियोजन आतंकवादियों जैसा व्यवहार क्यों कर रहा है ? क्यों इनके जमानत पर आने से अभियोजन पक्ष को तकलीफ है ? क्या ये तीनों समाज और व्यवस्था के लिए बाहर आने पर खतरा हो सकते हैं ? शायद नहीं। यदि ऐसा होता तो अदालत उम्र में डॉन माफिया रहे अतीक अहमद के बेटों को रिहा न करती। उन्हें अपने मृत संबंधियों की कब्रों पर फूल चढाने की इजाजत न मिलती। जाहिर है कि अदालतें अपना काम कानून के हिसाब से करतीं है। वे दिल्ली में भी वो सब कर सकतीं है जो उत्तरप्रदेश में कर रहीं हैं, लेकिन सरकार की ही मंशा में जब खोट हो तो अदालतें क्या कर सकतीं हैं। उनकी भी तो लक्ष्मण रेखाएं हैं। ये पहली बार नहीं हो रहा कि सरकार अपने राजनीतिक दुश्मनों के साथ अदलाती प्रक्रिया का इस्तेमाल अपने ढंग से कर अपने दुश्मनों को फंसाये रखना चाहती है। विसंगति केवल इतनी है कि अदालतें इस मामले में कुछ कर नहीं सकतीं। सत्येंद्र जैन ,मनीष सिसोदिया ,संजय सिंह के बाद आम आदमी के एक और विधायक अमानुल्लाह पर भी ईडी की कृपादृष्टि पड़ गयी है । मुमकिन है कि वे भी कुछ दिनों बाद तिहाड़ में प्रवास पर भेज दिए जाएँ। जन प्रतिनिधि हों या जन पक्षधरता के लिए काम करने वाले पत्रकार अभिव्यक्ति का नारा लगाकर कानूनी कार्रवाई से बच नहीं सकते,उन्हें बचाया भी नहीं जाना चाहिए,लेकिन जब जन प्रतिनिधियों और पत्रकारों को सरकार अपना शत्रु मानकर उनके खिलाफ कार्रवाई कारे तो पीड़ितों को अदालतों का संरक्षण मिलना चाहिए । अन्यथा वे सब कहाँ जायेंगे ? पांच राज्यों के चुनावी शोरगुल में मुल्क इन तमाम मुद्दों को भूल गया है ।

इनको लेकर देश का कोई मंच बोलने की स्थिति में नहीं है । सबके सब आतंकित और डरे हुए है। सबको शायद लगने लगा है कि सत्ता प्रतिष्ठान के खिलाफ मुंह खोलने का अर्थ सरकारी प्रताड़ना से गुजरना होता है । जिस देश को हम लोकतंत्र की जननी कहते हैं,उस देश में इस तरह के हालात सोचनीय हैं। हमारे यहां सरकार चाहे तो हत्या के सजायाफ्ता अपराधी के साथ सहृदयता बरत कर उन्हें समय पूर्व रिहा कर सकती है लेकिन सरकार चाहे तो बिना आरोप सिद्ध हुए भी किसी जन प्रतिनिधि या पत्रकार को जब तक चाहे तब तक जेल में रख भी सकती है । सरकार सबसे ऊपर है । शायद अदालतों से भी ऊपर। इसलिए सभी को सरकार के सामने सिर उठाकर बात नहीं करना चाहिए।

गाँधी की भारत की परिकल्पना और आज का परिदृश्य

राम पुनियानी

हर वर्ष की तरह हम इस साल (2023) में भी राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की जयंती मना रहे हैं। इस अवसर पर यह बेहतर होगा कि हम उनकी शिक्षाओं को याद करें, विशेषकर हमारे देश के वर्तमान परिदृश्य के परिप्रेक्ष्य में। सारी दुनिया महात्मा गाँधी का कितना सम्मान करती है यह इससे स्पष्ट है कि दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मलेन में भाग लेने आये दुनिया भर के शीर्ष नेताओं ने राजघाट पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। यह भी साफ़ है कि उस विचारधारा, जिसके कारण गांधीजी को सीने में तीन गोलियां खानी पडीं, के पैरोकार भी उन्हें नज़रअंदाज़ करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। हम सब यह भी जानते हैं कि महात्मा गाँधी की विचारधारा पूरी दुनिया में फैल रही है। परन्तु महात्मा गाँधी के अपने देश भारत में सत्य, अहिंसा और सांप्रदायिक सद्भाव के उनके सिद्धांतों के लिए कितनी जगह बची है? क्या गांधीजी के अपने देश भारत में नीतियां बनाते समय बापू के इस सबक को याद रखा जा रहा है कि राज्य को अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति के कल्याण को ध्यान में रखना चाहिए ?

जिस विचारधारा का इस समय देश में बोलबाला है वह इस्लाम और ईसाई धर्म को विदेशी मानती है। यह समझ अल्पसंख्यकों के विरुद्ध हिंसा की नींव है और इसके कारण भी उनके खिलाफ हिंसा होती है। भारत में लगभग सभी धर्मों को मानने वाले लोग रहते हैं। इसे गांधीजी किस रूप में देखते थे? उन्होंने लिखा था, निश्चित रूप से भारत के लोगों के महान धर्म हमारे देश के लिए पर्याप्त हैं।।।। और फिर वे भारत के धर्मों को सूचीबद्ध करते हैं"ईसाई और यहूदी धर्मों के अलावा, हिन्दू धर्म और उसकी शाखाएं, इस्लाम और पारसी, भारत के जीवंत धर्म हैं, (कलेक्टेड वर्क्स ऑफ गांधी, खंड 46, पृष्ठ 27-28)। आज जिस विचारधारा का बोलबाला है वह हिन्दू समाज की बुराईयों के लिए मुस्लिम आक्रांताओं को ज़िम्मेदार मानती है। उसके अनुसार, मुस्लिम शासकों ने हिन्दुओं का दमन किया। गांधीजी इतिहास को एकदम अलग नज़रिए से देखते थे"मुस्लिम राजाओं के राज में हिन्दू फले-फूले और हिन्दू राजाओं के काल में मुस्लिम। दोनों पक्षों को यह अहसास था कि आपस में लड़ना आत्मघाती होगा। इसलिए दोनों पक्षों ने शांतिपूर्वक एक साथ रहने का निर्णय लिया। अंग्रेजों के आने के बाद झगड़े फिर शुरू हो गए।।।क्या मुसलमानों का ईश्वर, हिन्दुओं के ईश्वर से अलग है? सभी धर्म अलग-अलग रास्ते हैं जो एक बिंदु पर मिलते हैं। इससे क्या फर्क पड़ता है कि हमने कौन-सी सड़क चुनी, जब तक कि हम एक ही मंजिल पर पहुँचें। इसमें लड़ने की क्या वजह है?

हिन्दुओं द्वारा इस्लाम और ईसाई धर्म अपनाने को भी बड़ा मुद्दा बनाया जा रहा है। ईसाईयों के विरुद्ध अलग-अलग स्थानों पर भीषण हिंसा हो रही है। गांधीजी ने लिखा था, ।।। मुस्लिम शासन के दौरान दोनों कौमों (हिन्दू और मुसलमान) के परस्पर रिश्ते शांतिपूर्ण रहे। यह याद रखा जाना चाहिए कि भारत में मुस्लिम शासन की शुरुआत के पहले भी कई हिन्दुओं ने इस्लाम अपना लिया था। मेरी यह मान्यता है कि अगर देश में मुस्लिम शासन न भी होता, तब भी यहाँ मुसलमान होते और अगर अंग्रेजों का शासन न भी होता, तब भी यहाँ ईसाई होते।5 ('यंग इंडिया', फरवरी 26, 1925 के अंक में पृष्ठ 75 पर एक बंगाली जमींदार के पत्र पर टिप्पणी) गांधीजी के महान अनुयायी नेहरु ने अपनी पुस्तक 'डिस्कवरी ऑफ़ इंडिया' में भारत के बारे में लिखा था" वह मानो एक प्राचीन स्लेट है जिस पर एक के ऊपर एक अनेक परतों में विचार और सपने लिखे गए परन्तु कोई परत, उसके पहले की परतों में जो कुछ लिखा गया था, उसे न तो पूरी तरह ढँक पाई और न ही मिटा पाई। गांधीजी के खिलाफ योजनाबद्ध तरीके से नफरत भड़काई जा रही है। मुंहजुबानी प्रचार और अन्य चैनलों के ज़रिए यह दुष्प्रचार किया जा रहा है कि गांधीजी ने भगतसिंह की मौत की सज़ा को रुकवाने का प्रयास नहीं किया। सच यह है कि गांधीजी ने लार्ड इरविन को दो पत्र लिखकर यह मांग की थी कि या तो भगतसिंह की फांसी की सज़ा को मुल्तवी कर दिया जाए या उसे आजन्म कारावास में परिवर्तित कर दिया जाए। लार्ड इरविन, गांधीजी के अनुरोध पर विचार कर रहे थे परन्तु पंजाब प्रान्त में पदस्थ ब्रिटिश अधिकारियों ने यह चेतावनी दी कि अगर ऐसा कुछ किया गया तो वे सामूहिक रूप से त्यागपत्र दे देंगे। यह भी याद रखा जाना चाहिए कि गांधीजी ने 1931 में कराची में आयोजित कांग्रेस अधिवेशन में पारित वह प्रस्ताव तैयार किया था जिसमें भगतसिंह को फांसी दिए जाने की निंदा की गई थी।

यह झूठ भी फैलाया जा रहा है कि गांधीजी ने सुभाषचंद्र बोस के साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया। सच यह है कि अहिंसा के सिद्धांत और दूसरे विश्वयुद्ध का लाभ उठाते हुए अंग्रेजों को भारत से खदेड़ने के मुद्दों पर दोनों नेताओं में मतभेद थे परन्तु वे दोनों एक दूसरे का बहुत सम्मान करते थे। बोस, गांधीजी को राष्ट्रपिता कहकर संबोधित करते थे और उन्होंने आजाद हिन्द फौज की पहली बटालियन का नाम गांधीजी के नाम पर रखा था। गांधीजी, बोस को 'देशभक्तों का राजा' बताते थे और वे जेल में कैद आजाद हिन्द फौज के अधिकारियों से मिलने गए थे। और जेल में डाल दिए गए फौज के अधिकारियों और सैनिकों के मुकदमों में कांग्रेस नेताओं ने ही उनकी पैरवी की थी।

इसी तरह, गांधीजी और आंबेडकर के परस्पर मतभेदों को भी बढ़ा-चढ़ा कर प्रचारित किया जाता है। आंबेडकर, पृथक निर्वाचन के समर्थक थे वहीं गांधीजी की दृष्टि में आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों की व्यवस्था बेहतर थी। गांधीजी चाहते थे कि औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध संघर्ष में देश एक बना रहे। बाबासाहब भी यह मानते थे कि महात्मा गाँधी, स्वाधीनता आन्दोलन के शीर्षतम नेता हैं और अपने दूसरे विवाह, जो अंतरजातीय था, के बाद आंबेडकर ने कहा था कि अगर गांधीजी आज जीवित होते तो वे बहुत प्रसन्न होते। गांधीजी ने ही यह सुनिश्चित किया कि आंबेडकर स्वतंत्र भारत के पहले कैबिनेट में शामिल हों और उन्होंने ही यह सुझाव दिया था कि आंबेडकर को संविधान सभा की मसविदा समिति का अध्यक्ष बनाया जाए। हाँ, सरदार पटेल और नेहरु में से कौन भारत का पहला प्रधानमंत्री बने, इस मुद्दे पर गांधीजी ने नेहरु का समर्थन किया था। यह महत्वपूर्ण है कि पटेल और नेहरु दोनों गांधीजी के निकट सहयोगी थे। गांधीजी ने नेहरु को इसलिए चुना क्योंकि उन्हें वैश्विक राजनीति की समझ थी। कुछ अन्य कारण भी हो सकते हैं जैसे गांधीजी के बाद, नेहरु आमजनों में सबसे लोकप्रिय थे। वे उम्र में पटेल से कम से और इसलिए देश की प्रगति के लिए अपेक्षाकृत अधिक लम्बे समय तक काम करते रहने में सक्षम थे। परन्तु ये केवल कयास हैं। जहाँ तक नेहरु और पटेल का सवाल है, चंद मुद्दों पर मतभेद के बावजूद, वे एक-दूसरे के बहुत करीब थे। पटेल ने यह कहा था कि नेहरु उनके छोटे भाई होने के साथ-साथ उनके नेता भी हैं। आज ज़रुरत इस बात की है कि हम नफरत की राह, जिस पर हम चल रहे हैं, के खतरनाक नतीजों पर विचार करें। गांधीजी के 'ईश्वर अल्लाह तेरो नाम' के सन्देश ने सभी समुदायों को एक रखा और सबने मिल कर औपनिवेशिक शासन के खिलाफ संघर्ष किया। गांधीजी का समाजसुधार का सन्देश, जाति प्रथा के खिलाफ उनका संघर्ष और धार्मिक पहचानों से ऊपर उठकर देश को एक रखने का उनका प्रयास, इन सभी की हमें आज ज़रुरत है। उनके बताये रास्ते पर चलना ही उन्हें हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

हड़बड़ी में पार्टी की फजीहत करवाते भाजपा नेता

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान में भाजपा को चुनाव जीतने की कितनी जल्दी बाजी हो रही है। इसका एक उदाहरण हाल ही में सामने आया है। जिससे भाजपा की बड़ी फजीहत हो रही है। विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा द्वारा राजस्थान में कांग्रेस सरकार के खिलाफ नहीं सहेगा राजस्थान अभियान चलाया जा रहा है। कुछ दिनो पूर्व इसी अभियान के तहत भाजपा द्वारा किसानों से जुड़ा हुआ एक पोस्टर जारी किया गया था। जिस पर एक किसान का फोटो लगाकर लिखा गया था कि राजस्थान में 19000 से अधिक किसानों की जमीनें नीलाम नहीं सहेगा राजस्थान। पोस्टर पर जिस किसान माधुराम की फोटो लगाई गई है उसका कहना है कि पोस्टर में मेरी जमीन नीलाम होने की बात लिखी गयी है। जबकि मेरी तो कोई जमीन नीलाम ही नहीं हुयी है। मुझसे पूछे बिना ही बेवजह पोस्टर पर मेरी फोटो लगा दी गई है। मेरा कहीं भी किसी भी बैंक में कोई लोन बकाया नहीं है। जिसने भी मेरी फोटो का गलत इस्तेमाल किया है उनको तुरंत ही मेरी फोटो पोस्टर से हटाकर माफी मांगनी चाहिए। पूरे प्रदेश में मेरी फोटो लगे पोस्टर लगने से मेरी बहुत बदनामी हुई है। मेरे पास आज भी 188 बीघा जमीन है। मगर किसी का भी कोई कर्जा नहीं है। करीबन 70 वर्षीय माधुराम जयपाल जैसलमेर जिले के रामदेवरा क्षेत्र के रिखियों की ढाणी के रहने वाले हैं। पोस्टर पर अपनी फोटो आने के बाद उन्होंने भाजपा के जिला स्तरीय नेताओं से संपर्क कर अपनी फोटो हटवाने के लिए बोल दिया है। इस बाबत जैसलमेर जिले के भाजपा अध्यक्ष चंद्र प्रकाश शारदा का कहना है कि सभी तरह के पोस्टर प्रदेश स्तर से बनवाए गए हैं। स्थानीय स्तर पर हमारी जानकारी में ऐसी कोई बात नहीं थी। एक किसान ने आकर बताया था। हम प्रदेश नेतृत्व को अवगत करवा देंगे। माधुराम का कहना है कि 2 महीने पहले दो लड़के हमारे गांव में कैमरे लेकर आए थे। तब उन्होने बोला था कि हम फसल खराबे की रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं। सरकार के सामने आपके फसल खराबे की रिपोर्ट रखेंगें। तब उन्होंने मेरी फोटो ली थी। उगर उन्होंने मुझे नहीं बताया था कि पोस्टर पर मेरी फोटो लगाई जाएगी।

किसान माधुराम के सबसे छोटे बेटे जुगताराम का कहना है कि जब से मेरे पिताजी को पोस्टरों पर उनकी फोटो लगने के बारे में पता लगा है तब से वह बहुत टेंशन में रहने लगे हैं। मुझे बार-बार पूछते हैं कि वह फोटो हटी कि नहीं। मेरी बहुत बदनामी हो गई। मेरे पिताजी को बहुत तकलीफ हो रही है। हम लोग भाजपा के नेताओं से प्रार्थना करते हैं कि पोस्टरों से मेरे पिताजी की फोटो को हटवा देवें। इस तरह की घटनाओं से राजनेताओं ने तो अपना स्वार्थ साध लिया है। मगर गांव में रहने वाले एक इज्जतदार किसान की इज्जत तो खराब हो गई जिसकी भाजपा कैसे भरपाई कर पाएगी। भाजपा नेताओं को चाहिए कि कोई भी कार्य करने से पहले उसे अच्छी तरह से जांच परख कर ही आगे बढ़ायें। जिस तरह की घटना एक गरीब किसान माधुराम के साथ घटी है उस घटना को उसका परिवार जन्म-जन्मांतर तक नहीं भूला सकेगा। जिन पोस्टरों के बल पर भाजपा राजस्थान में सरकार बदलने के लिए हवा बन रही है। वह पोस्टर ही फुस्स हो गया। भाजपा के एक झूठ ने पूरे अभियान की हवा निकाल कर रख दी है। इसी तरह सिरोही जिले के रेवदर कस्बे में एक अति उत्साही भाजपा नेता ने अपने बैनरों पर प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी के स्थान पर विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी की फोटो लगे बैनर बनवाकर ऑटो रिक्शा पर लगाकर प्रचार भी शुरू कर दिया। उन्होंने ऑटो रिक्शा पर बैनर लगाते वक्त भी उसको देखना उचित नहीं समझा। जब शहर में लोगों ने टोका-टाकी की तो कहा गलती हो गई। रेवदर शहर में भाजपा के स्थानीय नेता रमेश कोली को पार्टी ने सदस्यता अभियान का विधानसभा का संयोजक नियुक्त कर रखा है। रमेश कोली खुद बीजेपी की टिकट के लिये दावेदारी जता रहे हैं। उन्होंने विधानसभा क्षेत्र में अपना प्रभाव जमाने के लिए कई ऑटो रिक्शा पर बैनर लगवा कर बूथ जनसंपर्क अभियान चला रहे थे। बैनर पर रमेश कोली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी तथा भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की फोटो लगा रखी थी। यहां गलती से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी की फोटो के स्थान पर राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी की फोटो लग गई और बैनर छपवाकर ऑटो रिक्शा पर लगाकर शहर भर में घूमवा दिए गए। जब लोगों ने इस बैनर के वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर किया तब रमेश कोली को पता लगा और उनके कार्यकर्ता दौड़कर ऑटो रिक्शा पर सीपी जोशी की फोटो पर सफेद कागज चिपकाते नजर आए।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी

विजय गर्ग

ऐसे युग में जहां प्रौद्योगिकी हमारे जीने और सीखने के तरीके को नया आकार दे रही है, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) एक शिक्षा क्रांति का मार्ग प्रशस्त करती है। एनईपी 2020 एक ऐसे भविष्य की कल्पना करता है जहां शिक्षा न केवल सभी के लिए सुलभ हो, बल्कि क्षमताओं या अक्षमताओं की परवाह किए बिना वास्तव में समावेशी हो। यह शिक्षा में समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए उत्प्रेरक के रूप में डिजिटल प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देता है। यह प्रत्येक बच्चे के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा तक समान पहुंच प्रदान करने के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के महत्व पर जोर देता है। इसके अतिरिक्त, एनईपी 2020 शैक्षिक उद्देश्यों के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी का प्रभावी ढंग से उपयोग करने में शिक्षक प्रशिक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है। नई प्रौद्योगिकियां नए सीखने के तौर-तरीकों की खोज को सक्षम कर सकती हैं जो शैक्षिक प्रणालियों के पारंपरिक पदानुक्रम को बाधित करती हैं और विशेष आवश्यकता वाले (सीडब्ल्यूएसएन) या दिव्यांग बच्चों के लिए कठोर, निष्क्रिय सीखने के दृष्टिकोण के वास्तविक विकल्प विकसित करती हैं। शिक्षण और सीखने में प्रौद्योगिकी का व्यापक उपयोग, भाषा की बाधाओं को दूर करना, दिव्यांग छात्रों के लिए पहुंच बढ़ाना और शैक्षिक योजना और प्रबंधन एनईपी 2020 के मूलभूत सिद्धांतों में से एक है और यह छात्रों के लिए उपलब्ध कराए गए शैक्षिक सॉफ्टवेयरों की एक समृद्ध विविधता के विकास की भी पहल करता है। और सभी स्तरों पर शिक्षक, सभी प्रमुख भारतीय भाषाओं में दिव्यांग छात्रों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए सुलभ होंगे। आईसीटी को समावेशी शिक्षा के एक प्रमुख प्रवर्तक के रूप में मान्यता प्राप्त है, और एनईपी 2020 सभी बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच प्रदान करने के लिए आईसीटी के उपयोग के महत्व पर जोर देता है। सीडब्ल्यूएसएन की शिक्षा में डिजिटल तकनीक को शामिल करना आधुनिक शिक्षा परिदृश्य में केवल एक विकल्प नहीं बल्कि एक आवश्यकता है। एनईपी 2020 का समावेशिता और समानता पर ध्यान विशेष जरूरतों वाले बच्चों को सशक्त बनाने की प्रौद्योगिकी की क्षमता के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। यह न केवल शैक्षिक असमानताओं को पाटने का वादा करता है बल्कि उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विशेष सहायता भी प्रदान करता है। यह सभी के लिए अधिक न्यायसंगत और सुलभ शिक्षा प्रणाली के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करता है।

इजराइल और हमास के बीच चल रहे युद्ध से मानवता पर बढ़ गया है खतरा

ललित गर्ग

सत्तर साल से फलस्तीन के नाम पर जो खून-खराबा हो रहा है, इसके लिए कौन जिम्मेदार है? क्या इन इलाकों में दुश्मनियों को इंसानी रगों में पाला जाता है, ताकि मौका आने पर खून बहाया जा सके? क्या ऐसे इलाकों में युवा जवान ही इसलिए होते हैं कि इंसानियत को शर्मसार कर सकें? रूस और यूक्रेन के बाद अब इजरायल और हमास के बीच धमासान युद्ध के काले बादल विश्व युद्ध की संभावनाओं को बल देते हुए लाखों लोगों के रोने-सिसकने एवं बर्बाद होने का सबब बन रहे हैं। युद्ध की बढ़ती मानसिकता विकसित मानव समाज पर कलंक का टीका है। हमास ने नासमझी दिखाते हुए आतंकी हमला करके सोये शेर को जगा दिया है। आतंकी हमले का पहला राउंड इस मायने में पूरा हुआ माना जा सकता है कि उसे अंजाम देने वाले संगठन हमास ने कहा है कि उसका जो मकसद था वह पूरा हो चुका है और अब वह युद्धविराम पर बातचीत के लिए तैयार है। लेकिन प्रश्न है कि इजरायल इस हमले पर कैसे शांत रहेगा? उसके यहां हुए महाविनाश एवं व्यापक जनहानि के बाद उसके लिये कथित युद्धविराम प्रस्ताव का कोई अर्थ नहीं है? इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कड़े शब्दों में कहा कि युद्ध शुरू तो हमास ने किया है, लेकिन खत्म हम करेंगे। दुश्मनों ने अंदाजा भी नहीं लगाया होगा कि उन्हें इसकी कितनी कीमत चुकानी पड़ेगी।'' आज दुनिया से आतंकवाद को खत्म करना प्रमुख प्राथमिकता है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में इजरायल के साथ है। भारत युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला चाहता है, लेकिन कोई जबरन हिंसा एवं आतंक को पनपाता है तो उसे नियंत्रित करने के लिये उचित कदम उठाने की होंगे।

हमास के सरगना मोहम्मद डेफ ने इस हमले को महान क्रांति का दिन बताते हुए कहा कि 'हमने इसरायल के विरुद्ध नया सैन्य मिशन शुरू किया है। बस अब बहुत हो गया। अब हम और बर्दाश्त नहीं करेंगे।' इस पर गुस्साए इजरायल ने भी आधिकारिक तौर पर 'हमास' के विरुद्ध युद्ध का ऐलान करके इसे 'आप्रेशन आयरन स्वोर्ड्स' नाम दिया है तथा गाजा पट्टी के इलाके में 17 ठिकानों पर इजरायल वायु सेना के लड़ाकू जैट विमानों द्वारा ताबड़तोड़ हमले किए जा रहे हैं। जहां तक इजरायल की जवाबी कार्रवाई का सवाल है तो इतना तो तय है कि बात यहीं नहीं रुकेगी, जंग का दूसरा राउंड शायद पहले से ज्यादा भीषण एवं महाविनाशक होगा, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि नेतन्याहू सरकार इसे किस तरह से अंजाम देगी। फिलहाल इतना ही कहा जा सकता है कि गाजापट्टी उसके हमलों का निशाना बनेगी। गाजा पट्टी में हमास का प्रभाव जरूर है, लेकिन वहां 23 लाख लोग रह रहे हैं जिनका एक बड़ा हिस्सा हमास की गतिविधियों और योजनाओं से अनजान होगा। ऐसे बेकसूर लोग जितनी बड़ी संख्या में इजरायली कार्रवाई के शिकार होंगे, मानवाधिकार का सवाल उतने बड़े रूप में उभरेगा और फलस्तीनियों के लिए तथाकथित सहानुभूति भी जुट सकती है। विश्व शांति, अमन एवं अहिंसक समाज रचना दुनिया की जरूरत है, लेकिन हमास जैसी आतंकी सोच इसकी सबसे बड़ी बाधा है, इसलिये हमास की जितनी निंदा की जाए कम है। जिस संगठन को बंदूक छोड़कर गाजा पट्टी के विकास में लगना चाहिए, वह संगठन धर्म-अधर्म के रास्ते ताकत सिर्फ इसलिए जुटाता है, ताकि इजरायल के शरीर पर पहले से कहीं गहरा छुरा धंसा सके, मर्माहत आघात कर सके? मोसाद बनाम हमास की लड़ाई मानो एक व्यवसाय बन गई है, विकृत एवं हिंसक मानसिकता का स्थायी घर बन चुकी है। दोनों देशों की सत्ताएं आखिर शांति एवं अमन का सबक क्यों नहीं लेती? स्वयं अपने देश में स्थायी शांति के प्रति गंभीर क्यों नहीं होती है? आज उन्हें स्थायी शांति के उपायों पर जोर देना चाहिए, दुनिया को ऐसे देशों की जरूरत है, जो आतंकमुक्ति को सही दिशा में प्रेरित करें, ताकि पश्चिम एशिया के खूनी दलदल को हमेशा के लिए पाटा जा सके।

अभी लेबनान की तरफ से हिजबुल्ला के कुछ हमले हुए हैं लेकिन लेबनान सरकार उस इलाके में शांति और स्थिरता बने रहने की इच्छा जताने तक सीमित है। ईरान और सऊदी अरब ने भी फलस्तीनियों के हक में शांति कायम करने की कोशिश की बात कही है। अगर बात बढ़ी और प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से हमास के लिए समर्थन बढ़ा तो हालात बदतर ही होंगे। दुनिया को लगातार युद्ध, आतंक, अशांति, हिंसा की ओर धकेलने वालों से सवाल पूछना ही होगा कि युद्ध एवं आतंक से हासिल क्या होगा? सबसे पहले धर्मगुरुओं से और उसके बाद राजनीतिक आकाओं से यह समझना होगा कि ऐसी युद्ध एवं आतंक की मानसिकता से किसका भला हो रहा है? निर्दोषों की हत्याएं भला कैसे जायज हैं? अगर ऐसी हत्याएं जायज हैं, तो फिर मजहबों के मानवीय एवं शांतिप्रिय होने का बखान बंद होना चाहिए। बुरा आदमी और बुरा हो जाता है जब वह साधु बनने का स्वांग रचता है। दुनिया में छोटी-छोटी बातों पर लोगों के दिल आहत हो जाते हैं, पर हजारों निर्दोष एवं मासूक बच्चों एवं महिलाओं की मौत से कौन आहत हुआ है? कहां है मानवता? कहां है विश्वशांति का स्वप्न? निश्चित ही हिंसा की धरती पर शांति की पौध नहीं उगायी जा सकती। लगभग सत्तर साल से फलस्तीन के नाम पर जो खून-खराबा हो रहा है, इसके लिए कौन जिम्मेदार है? क्या इन इलाकों में दुश्मनियों को इंसानी रगों में पाला जाता है, ताकि मौका आने पर खून बहाया जा सके? क्या ऐसे इलाकों में युवा जवान ही इसलिए होते हैं कि इंसानियत को शर्मसार कर सकें? कोई ऐसे दाग-धब्बों के साथ अपने देश का इतिहास लिखता है क्या? बड़ा प्रश्न है कि इस व्यापक हिंसा एवं आतंक को रोकने वाला कौन होगा? कोई आतंकी हमास के साथ दिख रहा है, तो कोई इजरायल के लिए लुट-मिट जाने को बेताब है? बात हर तरफ विनाश की है। युद्ध एवं आतंक करने वाले और उनको प्रोत्साहन देने किसी को भी आज तक ऐसा कोई महत्वपूर्ण प्रोत्साहन नहीं मिला, जो उसे गौरवान्वित कर सका हो। जब तक आतंक एवं युद्ध की मानसिकता वाले राष्ट्रों के अहंकार का विसर्जन नहीं होता तब तक युद्ध की संभावनाएं मैदानों में, समुद्रों में, आकाश में भले ही बन्द हो जाये, दिमागों में बन्द नहीं होती। इसलिये आवश्यकता इस बात की भी है कि कि जंग अब विश्व में नहीं, हथियारों में लगे, आतंक एवं हिंसक मानसिकता पर लगे। मंगल कामना है कि अब मनुष्य यंत्र के बल पर नहीं, भावना, विकास और प्रेम के बल पर जीए और जीते।

इस हिंसक, आतंकी एवं युद्ध के दौर का दुखद पहलू है कि पुतिन का नया रूस भी यूक्रेन को निशाना बनाते हुए बच्चों एवं महिलाओं को नहीं बख्शता है। जहां अपने और पड़ोसी के कल्याण की चिंता होनी चाहिए थी, वहां केवल बदले की भावना हावी है। बर्बरता, क्रूरता, उन्माद एवं जघन्यता बढ़ती जा रही है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उग्रवादी समूह को मलबे में फेंक देने की कसम खाई है। निर्ममता एवं बर्बरता की पराकाष्ठा कर रहे आतंकियों की जगह मलबे में ही है, पर उन मासूम बच्चों, औरतों और आदमियों का क्या दोष, जो कहीं से भी आतंकी नहीं हैं, मगर निशाना बन रहे हैं? क्या मानव सभ्यता में आंतकवाद के खिलाफ कोई भी लड़ाई दोषी और निर्दोष के बीच भेद किये बिना सफल हो सकती है। यह दुनिया की एक बड़ी आबादी को हर समय विनाश की संभावनाओं पर कायम रखने जैसा है।

14 अक्टूबर को सर्वपितृ श्राद्ध के साथ समाप्त होगा पितृपक्ष

डा. अनीष व्यास

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि धर्म ग्रंथों में सर्व पितृ अमावस्या का विशेष महत्व बताया गया है। ये साल आने वाली 12 अमावस्या तिथियों में सबसे खास होती है। इस तिथि पर पितरों के लिए जल दान, श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करने से वे पूरी तरह तृप्त हो जाते हैं। आश्विन माह की कृष्ण अमावस्या को सर्व पितृ अमावस्या कहते हैं यह अमावस्या इस बार 14 अक्टूबर को है। इस दिन पितृ पक्ष का समापन होगा। इसे विसर्जनी अमावस्या भी कहते हैं। इसी दिन पितरों का श्राद्ध करके पितृ ऋण को उतारा जा सकता है। अगर किसी को अपने पितर की पुण्य तिथि याद नहीं है तो वह सर्व पितृ अमावस्या के दिन श्राद्ध कर्म कर सकता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार आश्विन माह कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को सर्व पितृ श्राद्ध तिथि कहा जाता है। इस दिन भूले-बिसरे पितरों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध किया जाता है। कहते हैं कि इस दिन अगर पूरे मन से और विधि-विधान से पितरों की आत्मा की शांति श्राद्ध किया जाए तो न केवल पितरों की आत्मा शांत होती है बल्कि उनके आशीर्वाद से घर-परिवार में भी सुख-शांति बनी रहती है। परिवार के सदस्यों की सेहत अच्छी रहती है और जीवन में चल रही परेशानियों से भी राहत मिलती है।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि धर्म ग्रंथों में सर्व पितृ अमावस्या का विशेष महत्व बताया गया है। ये साल आने वाली 12 अमावस्या तिथियों में सबसे खास होती है। इस तिथि पर पितरों के लिए जल दान, श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करने से वे पूरी तरह तृप्त हो जाते हैं। इस दिन सूर्य और चंद्रमा एक ही राशि में होते हैं। ये दोनों ग्रह पितरों से संबंधित हैं। इस तिथि पर पितृ पुनः अपने लोक में चले जाते हैं साथ ही वे अपने वंशजों को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

सर्वपितृ अमावस्या तिथि

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार सर्वपितृ अमावस्या इस बार 14 अक्टूबर को पड़ रही पंचांग के अनुसार आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि 13 अक्टूबर रात्रि 09:50 मिनट से शुरू होगी और 14 अक्टूबर मध्य रात्रि 11:24 मिनट पर समाप्त हो जाएगी। उदया तिथि के अनुसार 14 अक्टूबर को सर्व पितृ अमावस्या मनाई जाएगी। इस दिन श्राद्ध-तर्पण के लिए तीन मुहूर्त बताये गये हैं, जो सुबह 11:44 बजे से दोपहर 3:35 बजे तक रहेंगे। इस अवधि में किसी भी समय पूर्वजों के लिए पूजा, तर्पण, दान आदि किया जा सकता है।

सूर्य ग्रहण

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि पंचांग के अनुसार आश्विन माह की सर्वपितृ अमावस्या के दिन साल का दूसरा और आखिरी सूर्य ग्रहण भी लग रहा है। सर्वपितृ अमावस्या पर सूर्य ग्रहण रात 08.34 मिनट से अगले दिन प्रातः 02.25 मिनट तक रहेगा। यह वलयाकार सूर्य ग्रहण होगा। जो भारत में दिखाई नहीं देगा। इसका सूतक काल भी मान्य नहीं रहेगा।

अमावस्या पर करें सभी पितरों का श्राद्ध

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि किसी कारणवश आप अपने मृत परिजनों का श्राद्ध उनकी मृत्यु तिथि पर न कर पाएं तो सर्व पितृ अमावस्या पर उनकी आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध, पिंडदान, तर्पण आदि कर्म कर सकते हैं। यह श्राद्ध पक्ष की अंतिम तिथि होती है। धर्म ग्रंथों के अनुसार इस तिथि का विशेष महत्व बताया गया है। इस बार सर्व पितृ अमावस्या 14 अक्टूबर को है। अगर आपने तिथि के अनुसार पितरों का श्राद्ध किया भी हो तो इस दिन भी श्राद्ध करना चाहिए।

पृथ्वी लोक से विदा होते हैं पितर

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि आश्विन माह की कृष्ण अमावस्या को श्राद्ध का अंतिम दिन होता है। इस अमावस्या को सर्व पितृ अमावस्या पितृ अमावस्या अथवा महालय अमावस्या भी कहते हैं। सर्वपितृ अमावस्या के दिन पितरों का श्राद्ध और पिंडदान किया जाता है। इस दिन पितृ पृथ्वी लोक से विदा लेते हैं इसलिए इस दिन पितरों का स्मरण करके जल अवश्य देना चाहिए। जिन पितरों की पुण्य तिथि की जानकारी न हो उन सभी पितरों का श्राद्ध सर्व पितृ अमावस्या को करना चाहिए। श्राद्ध के बाद ब्राह्मणों को भोजन कराना चाहिए। इससे पितृगण प्रसन्न होते हैं और सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

ऐसे करें पितरों को खुश

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि अमावस्या के दिन सुबह में पवित्र नदियों में स्नान करें और फिर सभी ज्ञात और अज्ञात पितरों को स्मरण कर जल अर्पित करें। घर में विशेष व्यंजन बनाएं और इसे पितरों के निमित्त निकाल लें और किसी ऐसे स्थान पर रखें जहां पर कौए पहुंच सके। भोजन का कुछ अंश सबसे पहले गाय फिर कौए और चीटियों के लिए निकाले। इसके बाद पितरों को श्रद्धापूर्वक विधि-विधान से विदा करें और उन्हें स्मरण कर आशिर्वाद की प्रार्थना करें। इस दिन पितरों के निमित्त खीर जरूर बनाएं और सिंदूर से नारियल पर स्वास्तिक बनाकर हनुमान मंदिर में चढ़ाएं।

महत्व

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू धर्म में अमावस्या तिथि का विशेष महत्व होता है। शास्त्रों में अमावस्या तिथि को पितरों का तर्पण करने का खास होता है। पितृ पक्ष के दौरान आश्विन माह की अमावस्या तिथि को महालया अमावस्या या सर्वपितृ अमावस्या के नाम जाना जाता है। यह पितृपक्ष का आखिरी दिन होता है। इस दिन पितरों को तर्पण देते हुए उन्हें तरह-तरह के पकवान बनाकर उन्हे तृप्ति किया जाता है। परिजनों की सेवा भाव से प्रसन्न होकर पितर देव पृथ्वी पर जीवित अपने परिजनों को आशीर्वाद देते हुए पितरों लोक में प्रस्थान करते हैं।

महालया अमावस्या पर भोजन बनाकर कौए, गाय और कुत्ते को निमित्त देकर ब्राह्मण को भोज करवाते हुए उन्हें दक्षिणा देकर आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है। सर्वपितृ अमावस्या पर उन पितरों को तर्पण किया जाता है जिनकी मृत्यु की तिथि मालूम न हो या फिर किसी कारण से अपने पूर्वजों का श्राद्ध न कर पाएं तो इस तिथि पर श्राद्ध किया जा सकता है। वहीं इस साल सूर्य ग्रहण रात्रि के समय लग रहा है और श्राद्ध कर्म दोपहर के समय किया जाता है। इसलिए इन कर्मों पर सूर्य ग्रहण का प्रभाव नहीं पड़ेगा।

Israel से पंगा लेकर फँस गया Hamas, Gaza पूरी तरह तबाह, मस्जिदों के साथ ही इस्लामिक यूनिवर्सिटी भी मलबे में ढेर

नीरज कुमार दुबे

इस बीच, इराक में एक प्रमुख ईरानी समर्थित मिलिशिया के नेता ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका गाजा में हमास और इज़राइल के बीच युद्ध में हस्तक्षेप करता है तो वह जवाबी कार्रवाई में अमेरिकी ठिकानों पर हमला करेगा। इजराइल पर हमला करना हमास को बहुत महंगा पड़ा है क्योंकि शनिवार से अब तक इजराइली रक्षा बलों ने गाजा में लगभग तीन हजार ठिकानों पर हमले किये हैं जिससे यह पूरा इलाका बर्बाद हो चुका है। बताया जा रहा है कि लगभग 1500 के आसपास बहुमंजिला इमारतें जमींदोज हो गयी हैं, हमास के वो वॉर रूम भी उड़ा दिये गये हैं जहां से इजराइल पर आतंकवादी हमला करने की साजिश रची गयी थी। गाजा में हुए इजराइली हमलों में जहां कई मस्जिदें तबाह हो गयी हैं वहीं इस्लामिक यूनिवर्सिटी की इमारत भी मलबे में तब्दील हो गयी है। इस बीच, इजराइल की ओर से आपूर्ति ठप किए जाने के बाद गाजा में बिजली प्राधिकरण ने कहा है कि कुछ घंटों में इकलौते संयंत्र में भी ईंधन समाप्त हो जाएगा, जिसके बाद पूरे गाजा में बिजली आपूर्ति बंद हो जाएगी। इस प्रकार की भी खबरें हैं कि गाजा के अधिकांश हिस्सों पर कब्जा होते ही इजराइल ने इस पूरे इलाके को सैन्य क्षेत्र घोषित करते हुए बिना इजाजत के यहां प्रवेश को प्रतिबंधित कर दिया है। इजराइल ने कहा है कि गाजा में घुसना जोखिम के साथ ही अपराध भी होगा। दूसरी ओर, हमास भी अभी हार मानने के लिए तैयार नहीं है। खबर है कि गाजा पट्टी से दक्षिणी इजरायली शहरों अशदोद और अश्कलोन की ओर रॉकेट दागे गए हैं।

अमेरिकी हथियार पहुँचे

उधर, अब इस युद्ध में एक नया मोड़ भी आने वाला है क्योंकि हमास के साथ युद्ध में इजराइल को मजबूती प्रदान करने के लिए आधुनिक अमेरिकी हथियारों और उपकरणों की पहली खेप तेल अवीव पहुंच चुकी है। इजराइल के रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी वीडियो और तस्वीरों में एक मालवाहक विमान को उतरते हुए देखा जा सकता है जिससे उपकरणों की पहली खेप लाई गयी। इसे संयुक्त अभियान के तहत इजराइल में लाया गया है। रक्षा मंत्रालय के उत्पादन और खरीद निदेशालय, अमेरिकी खरीद मिशन और इजराइल के रक्षा मंत्रालय के तहत अंतरराष्ट्रीय परिवहन इकाई ने इस अभियान में मालवाहक विमान से उपकरण लाने पर नजर रखी जिससे अमेरिका से हथियारों की सीधी आपूर्ति हो सकी।

आतंकवादियों ने दी धमकी

इस बीच, इराक में एक प्रमुख ईरानी समर्थित मिलिशिया के नेता ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका गाजा में हमास और इज़राइल के बीच युद्ध में हस्तक्षेप करता है तो वह जवाबी कार्रवाई में अमेरिकी ठिकानों पर हमला करेगा। कताइब हिजबुल्लाह मिलिशिया के प्रमुख अहमद अबू हुसैन अल-हमीदावी ने कहा, हमारी मिसाइलें, ड्रोन और विशेष बल अमेरिकी दुश्मन पर कई गुणा ज्यादा हमले करने और इस लड़ाई में हस्तक्षेप करने पर उसके हितों को बाधित करने के लिए तैयार हैं। एक बयान में मिलिशिया ने इजरायली ठिकानों पर मिसाइलें दागने की भी धमकी दी है। अल-हमीदावी ने इराकियों से हमास के सैन्य अभियान के समर्थन में प्रदर्शन करने और चंदा इकट्ठा करने का आह्वान किया है।

हिजबुल्ला भी लड़ाई में कूदा

इस बीच, यह लड़ाई और फैलती भी जा रही है क्योंकि हमास को लड़ाई में अकेला पड़ता देख लेबनान के आतंकवादी समूह हिजबुल्ला ने भी बम और बंदूकें उठा ली हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, शक्तिशाली सशस्त्र समूह हिजबुल्ला के ताजा रॉकेट हमले के जवाब में बुधवार को इजरायल ने लेबनान के दक्षिणी हिस्से के शहरों पर जोरदार गोलाबारी कर उसे दहला दिया। इज़रायली सेना ने कहा कि उसने बुधवार को इज़रायली शहर अरब अल-अरामशे के पास उसके उत्तरी ठिकानों में से एक को एंटी टैंक फायर से निशाना बनाए जाने के बाद लेबनान पर हमला किया है। इस बीच, दक्षिणी लेबनानी शहर रमीश के निवासियों ने कहा कि इज़रायली गोलाबारी पास में हुई। एक सुरक्षा सूत्र ने बताया कि इजरायली तोपखाने के गोले अरब अल-अरामशे के पार, धायरा के आसपास रॉकेट लॉन्च बिंदु पर हमला कर रहे थे। उन कस्बों में रहने वाले लेबनानियों का कहना है कि हालिया हिंसा ने 2006 की यादें ताजा कर दी हैं, जब ईरान समर्थित हिजबुल्लाह और इज़राइल ने एक महीने तक आक्रामक होकर युद्ध लड़ा था। स्थानीय लेबनानी टेलीविजन स्टेशन अल-जदीद ने धायरा में कुछ घरों और खेत के पास एक जंगली क्षेत्र से निकल रहे सफेद धुएं के गुबार की तस्वीरें प्रसारित कीं।

अमेरिकी राष्ट्रपति का बयान

दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि इजराइल पर हमास का हमला विशुद्ध रूप से दुनिया पर थोपी गई एक बुराई है। हम आपको बता दें कि इस हमले में 14 अमेरिकी नागरिक भी मारे गए हैं। बाइडन ने कहा कि इजराइल को नष्ट करना और यहूदी लोगों को मारना हमास का घोषित उद्देश्य है। बाइडन ने व्हाइट हाउस से राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा, ''हमारे जीवन में ऐसे क्षण आते हैं, जब दुनिया पर बुराई थोपी जाती है। इजराइल के लोग इस सप्ताहांत ऐसे ही एक क्षण से गुजरे। यह हमला आतंकवादी संगठन हमास द्वारा किया गया जो ऐसा समूह है जिसका घोषित उद्देश्य यहूदियों को मारना है।''

बाइडन ने कहा, ''इजराइल पर किये गए इस हमले में 1,000 से अधिक नागरिकों को मार डाला गया। सिर्फ हत्या नहीं की गई बल्कि लोगों का कत्लेआम किया गया। इनमें कम से कम 14 अमेरिकी नागरिक मारे गये हैं। उन माता-पिता को मार डाला गया जो अपने बच्चों की रक्षा करने की कोशिश कर रहे थे। शिशुओं के मारे जाने की चौंकाने वाली खबरें हैं। पूरे परिवारों का खात्मा कर दिया गया। शांति का जश्न मनाने वाले एक संगीत समारोह में शामिल युवाओं की हत्या कर दी गई।''

बाइडन ने कहा कि इजराइल में हमास का कृत्य आतंकवाद था जो ''आईएसआईएस के आचरण से मिलता जुलता है।'' इस बीच, अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि वह 11-13 अक्टूबर तक इजराइल और जॉर्डन की यात्रा करेंगे, जहां वह वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। अमेरिका के विदेश विभाग ने कहा, ''मंत्री इजराइल के खिलाफ आतंकवादी हमलों के पीड़ितों के लिए अपनी संवेदना दोहराएंगे और हमलों की कड़े शब्दों में निंदा करेंगे। वह इजराइल की सरकार और लोगों के साथ अमेरिका की एकजुटता भी दोहराएंगे। वह इजराइल की सुरक्षा को मजबूत करने के उपायों पर भी चर्चा करेंगे और इजराइल के रक्षा के अधिकार के प्रति अमेरिका के अटूट समर्थन को रेखांकित करेंगे।''

ईरान की भूमिका पर अमेरिका का जवाब

इस बीच, अमेरिका ने तमाम तरह की अटकलों के बीच यह भी कहा है कि इजराइल पर हमास के हाल के आतंकवादी हमले में ईरान की भूमिका के बारे में कोई विशेष सूचना नहीं मिली है लेकिन आतंकवादी समूह की सैन्य शाखा के लिए वित्त पोषण में ''व्यापक तौर'' पर उसकी मिलीभगत है।

हिंदू समाज के खिलाफ गहरी साजिश है जाति आधारित जनगणना

मृत्युंजय दीक्षित

भविष्य की राजनीति में जातिगत जनगणना की इस रिपोर्ट से सर्वाधिक लाभ भारतीय जनता पार्टी को ही होने वाला है। जातिगत सर्वे के बाद आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन द्वारा जिसकी जितनी संख्या उतनी उसकी हिस्सेदारी का नारा बुलंद किया जा रहा है। बिहार के मुख्यमंत्री व आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन के एक संभावित नेता नीतीश कुमार ने आगामी विधानसभा व लोकसभा चुनावों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भारतीय जनता पार्टी से मुकाबला करने के लिए बिहार में कराई गई जातिगत जनगणना की रिपोर्ट दो अक्टूबर को जारी कर दी है। विधानसभा चुनावों की तारीखों का ऐलान होने के मात्र एक सप्ताह पूर्व जारी की गयी यह रिपोर्ट स्पष्ट संकेत देती है कि यह इन नेताओं का चुनावी स्टंट मात्र है। यह रिपोर्ट तब जारी की गयी जब चारा घोटाले में दोषी घोषित जमानत पर बाहर घूम रहे लालू यादव भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ जमकर जहर घोल रहे हैं। पटना में जातिगत जनगणना की रिपोर्ट जारी होने के बाद संपूर्ण भारत में राजनैतिक नेताओं की ओर से मुखर बयानबाजी प्रारम्भ हो गयी और पूरे देश में जातिगत जनगणना की मांग जोर पकड़ने लगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तत्काल बयान दिया कि जब देश में उनकी सरकार आयेगी तब संपूर्ण भारत में जातिगत जनगणना करायी जायेगी और साथ ही एक नारा भी उछल दिया जिसकी जितनी आबदी उसका उतना हक।

वर्तमान राजनैतिक दौर में भारत के सभी विपक्षी और क्षेत्रीय दल यह सोच रहे हैं कि जातिगत जनगणना व अनुसूचित जाति, जनजति, आदिवासी व वंचित समाज को आरक्षण के नाम पर बरगलाकर भाजपा को हराया जा सकता है या फिर द्रमुक के विचारों के अनुरूप सनातन धर्म का संपूर्ण उन्मूलन संभव है। जातिगत जनगणना और उसके आधार पर हिन्दू मतों का विभाजन कराके सत्ता में आना इनका सपना है। बिहार की जातिगत जनगणना एक ऐसी निकृष्ट पहल है जो सनातन हिन्दू धर्म को कमज़ोर करेगी और समाज को जातीय संघर्ष में झोंक कर विकसित भारत के स्वप्न को चूर चूर कर देगी। जातीय जनगणना के आंकड़े जारी होने के प्रारंभ के एक-दो दनि आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन को ऐसा प्रतीत होने लगा कि वह भाजपा को दबाव में लाने में सफल हो गया है किंतु समय बीतने के साथ-साथ जातिगत जनगणना एक विद्रूप राजनैतिक स्टंट के रूप में ही पहचानी जा रही है। अब यह समाचार भी आ रहे हैं कि नीतीश कुमार ने बिहार व राष्ट्रीय राजनीति में राजनैतिक अस्तित्व को बचाए रखने और अतिपिछड़ों का नायक बनने के लिए यह रिपोर्ट जल्दबाजी में जारी कर दी है। बिहार के कई नेता व विश्लेषक यह दावा कर रहे हैं कि यह जनगणना रिपोर्ट पूरी तरह से फर्जी दावों व आंकड़ों पर आधारित है। बिहार की क्षेत्रीय पार्टी हम के नेता जीतन राम मांझी का बयान आया कि यह रिपोर्ट घर में बैठकर तेयार की गयी है और इसमें आंकड़ों में हेरफेर किया गया है। वहीं पूर्व कानून मंत्री रवि शंकर प्रसाद का कहना है कि उनके घर कोई भी अधिकारी जनगणना के लिए नहीं आया और न ही उनसे हस्ताक्षर करवाये गये। बिहार की कुल जनगणना में 82 प्रतिशत हिंदू आबादी है जबकि मुस्लिम आबादी 17.7 प्रतिशत हो गयी है। यानि बिहार में हिंदू आबादी का प्रतिशत घट गया है जबकि मुस्लिम आबादी का 2.3 प्रतिशत बढ़ा है।

बिहार की जातिगत जनगणना में अत्यंत पिछड़ा वर्ग 36 प्रतिशत, पिछड़ा वर्ग 27.12 प्रतिशत अनुसूचित जाति 19.65 प्रतिशत अनारक्षित वर्ग केवल 15.52 प्रतिशत है। बिहार की यह जातिगत जनगणना इतने विरोधाभासों से भरी है कि यह स्वयं स्पष्ट कर रही है कि यह केवल और केवल हिंदू समाज को जाति के नाम पर बांटने का एक सुनियोजित व घृणित षड्यंत्र है। 1931 में भारत को खंड खंड करने की जो साजिश अंग्रेज नहीं कर पाये उस कार्य को पूर्ण करने का पाप अब बिहार के 73 वर्षीय मुख्यमंत्री नीतिश कुमार कर रहे हैं। नीतीश कुमार ने सोचा था कि वह ऐसा करके महानायक बन जायेंगे किंतु अब वही इस जाल में फंसते दिख रहे हैं। जातिगत जनगणना से उठे यक्ष प्रश्न न केवल नीतीश कुमार वरन आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन पर भी भारी पड़ रहे हैं। बिहार की जातिगत जनगणना की रिपोर्ट से पता चल रहा है कि नीतीश पिछड़ों व अतिपिछड़ों के नेता नहीं रह गए हैं और बिहार की राजनीति अब यादव मुस्लिम गठजोड़ की दिशा पकड़ेगी। पूरे प्रकरण में आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन और नीतिश कुमार ने अपने पैरों पर ही कुल्हाड़ी मार ली है और भाजपा को खुलकर हिन्दुत्व की राजनीति करने का निमंत्रण दे दिया है। जातिगत जनगणना की रिपोर्ट जारी होने के बाद अपने सार्वजनिक कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह संकेत दे दिया है कि भाजपा आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन द्वारा तैयार जातिगत जनगणना की पिच पर फ्रंट फुट पर खेलेगी। प्रधानमंत्री ने पहले अपना पक्ष रखते हुए कहा कि देश में अगर सबसे बड़ी कोई आबादी है तो वह गरीब की है। गरीब का कल्याण ही मेरा मकसद है। इसके बाद प्रधानमंत्री ने आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन और कांग्रेस पर प्रश्न करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह क्या सोच रहे होंगे? वह तो कहा करते थे कि देश के संसाधनों पर पहला हक अल्पसंख्यकों का है। उसमें भी मुसलमानों का सबसे पहले। कांग्रेस कह रही है कि आबादी के हिसाब से तय होगा कि पहला हक किसका होगा। क्या अल्पसंख्यकों का हक कांग्रेस कम करना चाह रही है? यदि आबादी के हिसाब से ही सब तय होने वाला है तो पहला हक किसका होगा? आबादी किसकी ज्यादा है? कांग्रेस यह स्पष्ट करे। क्या कांग्रेस अल्पसंख्यकों को हटाना चाहती है? तो क्या सबसे अधिक आबादी वाले हिंदू आगे बढ़कर सारे हक ले लें? इसी प्रकार उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी एक कार्यक्रम में कहा कि विचारों में संकीर्णता नहीं होनी चाहिए। योगी ने कहा कि धर्म एक ही है वह है सनातन धर्म। बाकी सब संप्रदाय और उपासना पद्धति हैं। सनातन धर्म मानवता का धर्म है और अगर सनातन धर्म पर आघात होगा तो विश्व की मानवता पर संकट आ जाएगा। प्रधनमंत्री नरेंद्र मोदी और योगी जी के वक्तव्यों से स्पष्ट है कि अब भारतीय जनता पार्टी व उसकी समस्त सरकार हिन्दुत्व व सनातन धर्म के अनुरूप ही कार्य करने जा रही है। भविष्य की राजनीति में जातिगत जनगणना की इस रिपोर्ट से सर्वाधिक लाभ भारतीय जनता पार्टी को ही होने वाला है। जातिगत सर्वे के बाद आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन द्वारा जिसकी जितनी संख्या उतनी उसकी हिस्सेदारी का नारा बुलंद किया जा रहा है। ये नारा जितना जोर पकड़ेगा सवर्ण व ऐसी जातियां जिनकी आबादी कम होती जा रही हैं, वे सभी अपने आपको असुरक्षित महसूस करेंगी और भाजपा की ओर आएँगी। वहीं पिछड़ी व कमजोर जातियां को लुभाने के लिए लालू यादव, नीतिश कुमार या आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन के पास कुछ नहीं रह गया है अतः बिहार का यह पूरा का पूरा कमजोर वर्ग भी अब भाजपा के पास ही जायेगा।

संक्षिप्त समाचार

पुराने बस अड्डे पहुंचे अधिकारी, बसों में की जांच

मथुरा। रोडवेज से अनुबंधित बसों में अग्निशमन यंत्र और प्राथमिक उपचार किट नहीं होने संबंधी अमर उजाला में प्रकाशित खबर पर संज्ञान लेते हुए रोडवेज के अधिकारी बृहस्पतिवार को पुराने बस अड्डे पहुंचे। अधिकारियों ने बसों की जांच की और जिन बसों में अग्निशमन यंत्र और प्राथमिक उपचार किट नहीं मिली उनके चालकों को चेतावनी दी। मथुरा डिपो के स्टेशन अधीक्षक संजीव शर्मा टीम के साथ पुराने बस अड्डे पहुंचे और वहां खड़ी बसों की जांच की। इस दौरान कई बसों में अग्निशमन यंत्र और प्राथमिक उपचार किट नहीं मिली। इस पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने बस चालकों को चेतावनी दी। बसों में अग्निशमन यंत्र और प्राथमिक उपचार किट रखने के निर्देश दिए। कुछ बसों में अग्निशमन यंत्र सीट के अंदर बने बक्से में रखे मिले। उन्हें निर्धारित स्थान पर रखने के निर्देश दिए। जिन बसों के आगे अनधिकृत रूप से लोहे के बंपर लगे थे। उन्हें भी तत्काल हटाने के निर्देश दिए गए। खबर प्रकाशित होने के बाद बसों की जांच की है। जिन बसों में अग्निशमन यंत्र और प्राथमिक उपचार किट नहीं मिली है। उन्हें चेतावनी देने के साथ ही निर्धारित स्थान पर अग्निशमन यंत्र और प्राथमिक उपचार किट रखने के निर्देश दिए हैं। बसों के आगे अनधिकृत रूप से लगे लोहे के बंपर भी हटवाने के लिए कहा है।

गुरुजी ने सालों से नहीं देखा स्कूल, अफसर भी कार्रवाई करना गए भूल

झांसी। स्कूल जाने से कतराने वाले शिक्षकों पर नजर रखने के लिए शिक्षा विभाग ने बायोमीट्रिक हाजिरी, प्रेरणा एप समेत कई व्यवस्थाएं लागू की हैं, लेकिन विभाग फिर भी शिक्षकों पर शिकंजा नहीं कस पा रहा है। झांसी में ही करीब 50 से ज्यादा शिक्षक ऐसे हैं, जिन्होंने सालों से अपने स्कूल को देखा ही नहीं है। उनके खाते में हर महीने वेतन पहुंच जाता है। कोई विदेश में है, तो कोई स्कूल छोड़कर कारोबार कर रहा है। ऐसे शिक्षकों की सेवा समाप्ति की संस्तुति उच्चाधिकारी तक कर चुके हैं, लेकिन जिला स्तर के अधिकारी हर बार कार्रवाई करना भूल जाते हैं। उधर, शिक्षकों के गायब रहने से स्कूलों में शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है। शिक्षक स्कूल जाकर बच्चों को पढ़ाएं, इसके लिए सरकार सख्ती कर रही है, लेकिन शिक्षकों और अधिकारियों की लापरवाही खत्म नहीं हो रही है। झांसी में मार्च 2023 में एडी बेसिक अरुण कुमार ने स्कूलों का निरीक्षण किया था, तो तमाम शिक्षक ऐसे मिले थे, जो सालों से स्कूल ही नहीं आए थे। इस पर एडी बेसिक ने बीएसए को निर्देश देकर शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस देने के लिए कहा था। साथ ही सेवा समाप्त करने की संस्तुति भी की थी। मगर बीएसए और उनके विभाग ने अफसर ने कुछ नहीं किया। विभागीय अफसरों ने तो शिक्षकों को नोटिस ही नहीं भेजे, जबकि हर महीने वेतन पूरा जा रहा है। अफसरों और शिक्षकों की मिलीभगत से शिक्षा विभाग में बड़ा खेल चल रहा है।

तेरहवीं से लौट रहे दंपती को बेकाबू ट्रक ने कुचला, पत्नी की मौत

झांसी। मोंठ के पास सुल्तानपुरा गांव के सामने बेकाबू ट्रक ने बाइक सवार दंपती को कुचल दिया। हादसे में पत्नी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया जबकि पति की हालत नाजुक है। उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। दोनों तेरहवीं में शामिल होकर अपने गांव लौट रहे थे। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। दुर्घटना की खबर से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। चिरगांव के सिया गांव निवासी राजेंद्र गुप्ता मंगलवार दोपहर पत्नी शीला (57) को लेकर चिरगांव में आयोजित तेरहवीं भोज में शामिल होने गए थे। उसमें शामिल होने के बाद देर-शाम दोनों बाइक से अपने गांव वापस लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक वह दोनों जैसे ही सुल्तानपुरा गांव के पास पहुंचे पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही शीला ट्रक के पहिये के नीचे आ गईं। उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई जबकि राजेंद्र छिटककर दूर जा गिरे। उनके सिर, हाथ एवं पांव में गंभीर चोट आ गई। हादसे के बाद ट्रक चालक फरार हो गया। राहगीरों की सूचना पर चिरगांव पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। घायल राजेंद्र को लेकर वह मेडिकल कॉलेज पहुंची। उसकी हालत नाजुक होने की वजह से इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया है। उधर, शीला की मौत के बाद परिजन रोते बिलखते अस्पताल पहुंच गए। शीला के दो बेटे दीपक और जीतू हैं। दोनों की शादी हो चुकी।

बुजुर्ग ही नहीं, युवा भी हो रहे गठिया रोग के शिकार

कन्नौज। गठिया रोग के बुजुर्ग ही नहीं बल्कि युवा भी शिकार हो रहे हैं। सीएचसी की ओपीडी में रोजाना 10 फीसदी मरीज गठिया की समस्या लेकर पहुंच रहे हैं। चिकित्सकों ने विश्व गठिया दिवस पर बताया कि जीवनशैली को संतुलित बनाकर इस बीमारी से बचा जा सकता है। सीएचसी में हुए कार्यक्रम के दौरान डॉ. योगेश कुमार ने बताया कि गठिया का सबसे अधिक प्रभाव घुटनों में और इसके बाद कूल्हे की हड्डियों पर पड़ता है। इससे बदन में दर्द और अकड़न महसूस होती है। कभी-कभी उनके हाथों, कंधों और घुटनों में सूजन और दर्द रहता है। ऐसे लोगों को अर्थराइटिस की समस्या हो सकती है। अर्थराइटिस जोड़ों की सूजन है। बुजुर्गों के साथ युवा भी गठिया से परेशान हो रहे हैं। सामान्य स्थिति में आस्टियो अर्थराइटिस 50 वर्ष की उम्र के बाद होता है। यह शरीर पर निर्भर करता है कि जोड़ों को कितना और किस तरह से इस्तेमाल किया गया है। अर्थराइटिस के लक्षण आमतौर पर बढ़ती उम्र के साथ विकसित होते हैं, लेकिन यह अचानक भी समस्या बन सकते हैं। इसके अलावा, गलत तरीके से अधिक देर तक झुककर काम करना, सिर पर नियमित तौर पर वजन उठाना, झुककर कोई वजन उठाना, कंप्यूटर के सामने गलत तरीके से घंटों बैठे रहना, मोबाइल का अधिक इस्तेमाल करना, गर्दन झुकाकर घंटों काम करने से भी गठिया की शिकायत होती है।

गर्भवती महिला का शव फंदे पर लटका मिला

कन्नौज। कमरे में गर्भवती महिला का शव फंदे पर लटका मिला। महिला के पति ने आत्महत्या करने की बात कही। वहीं, मायके पक्ष ने ससुरालीजनों पर दहेज हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कुशलपुर्वा निवासी अनुज की चार वर्ष पूर्व कन्नौज के बरीरी गांव निवासी रंजना (22) की शादी हुई थी। पति ने बताया कि आए दिन रंजना जान देने की बात कहती थी। गुरुवार दोपहर पारिवारिक कलह के कारण फंदे पर लटक कर जान दे दी है। शव को फंदे पर लटका देखा और परिवार को घटना की जानकारी दी। बाद में मायके पक्ष व पुलिस को सूचना दी गई। मृतका के भाई शिवम शर्मा पुत्र रामभरोसे ने बताया कि शादी में दिए दहेज से ससुरालीजन संतुष्ट नहीं थे और बाइक, सोने की चेन व कूलर की मांग कर रहे थे। मांग पूरी न होने पर आए दिन प्रताड़ित करने लगे। कई बार रिश्तेदारों ने पंचायत भी की, लेकिन ससुरालीजन नहीं माने। गुरुवार को ससुरालीजनों ने रंजना की हत्या कर दी और आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को फंदे पर लटका दिया। रंजना सात माह की गर्भवती थी और उसकी एक पुत्री व पुत्र है। सूचना पर उपनिरीक्षक ज्योति गौर ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी देवेश कुमार पाल ने बताया कि मायके पक्ष ने हत्या का आरोप लगाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बिना मान्यता के चलते मिले चार विद्यालय

कन्नौज। बिना मान्यता और मान्यता से ज्यादा कक्षाएं चलाने वाले स्कूलों के खिलाफ शिकंजा कसना शुरू हो गया है। बीईओ ने बिना मान्यता चल रहे चार स्कूलों को पकड़ा और उनके प्रबंधक व प्रधानाचार्यों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इन विद्यालयों में कक्षाओं का संचालन बंद न होने पर एफआईआर की चेतावनी दी गई है। तालग्राम ब्लॉक में कई ऐसे विद्यालय हैं, जो बिना मान्यता के धड़ल्ले से चल रहे हैं। कुछ ऐसे भी विद्यालय हैं, जिनकी मान्यता प्राथमिक की है और वहां जूनियर की कक्षाएं चला रहे हैं। कहीं जूनियर तक मान्यता वाले विद्यालय हाईस्कूल व इंटर तक की कक्षाएं चला रहे हैं। इतना ही नहीं बाकायदा बोर्ड लगाकर प्रचार कर अभिभावकों को गुमराह कर रहे हैं। महानिदेशक स्कूल शिक्षा ने ऐसे स्कूलों पर शिकंजा कसने और कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। इसी के तहत बीईओ ने अभियान चलाया तो चार विद्यालय बिना मान्यता के संचालित मिले, जिन्हें नोटिस जारी की गई हैं।

बैसाखी ने बेजान पैरों में डाली जान... नौनिहालों के चेहरों पर खिली मुस्कान

झांसी। देखो मम्मी ये क्या हो गया, मैं भी अब दूसरे बच्चों की तरह चल सकता हूं। पापा मुझे अंकल ने ये गिफ्ट दिया है, मैं अब बिना किसी सहारे के चल सकूंगी। चेहरे पर मुस्कान लिए कुछ ऐसे ही दिव्यांग बच्चे नगर संसाधन केंद्र परिसर में दौड़ते नजर आए। समेकित शिक्षा अभियान के तहत दिव्यांग बच्चों को सहायक उपकरण दिए गए। उपकरण पाने के बाद खुश होते बच्चों को देखकर अभिभावक भी भावुक हो गए। उपकरण वितरण शिविर का शुभारंभ सदर विधायक रवि शर्मा, एडी बेसिक अरुण कुमार शुक्ला और बीएसए नीलम यादव ने किया। शिविर में बड़गांव, बबीना, चिरगांव और नगर क्षेत्र के 76 दिव्यांग बच्चों को 122 उपकरण बांटे गए। एलिम्को कानपुर के ऑडियोलॉजिस्ट हरिशंकर और पुनर्वास विशेषज्ञ अमर बहादुर ने दिव्यांग विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को उपकरण के प्रयोग की जानकारी दी। बच्चों को ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर, सीपी चेयर, बैसाखियां, रोलेटर, ब्रेल किट, श्रवण यंत्र किट, कैलीपर्स बांटे गए।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में निर्माणाधीन विद्यालयों/महाविद्यालयों, आई0टी0आई0 तथा पॉलिटेक्निक संस्थानों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की

विद्यालयों में शिक्षक-छात्र अनुपात को मानक अनुरूप संतुलित करने के निर्देश

सत्र 2023-24 में 136 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों का उच्चीकरण किया गया, अवशेष विद्यालयों का उच्चीकरण कार्य समयबद्ध रूप से पूरा कराएं

लखनऊ कार्यालय

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज अपने सरकारी आवास पर आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश में निर्माणाधीन विद्यालयों/महाविद्यालयों, आई0टी0आई0 तथा पॉलिटेक्निक संस्थानों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की और विद्यालयों में शिक्षक-छात्र अनुपात को मानक अनुरूप संतुलित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बेसिक, माध्यमिक, उच्च तथा व्यावसायिक शिक्षा के विद्यालयों को साधन-सुविधा सम्पन्न बनाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने पर बल देते हुए कहा कि आकांक्षात्मक जनपदों में संचालित सभी बेसिक, माध्यमिक, उच्च, प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षण संस्थानों में प्राथमिकता के साथ पर्याप्त शिक्षकों की तैनाती की जाए। कहीं भी शिक्षकों व अन्य मानव संसाधन का अभाव न रहे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जिला विद्यालय निरीक्षकों की तैनाती में मेरिट का ध्यान रखें। जिन जनपदों में जिला विद्यालय निरीक्षक का पद रिक्त है, वहां इनकी तत्काल तैनाती की जाए। बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में शिक्षक-छात्र अनुपात को मानक अनुरूप संतुलित बनाएं। जहां शिक्षकों की संख्या अधिक हो उन्हें अन्यत्र समायोजित किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कक्षा 06 से 08 तक संचालित 746 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के उच्चीकरण का कार्य यथाशीघ्र पूरा करा लिया जाए। सत्र 2023-24 में 136 विद्यालयों का उच्चीकरण किया गया है, जबकि 512 नवनिर्माणाधीन विद्यालयों का उच्चीकरण जारी है। अवशेष कार्य समयबद्ध रूप से पूरा कराएं। आगामी दिसंबर तक यहां शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया भी पूरी कर ली जाए। कस्तूरबा गांधी विद्यालयों के उच्चीकरण के इस प्रयास से लगभग सवा लाख बालिकाओं को लाभ होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अटल आवासीय विद्यालयों से आच्छादित जनपदों के अतिरिक्त शेष 57 जनपदों में एक-एक 'मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय' की स्थापना की तैयारी प्रारम्भ करें। 'मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय' का परिसर 5-10 एकड़ का हो। इसके लिए सम्बन्धित जनपदों में भूमि का चिह्नांकन यथाशीघ्र पूरा कर लें। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा बेसिक शिक्षा में व्यापक सुधार के उद्देश्य से 'पी0एम0 श्री' (प्रधानमंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इण्डिया) योजना की घोषणा की गई है। योजना के अंतर्गत भारत सरकार के सहयोग से प्रदेश के 1,725 शासकीय विद्यालयों का चयन किया गया है। प्रथम चरण में विकास के लिए चयनित 925 शासकीय विद्यालयों के चरणबद्ध उच्चीकरण के लिए भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी आवश्यक निर्माण कार्य आगामी दिसंबर तक पूरा करा लिए जाएं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 'पी0एम0 श्री' योजना के अन्तर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के सिद्धांतों के अनुरूप चरणबद्ध रूप से इन विद्यालयों में अल्ट्रा मॉडर्न तकनीक व डिजिटल शिक्षा व्यवस्था का विकास किया जाना है। इन विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, आई0सी0टी0 लैब, लैंग्वेज लैब, विज्ञान प्रयोगशाला तथा अटल टिंकरिंग लैब स्थापित होंगे। साथ ही, सोलर पैनल, एल0ई0डी0 लाइटिंग, ऊर्जा कुशल संसाधन, पोषण वाटिका, वेस्ट मैनेजमेंट, जल संरक्षण आदि के माध्यम से इन्हें ग्रीन स्कूल्स के रूप में विकसित किया जाएगा। इनमें स्किल हब सेंटर का विकास होगा। इससे प्रदेश के बच्चों को अच्छी शिक्षा सुविधा सुलभ कराने में बड़ी सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनपद गोरखपुर में निर्माणाधीन प्रदेश के चौथे सैनिक स्कूल का निर्माण कार्य आगामी दिसम्बर तक पूर्ण करा लिया जाए। दिसम्बर में प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न कराते हुए सत्र 2024-25 से इसका संचालन किया जाना है। इस लक्ष्य के साथ सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं। प्रत्येक संस्थान में समय से सत्र की शुरुआत और समय पर परीक्षा होना सुनिश्चित किया जाए। ऐसे में आगामी सत्र 2024-25 के लिए आवश्यक तैयारियां कर ली जानी चाहिए। सभी बेसिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में पाठ्य पुस्तक वितरण कार्य फ़रवरी, 2024 तक पूर्ण किया जाए। डी0बी0टी0 के माध्यम से सभी छात्रों को यूनिफॉर्म, जूते-मोजे व स्टेशनरी क्रय हेतु धनराशि अप्रैल माह में भेज दी जाए। विद्यालयों में दिसंबर 2023 के पूर्व 2.36 लाख टैबलेट्स का वितरण किया जाना है। इसकी तैयारी कर लें। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय सहारनपुर, राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय अलीगढ़, महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय आजमगढ़ और जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया में निर्माणाधीन भवनों व अन्य संसाधनों की उपलब्धता गुणवत्ता के साथ तय समय सीमा के भीतर पूरी कर ली जाए। कार्य की गुणवत्ता के साथ कोई समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देवीपाटन मण्डल में माँ पाटेश्वरी देवी राज्य विश्वविद्यालय, विन्ध्याचल धाम मण्डल में माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय और मुरादाबाद मण्डल में प्रस्तावित राज्य विश्वविद्यालय के लिए भूमि चयन प्रक्रिया की औपचारिकताओं को तत्काल पूरा कराते हुए इन विश्वविद्यालयों की स्थापना के सम्बन्ध में अधिसूचना जारी करें।

छह माह से पीठासीन अधिकारी न होने से फूटा वकीलों का गुस्सा

ललितपुर। तहसील मुख्यालय स्थित एसीजेएम एवं जूनियर डिवीजन न्यायालय में करीब छह माह से पीठासीन अधिकारी न होने से वकीलों का गुस्सा फूट पड़ा। सोमवार को तहसील सभागार में बार संघ अध्यक्ष श्याम बिहारी तिवारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में अधिवक्ताओं ने कड़ा विरोध जताया और बुधवार तक हड़ताल करने का एलान कर दिया। बार संघ महामंत्री लोकपाल सिंह ने कहा कि न्यायालयों में लंबे समय से पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति न होने से वादकारियों को भटकना पड़ रहा है। कहा कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश को दिए ज्ञापन के माध्यम से इस समस्या को प्रशासनिक न्यायमूर्ति उच्च न्यायालय मयंक जैन के समक्ष रखा गया। उसके बावजूद दोनों न्यायालयों में पीठासीन अधिकारियों की नियुक्ति नहीं हो सकी। बार संघ के पदाधिकारियों का आरोप है कि मांग पर गंभीरतापूर्वक विचार नहीं किया जा रहा है। आक्रोशित अधिवक्ताओं ने तीन दिन हड़ताल करने का ऐलान कर दिया। जिससे बुधवार तक तहसील में सभी अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे। अधिवक्ताओं की इस हड़ताल से वादकारियों को परेशानी होगी। बैठक में ये अधिवक्ता रहे मौजूद

प्रेमनारायण सोनी, शत्रुघ्न सिंह तोमर, हरप्रसाद प्रजापति, प्रकाश नारायण सोनी, गजराज सिंह, कालका प्रसाद यादव, सूर्य प्रताप सिंह, दृगपाल सिंह, शंकर सिंह सिकरवार, रामबिलास खरे, राकेश शर्मा, दिनेश झा, कुलदीप खरे, प्रहलाद सिसोदिया, बिजय कुमार, अमृत झा, अनिल दीक्षित, नंदकिशोर पाल, गुलझार सिंह, मोहम्मद खां, सुरेंद्र तिवारी, आशीष मोदी, राकेश बिहारी वैद्य, राजेंद्रसिंह सिसोदिया, कृष्ण प्रतापसिंह, पूरन सिंह तोमर, किशन सिंह,रईस अहमद सिद्दकी, नरेंद्र सिंह, शिवलाल अहिरवार, रूपेश उपाध्याय, रामकुमार नायक आदि।

ग्रामीणों से कहासुनी के बाद युवक लापता

कन्नौज। क्षेत्र के भरौली सिरकनेपुर में गांव के लोगों से कहासुनी के बाद बुधवार देर रात खेत में पानी लगा रहा युवक लापता हो गया। खेत में युवक की चप्पल, घड़ी और मोबाइल मिला है। भाई ने कुछ युवकों के खिलाफ पुलिस को नामजद तहरीर दी है। पुलिस की तीन टीमें युवक की तलाश में जुटी हैं। पुलिस ने पूछताछ के लिए दो युवकों को हिरासत में लिया है। क्षेत्र के ग्राम भरौली सिरकनेपुर निवासी अरविंद पुत्र रामसेवक ने बताया कि बुधवार की दोपहर भाई अलकेश की गांव के ही कुछ लोगों से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। इसके बाद आरोपी उसके भाई के साथ गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। इसके बाद अलकेश खेत पर पानी लगाने चला गया। रात करीब नौ बजे वह खेत पर भाई के पास गया तो वह नहीं मिला। उसकी चप्पल, घड़ी व मोबाइल वहीं पर मिले।

एसटीएफ ने दो आरोपियों का पकड़ा, फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर करते थे वसूली, ऐसे करते थे ठगी

कन्नौज। फर्जी मामलों में निस्तारण के नाम पर उनसे फोन-पे, गूगल-पे, पेटीएम व बैंक खाते में पैसा मंगाते थे। वहीं, उनके खिलाफ 1090 पर शिकायत होती थी, तब वह लोग नंबर बदल कर यही काम करना शुरू कर देते थे। कानपुर में एसटीएफ ने पुलिस अधिकारी बनकर वसूली करने वाले दो आरोपियों को विश्वबैंक कॉलोनी, बर्रा के प्राथमिक विद्यालय से शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। बता दें कि, बीते दिनों एसटीएफ के कुछ अधिकारियों को युवकों द्वारा पुलिस अधिकारी बनकर आम जनता खासकर महिलाओं को अश्लील फोटो वायरल करने, अश्लीलें बातें, यौन उत्पीड़न समेत कई तरह से ब्लैकमेलिंग कर उगाही करने की जानकारी मिली थी।

आरोपियों का है एक गिरोह, ऐसे करते थे ठगी

इस पर टीम ने जांच पड़ताल के दौरान दोनों को दबोच लिया। एसटीएफ की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनका एक गिरोह है, जो फर्जी दस्तावेज के आधार पर सिम कार्ड लेकर अलग-अलग कंपनियों के नंबरों को सीरियल वाइस कॉल करके महिलाओं को अपने आप को पुलिस अधिकारी बताकर यूट्यूब से पुलिस का सायरन बजाकर कॉल करते। इधर, कॉल करने वाला व्यक्ति भी सायरन सुनकर पुलिस के ही होने का यकीन मान जाता था।

बैंक खातों, गूगल-पे आदि की जांच कर रही है पुलिस

उनके खिलाफ मुख्यमंत्री के हेल्पलाइन नंबर 1076 पर शिकायत प्राप्त होने की बात बताकर अश्लील बातें, वीडियो कॉल आदि आरोप बताकर उनको ब्लैकमेल करते थे। इसके बाद उसके निस्तारण के नाम पर उनसे फोन-पे, गूगल-पे, पेटीएम व बैंक खाते में पैसा मंगाते थे। वहीं, उनके खिलाफ 1090 पर शिकायत होती थी, तब वह लोग नंबर बदल कर यही काम करना शुरू कर देते थे। पुलिस आरोपियों के बैंक खातों, गूगल-पे आदि की जांच कर रही है।

यह आरोपी हुए गिरफ्तार, बरामद हुआ ये सामान

एसटीएफ ने अभिषेक सिंह उर्फ पुल्लर पुत्र महिपाल सिंह चौहान निवासी समाज नगर, मजरे दहेली थाना रेउना जनपद कानपुर नगर और पंकज सिंह पुत्र चंद्रपाल सिंह निवासी दुर्गापुरवा मजरे नारायनपुर थाना अकबरपुर, कानपुर देहात को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पांच मोबाइल, नौ सिम कार्ड, चार एटीएम कार्ड, दो आधार कार्ड, एक मोटर साइकिल, 5500 रुपये नकद और एक स्मॉर्ट वॉच बरामद की गई है।

बीमार पति की मौत का सदमा बर्दाश्त नहीं कर सकी कविता, साड़ी से फंदा लगाकर दी जान

जालौन। जालौन में बीमार पति की मौत के बाद पत्नी ने आत्महत्या कर ली। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला गणेशजी की यह घटना है। व्यापारी उमेशचंद्र चौरसिया (60) पुत्र रामबाबू चौरसिया लगभग दो माह से बीमार चल रहे थे। गुरूवार की रात उनकी मौत हो गई। उनकी पत्नी कविता चौरसिया (55) यह सदमा बर्दाश्त नहीं कर सकी। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला गणेशजी निवासी व्यापारी उमेशचंद्र चौरसिया (60) पुत्र रामबाबू चौरसिया लगभग दो माह से बीमार चल रहे थे। उनकी पत्नी कविता चौरसिया (55) प्राइवेट शिक्षिका हैं। गुरूवार की रात करीब 10 बजे खाना खा पीकर परिजन सो गए। रात में जब कविता पति को देखने के लिए उठीं तो रात में उनकी मौत हो चुकी थी।

पति की मौत का सदमा कविता बर्दाश्त नहीं कर पाईं। कुछ ही घंटे बाद भोर में उन्होंने आंगन के पास टिन शैड में बने बरामदे के हुक में साड़ी का फंदा बनाकर गले में डाल लिया और उस पर लटक गईं। फांसी लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सुबह करीब छह बजे जब बेटे अर्पित व सागर जागे तो माता पिता के शव को देखकर चीख पुकार मच गई। एक साथ दो मौतों की खबर नगर में फैल गई। मोहल्ले के लोगों ने इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी अनिल कुमार राणा मौके पर पहुंच गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुला लिया गया। जहां टीम ने साक्ष्य एकत्रित किए। बता दें, उमेशचंद्र सात भाइयों में तीसरे नंबर के थे। उधर, पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि पुनीत मित्तल, पूर्व पालिकाध्यक्ष गिरीश गुप्ता समेत नगर के व्यापारी उमेशचंद्र के घर पहुंचे और परिजनों को ढांढस बंधाया।

हत्या के दोषी पति को आजीवन कारावास

दहेज के लिए पत्नी को फंदे पर लटका दिया था

हाथरस। ससुर रामेश्वर पुत्र नौरंगीलाल, पति जयवीर पुत्र रामेश्वर, सास राजकुमारी पत्नी रामेश्वर, देवर नीरज पुत्र रामेश्वर आदि ससुरालीजन दहेज की मांग करते थे। दहेज की मांग पूरी न होने पर इन लोगों ने उनकी पुत्री शशि को एकराय होकर गले में फंदा लगाकर मार दिया। इस मामले में थाना सहपऊ में रामेश्वर, राजकुमारी, जयवीर एवं नीरज के विरुद्ध मुकदमा दर्ज हुआ। हाथरस की अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या एक महेंद्र श्रीवास्तव के न्यायालय ने पत्नी की हत्या के आरोपी पति को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने दोषी पर अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड न देने पर दोषी को अतिरिक्त कारावास भोगना होगा।अभियोजन पक्ष के अनुसार आगरा जिले के एत्मादपुर निवासी रामचरन पुत्र राम सिंह ने 16 मई 2018 को थाना सहपऊ में तहरीर दी थी। तहरीर में उन्होंने कहा था कि उनकी पुत्री शशि कुमारी की शादी 25 फरवरी 2013 जयवीर पुत्र रामेश्वर ग्राम दोहई जलेसर रोड थाना सहपऊ जिला हाथरस से हुई थी। पुत्री के ससुरालीजन दहेज की मांग के कारण उसे आए-दिन परेशान और प्रताड़ित करते थे। 16 मई 2018 को करीब सुबह चार बजे दोहई गांव से उनके बहनोई ने फोन कर बताया कि उनकी पुत्री शशि को ससुराल वालों ने फंदा लगाकर मार दिया है। ससुर रामेश्वर पुत्र नौरंगीलाल, पति जयवीर पुत्र रामेश्वर, सास राजकुमारी पत्नी रामेश्वर, देवर नीरज पुत्र रामेश्वर आदि ससुरालीजन दहेज की मांग करते थे। दहेज की मांग पूरी न होने पर इन लोगों ने उनकी पुत्री शशि को एकराय होकर गले में फंदा लगाकर मार दिया। इस मामले में थाना सहपऊ में रामेश्वर, राजकुमारी, जयवीर एवं नीरज के विरुद्ध मुकदमा दर्ज हुआ। विवेचनाधिकारी ने नीरज की नामजदगी झूठी पाई। विवेचक द्वारा विवेचना पूर्ण करने के उपरांत संकलित साक्ष्य के आधार पर अभियुक्त रामेश्वर, राजकुमारी एवं जयवीर के विरुद्ध न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल किया गया। मुकदमा विचारण के दौरान राजकुमारी की मृत्यु हो गई, इसलिए उसके विरुद्ध कार्रवाई उपशमित की गई। मामले की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या एक महेंद्र श्रीवास्तव के न्यायालय में हुई। न्यायालय ने दोनों पक्षों को सुनने के उपरांत अभियुक्त जयवीर को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने आरोपी रामेश्वर को दोष मुक्त कर दिया। अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी डीजीसी (क्रिमिनल) हरिओम शर्मा एवं एडीजीसी राजपाल सिंह दिशवार ने की।

बिजली संकट से त्रस्त ग्रामीणों ने सबस्टेशन घेरा

जालौन। बिजली संकट से त्रस्त छानी गांव के किसानों ने गुरुवार की शाम बिजलीघर उदोतपुरा पहुंचकर घेराव किया। सुचारु रूप से नियमित बिजली सप्लाई की मांग की। जानकारी मिलने पर एसडीएम पुलिस फोर्स के साथ पहुंचे और ग्रामीणों को समझा बुझाकर शांत किया। ग्रामीण क्षेत्र में बिजली की समस्या को लेकर किसान व ग्रामीण परेशान हैं। बिजली उपभोक्ता केंद्र पर पहुंचे छानी गांव के किसान और ग्रामीण भूपेंद्र तिवारी, मोनू पाराशर, महेंद्र, कादर खान, हरि पांडेय, सोनू पाराशर, अंजनी पांडेय ने बताया कि उनके यहां धनौरा फीडर से बिजली की सप्लाई की जा रही है। आरोप लगाया कि बिजली विभाग के कर्मचारी धनौरा फीडर पर पर्याप्त बिजली की आपूर्ति नहीं दे रहे हैं। जब कभी आधा, आधा घंटे के टुकड़ों में बिजली की आपूर्ति की जाती है। 24 घंटे में इस फीडर से पांच, छह घंटे भी बिजली नहीं मिल रही है। थोड़ी बहुत बिजली मिलती भी है तो वह पर्याप्त नहीं है। इससे न तो घरों के इनवर्टर चार्ज हो पाते हैं और न ही कोई उपकरण चल पाते हैं। इस समय खेतों में सिंचाई की भी आवश्यकता है। नहरों में पर्याप्त पानी न आने से किसान नलकूप से सिंचाई करने पर निर्भर हैं, लेकिन लाइट न आने से नलकूप भी नहीं चल पा रहे हैं। जिससे फसल सूख रही है। ग्रामीणों ने वहां मौजूद अवर अभियंता सुनीत सलोनिया से मांग करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में भी कम से कम इतनी तो बिजली की आपूर्ति की जाए कि लोगों के घरों इनवर्टर चार्ज हो सकें

थानाध्यक्ष पर अवमानना का वाद दर्ज, नोटिस जारी

जौनपुर। अपर प्रधान न्यायाधीश प्रथम ने लाइन बाजार थाना क्षेत्र के एक भरण पोषण के मुकदमे में विपक्षी पति सुनील कुमार निषाद के खिलाफ बकाया भरण पोषण के लिए जारी रिकवरी वारंट एवं गिरफ्तारी वारंट के आदेश बार-बार कोर्ट द्वारा भेजा जा रहा है। इसका थानाध्यक्ष संजय वर्मा की तरफ से अनुपालन नहीं कराने पर उनके खिलाफ विभिन्न धाराओं में अवमानना का दर्ज किया है। कोर्ट ने 25 अक्तूबर की तिथि के लिए नोटिस जारी किया। पुलिस अधीक्षक को नोटिस का तामिला करने के लिए आदेशित किया। कार्रवाई के लिए पुलिस महानिदेशक लखनऊ को भी आदेश की कॉपी भेज दी गई है। धारा 349 सीआरपीसी के तहत सात दिन कारावास का प्रावधान है।

परिवादिनी चंद्रकला व उसके नाबालिग पुत्र निवासी ट्यूबवेल कॉलोनी, लाइन बाजार ने पति सुनील निवासी गहोरा, लाइन बाजार के खिलाफ तीन मार्च 2018 को भरण पोषण का मुकदमा दाखिल किया था। कोर्ट ने 10 जनवरी 2022 को चार हजार रुपये पत्नी को एवं दो हजार रुपये बच्चे को अदा करने का आदेश पति सुनील को दिया। बावजूद कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश का उसने अनुपालन नहीं किया। इस पर कोर्ट ने सुनील के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट एवं बकाया भरण पोषण के लिए रिकवरी वारंट जारी किया। थानाध्यक्ष लाइन बाजार को आदेश का अनुपालन करने का आदेश कोर्ट ने कई बार दिया लेकिन उन्होंने अनुपालन नहीं किया। कोर्ट ने नोटिस जारी किया उस पर भी उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

न्यायालय ने सख्त रुख अपनाते हुए थानाध्यक्ष लाइन बाजार के खिलाफ कार्रवाई की।

मैक्स ने बाइक को मारी टक्कर, पति-पत्नी और बेटे की मौत, बेटी की हालत नाजुक

हाथरस। अलीगढ़ के किशनपुर होली चौक रामघाट रोड निवासी 25 वर्षीय गोपी चंद पुत्र बनी सिंह बुधवार की शाम को 33 वर्षीय पत्नी ममता, नौ वर्षीय बेटी संध्या और पांच वर्षीय बेटे राज के साथ बाइक से हाथरस से अलीगढ़ की ओर जा रहे थे। तभी आगरा-अलीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग के कोतवाली सासनी क्षेत्र के बरसै के निकट तेज रफ्तार मैक्स ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

हाथरस में आगरा-अलीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोतवाली सासनी क्षेत्र के गांव बरसै के निकट बृहस्पतिवार की शाम को तेज रफ्तार मैक्स वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दंपती और उनके पांच वर्षीय मासूम बेटे की मौत हो गई, नौ साल की बेटी गंभीर रूप से घायल है। उसे उपचार के लिए बागला जिला अस्पताल से गंभीर हालत होने पर रेफर कर दिया गया। पुलिस व प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने मैक्स वाहन को कब्जे में ले लिया है।

रोड एक्सीडेंट

अलीगढ़ के किशनपुर होली चौक रामघाट रोड निवासी 25 वर्षीय गोपी चंद पुत्र बनी सिंह बुधवार की शाम को 33 वर्षीय पत्नी ममता, नौ वर्षीय बेटी संध्या और पांच वर्षीय बेटे राज के साथ बाइक से हाथरस से अलीगढ़ की ओर जा रहे थे। तभी आगरा-अलीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग के कोतवाली सासनी क्षेत्र के बरसै के निकट तेज रफ्तार मैक्स ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। घटना इतनी भीषण थी कि मौके पर ही गोपी चंद व उनकी पत्नी ममता की मौके पर ही मौत हो गई।

एक्सीडेंट

घटना के बाद चालक गाड़ी को छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना के बाद आसपास के काफी लोग जमा हो गए। लोगों ने तुरंत इसकी सूचना कोतवाली सासनी पुलिस व एंबुलेंस को दी। सूचना पर कोतवाली सासनी पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। सीओ सिटी सुरेंद्र सिंह व अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए और हादसे की जानकारी ली।

रोड एक्सीडेंट

स्थानीय लोग घायल संध्या व राज को लेकर बागला जिला अस्पताल पहुंचे। यहां चिकित्सक ने पांच वर्षीय राज को मृत घोषित कर दिया, जबकि नौ वर्षीय संध्या की हालत काफी गंभीर थी और चिकित्सक उन्हें रेफर करने की तैयारी कर रहे थे। पुलिस ने दंपती और उनके बेटे के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने फोन से मृतक के परिजनों को को भी सूचित कर दिया था। समाचार लिखे जाने तक मृतक के परिजन यहां नहीं पहुंचे थे। कोतवाली सासनी प्रभारी केडी शर्मा का कहना है कि शवों को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

युवक के अपहरण में दोषी को नौ साल की कैद

उरई। बहन से शादी न कराने पर भाई के अपहरण के मामले में दोष सिद्ध होने पर विशेष न्यायाधीश मोहम्मद कमर ने दोषी को नौ साल की कैद और पांच हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना पड़ेगा। शासकीय अधिवक्ता ह्दयेश पांडे ने बताया कि जालौन कोतवाली के मोहल्ला कछौरन निवासी प्रमोद कुमार ने पुलिस को 20 अप्रैल 2015 को तहरीर दी थी। इसमें बताया कि 19 अप्रैल 2015 को औरैया जिले के दिबियापुर थाना क्षेत्र के भगुनापुर निवासी जसवंत उनकी बेटी से शादी करना चाहता था, लेकिन परिवार वाले शादी नहीं करना चाहते थे।

इसी रंजिश में जसवंत ने उनके बेटे भारत का घर से अपहरण लिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी जसवंत भारत को छुड़ा लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कोर्ट में 20 जुलाई 2017 को चार्जशीट दाखिल कर दी। इसकी गुरुवार को सुनवाई पूरी हुई।

परिषद की वेबसाइट पर 17 तक अपलोड कर दें सूचनाएं

जालौन। माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से आयोजित होने वाली हाईस्कूल और इंटर की बोर्ड परीक्षा की तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। विद्यालयों की आधारभूत सूचनाएं 17 अक्तूबर तक परिषद की वेबसाइट पर अपलोड करने की तैयारी चल रही है। यूपी बोर्ड परीक्षा के लिए केंद्र बनाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बोर्ड परीक्षा में जिले के कुल 641 विद्यालयों के छात्र शामिल होंगे। बोर्ड परीक्षा में करीब दो लाख छात्र हर साल शामिल होते हैं। परीक्षा केंद्र उन्हीं विद्यालयों को बनाया जाएगा, जो बोर्ड के मानक को पूरा करेंगे।

डीआईओएस को जारी पत्र में कहा गया है कि 17 अक्तूबर तक हर हाल में विद्यालयों की आधारभूत सूचनाएं वेबसाइट पर अपलोड करा दी जाएं, ताकि परीक्षा केंद्रों का निर्धारण किया जा सके। परीक्षा केंद्र बनने के लिए विद्यालय में सीसी टीवी कैमरा, छात्रों के लिए पेयजल की व्यवस्था, बैठने के लिए पर्याप्त संख्या में सीट, बिजली व जनरेटर की सुविधा, विद्यालय तक पहुंचने के लिए सड़क, विद्यालय में बाउंड्रीवाल, शौचालय, आदि की सुविधाएं होनी चाहिए। सचिव ने विद्यालयों की आधारभूत सुविधाओं की जानकारी मांगी है। विद्यालयों का जियो लोकेशन अपडेट होने के बाद ही परीक्षा केंद्रों का निर्धारण किया जाएगा।

डीआईओएस कार्यालय सभी सूचनाओं को भेजने की तैयारी कर रहा है। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने विद्यालयों में मौजूद आधारभूत सुविधाओं की जानकारी मांगी है। इसकी जांच एसडीएम स्तर से भी कराई गई, जो सूचनाएं उपलब्ध हुई हैं उसे परिषद के वेबसाइट पर 17 अक्तूबर तक अपडेट करा दिया जाएगा।-सूर्यभान, डीआईओएस जौनपुर।

संक्षिप्त समाचार

सर्वाधिक अंक पाने वाली प्रशिक्षु पुरस्कृत

पडरौना। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान परिसर में बृहस्पतिवार को कौशल दीक्षांत समारोह का आयोजन हुआ। इसमें एनसीवीटी परीक्षा में सर्वाधिक अंक पाने वाले प्रशिक्षुओं को पुरस्कृत किया गया। प्रधानाचार्य दीपक कुमार यादव ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में मिली सफलता एक दिन का परिणाम नहीं होता है। इसके लिए ईमानदारी के साथ नियमित प्रयास करना पड़ता है। इसके बाद राजकीय आईटीआई पडरौना के प्रियंका गुप्ता व राम मिश्रा, राजकीय आईटीआई हाटा की रिया व अभिषेक, राजकीय आईटीआई सेवरही के आफताब आलम व रोहित पटेल, राजकीय आईटीआई कसया के पंकदेव मद्धेशिया व कुलदीप सिंह, राजकीय आईटीआई कसया (महिला) की कात्यानी शुक्ला व किरन यादव और राजकीय आईटीआई नौरंगिया के मुकेश पासवान और पूजा यादव को प्रमाण-पत्र व प्रशस्ति-पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। इस दौरान एनपी प्रजापति, पारसनाथ प्रसाद, बृजेश कुमार, बीएम गुप्ता, नफीस अहमद आदि मौजूद रहे।

प्रतिबंधित भारतीय नोटों के साथ तीन पकड़े

नेपाल। कैलाली जिले के नेपाल एपीएफ एसएसपी विनोद राज श्रेष्ठ ने बताया कि मंगलवार की देर शाम को टीकापुर बाजार से एक भारतीय नंबर की कार की चेकिंग की गई, तो तीन भारतीयों के पास से नेपाल में प्रतिबंधित 500 नोट के तीन लाख 87 हजार भारतीय करेंसी व छह लाख 23 हजार की नेपाली मुद्रा बरामद हुई। तीनों कार सवार भारतीयों को पुलिस कार्यालय पर लाकर पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि वह पलिया के व्यापारी हैं, जिनका माल नेपाल में आता है और वह तगादा करने आए थे। वापस लौट रहे थे। दो लोगों के नाम मोहित व अश्वनी हैं, जबकि एक का नाम पता नहीं चल सका है। फिलहाल नेपाल में प्रतिबंधित भारतीय नोट मिलने के कारण सभी को राजस्व अनुसंधान विभाग के सुपुर्द कर दिया है।

12 दिन बाद हुई बोहनी

गोला गोकर्णनाथ। अलीगंज रोड स्थित कृषि उत्पादन मंडी समिति में धान क्रय केंद्र खुलने के 12 दिन बाद अन्नदाताओं का मुंह मीठा कराकर धान खरीद शुरू कराई गई है। कृषि उत्पादन मंडी समिति में खाद्य विभाग और पीसीयू के 9-9, पीसीएफ के 10, यूपीएसएस के चार और एफसीआई के एक केंद्र सहित 33 क्रय केंद्र खुले हैं। बृहस्पतिवार को खाद्य विपणन अधिकारी सुभाष चंद्र और केंद्र प्रभारी पीएन मौर्य ने वसीपुर निवासी किसान गुरुबाज सिंह, मालपुर निवासी किसान रामविलास का मुंह मीठा कराया। धान खरीद के मौके पर खाद्य विभाग के केंद्र नंबर एक पर 49.60 कुंटल और और खाद्य विभाग के ही केंद्र नंबर तीन पर 35 कुंटल धान खरीदा गया।

पराली जलाने के मामले में दो किसानों पर हुई कार्रवाई

लखीमपुर खीरी। पराली जलाने के मामलों की निगरानी के लिए जिला प्रशासन सख्त दिखाई दे रहा है। बृहस्पतिवार को दो अलग अलग तहसीलों में पराली जलाए जाने को लेकर किसानों पर जुर्माना लगाते हुए कार्रवाई की गई है। एसडीएम गोला रत्नाकर मिश्रा ने बताया कि बढैयाखेड़ा के मजरा सिकंदाबाद में किसान रवींद्र कुमार ने पराली जला दी। मितौली तहसील के ग्राम मुरईताजपुर में विनोद कुमार बोई गन्ने की फसल की पराली जला दी। दोनों किसानों पर कार्रवाई करते हुए उनसे 2500-2500 रुपये का जुर्माना वसूला गया। पराली जलाए जाने को लेकर किए जा रहे जुर्माने से क्षेत्र के किसानों में भय व्याप्त है।

स्क्रब ड्रेस में अस्पताल पहुंची डॉक्टर, सर्जन बोले- यह क्या है

लखीमपुर खीरी। जिला अस्पताल में बृहस्पतिवार को एक सर्जन के महिला डॉक्टर की ड्रेस पर कमेंट करने पर हंगामा खड़ा हो गया। महिला चिकित्सक ने सीएमएस सहित मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य से शिकायत की है। उधर, सीएमएस से मिलकर नाराजगी जताने पहुंचे महिला के एक जानने वाले ने शुक्रवार को सर्जन को देख लेने की धमकी दी है। ड्रेस पर सवाल उठने से भले ही महिला डॉक्टर नाराज हों, मगर प्रधानाचार्य महिलाओं का ड्रेस कोड भारतीय परिधान बता रहे हैं। सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों के लिए ड्रेस कोड लागू है, जिसे पहनकर आना अनिवार्य है। इन निर्देशों का पालन न तो पालन पुरुष डॉक्टर करते हैं और न ही महिला चिकित्सक। बृहस्पतिवार को सीएमएस कक्ष में महिला चिकित्सक स्क्रब ड्रेस (ऑपरेशन कक्ष की ड्रेस) में उपस्थिति लगाने पहुंचीं। इस पर वहां मौजूद एक सर्जन ने महिला डॉक्टर को ड्रेस कोड का पाठ पढ़ाया, जो महिला चिकित्सक को नागवार लगा। बताते हैं कि सर्जन ने कहा कि यह मेडिकल कॉलेज नहीं, बल्कि जिला अस्पताल है। स्क्रब ड्रेस यहां के लिए उचित नहीं है। यदि इसी ड्रेस में आना था तो एप्रिन पहन लेना चाहिए था। इस पर महिला चिकित्सक ने नाराजगी जताते हुए पति और परिजनों को मामले से अवगत कराया। दोपहर में पहुंचे एक परिजन ने सीएमएस से नाराजगी जताई और शुक्रवार को सर्जन को देख लेने की धमकी देकर चले गए। महिला चिकित्सक की ड्रेस और इस पर की गई टिप्पणी जिला अस्पताल मोतीपुर से लेकर शहर तक चर्चा का विषय बना रहा।

शारदीय नवरात्र में शुभ संयोग, हाथी पर सवार होकर आएंगी माता रानी

कन्नौज। शारदीय नवरात्र में बुधादित्य योग, शश योग और भद्रयोग बन रहे हैं। माता रानी इस बार हाथी पर सवार होकर आएंगी। नवरात्र में तीन शुभ संयोग बनने से भक्तों को सुख और सौभाग्य की प्राप्ति होगी। वहीं माता का गमन मुर्गे पर होगा, जो रोग की वृद्धि का सूचक है। चित्रा नक्षत्र में घट स्थापना करने से जीवन की बाधाएं दूर होंगी। कलश स्थापना के साथ श्रद्धालु नौ दिनों तक व्रत और पूजा-अर्चना से माता रानी को प्रसन्न करेंगे। नैपालपुर निवासी पंडित अवधेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि 15 अक्तूबर को अश्विन मास प्रतिपदा तिथि का मान संपूर्ण दिन और रात 11:52 बजे तक है। चित्रा नक्षत्र 6:43 बजे तक, वैधृति योग भी दिन में 11:55 बजे तक है। कलश स्थापना के लिए अभिजित मुहूर्त सर्वोत्तम रहेगा। इस दिन अभिजित मुहूर्त सुबह 11:38 से 12:23 बजे तक है। इसके अलावा सुबह 6:16 से शाम 5:44 बजे के बीच कभी भी किया जा सकता है। शुभ योग में माता की उपासना करने से उत्तम फल की प्राप्ति होगी। बुधादित्य योग बनने से जातक का मान-सम्मान, यश, कीर्ति प्रतिष्ठा और व्यापार में बढ़ोतरी होगी।

30 साल बाद अपनी राशि कुंभ में विराजमान रहेंगे शनिदेव

कन्नौज। पंडित अवधेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि घर के ईशान कोण में देवताओं का वास होता है। नवरात्र में शुभ मुहूर्त में ईशान कोण में घट की स्थापना कर देशी घी का अखंड दीपक और अग्नि कोण में भैरव जी का तेल का दीपक जलाना चाहिए। इस बार नवरात्र में 30 साल बाद शनिदेव अपनी राशि कुंभ में विराजमान रहेंगे। नवरात्र में माता की उपासना करने से शनि की साढ़े साती और ढैया के दुष्प्रभाव से मुक्ति मिलेगी। इस बार माता रानी हाथी पर सवार होकर आ रही हैं, जिससे इस वर्ष वर्षा का योग अधिक रहेगा और देश में अन्न के भंडार बढ़ने के संकेत है। माता का विधि-विधान से पूजन करने से सुख और सौभाग्य की प्राप्ति होगी। 22 अक्तूबर को दुर्गाष्टमी और 24 अक्तूबर को विजय दशमी का त्योहार मनाया जाएगा।

घर में घुसकर नकदी-जेवरात किए पार, धक्का देकर भागा चोर

कन्नौज। ताला बंद घर में घुसकर चोर ने नकदी व जेवरात पार कर दिए। खटपट की आवाज सुनकर पहुंचे पड़ोसी ने चोर को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह धक्का देकर भाग गया। सूचना पर पहुंचे गृहस्वामी ने पुलिस को तहरीर दी है। ग्राम बिहारीपुर निवासी उमाशंकर बाथम पुत्र नत्थूलाल अपनी पत्नी गीता के साथ कानपुर में रहकर मेहनत मजदूरी करता है। गांव में उसका पुत्र रूप कुमार रहता है। बुधवार को वह भी अपने ससुराल गया था। घर में ताला पड़ा था। रात के समय गांव का ही एक युवक घर में घुस गया और अलमारी व बक्से के ताला तोड़कर झुमकी, दो अंगूठी, पायल, कमर पेटी समेत कीमती सामान चोरी कर लिया। खटपट की आवाज सुनकर पहुंचे पड़ोसी राजेश सक्सेना ने चोरी कर घर से निकलते समय युवक को दबोच लिया, लेकिन वह उन्हें धक्का देकर अंधेरे का फायदा उठाते हुए मौके से भाग निकला। चोरी की सूचना पर पहुंचे गृह स्वामी ने चोरी की सूचना हसेरन चौकी पुलिस को दी। चौकी इंचार्ज विनीत वर्मा ने बताया कि घटना की जांच कराई जा रही है, कार्रवाई की जाएगी।

तेज धूप में लगाएं चश्मा, साफ पानी से धोएं आंख

कन्नौज। विश्व दृष्टि दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। नेत्र परीक्षण कराने के लिए मरीजों की भीड़ उमड़ी। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजन शर्मा ने शिविर का फीता काटकर शुभारंभ किया। वरिष्ठ नेत्र चिकित्साधिकारी डॉ. अनिल पाठक ने टीम के साथ मरीजों के नेत्रों का परीक्षण किया और उन्हें मोतियाबिंदु, नाखूना, आदि रोगों से संबंधित दवाइयां वितरित कीं। डॉक्टर ने कहा कि खाने में हरी पत्तेदार सब्जी व सलाद का प्रयोग करना चाहिए और बाजार व अन्य जगह से घर लौटने पर आंखों को साफ पानी से धुलना चाहिए। घर से बाहर जाते समय तेज धूप में लोग चश्मा का प्रयोग करें।

बरतें सावधानी...

मोबाइल की लत नजर कर रही कमजोर

लखीमपुर खीरी। जिले की लगभग 80 फीसदी आबादी मोबाइल के भरोसे हैं। स्मार्ट फोन की लत ऐसी लगी है कि 24 घंटे लोग फोन से चिपके रहते हैं। 24 घंटे में लोगों का 16 से 18 घंटे स्क्रीन टाइम मिल रहा है। मोबाइल के बेजा इस्तेमाल से जहां तमाम मानसिक तनाव पैदा हुए हैं, वहीं सबसे ज्यादा असर आंखों पर पड़ा है। जिला अस्पताल की नेत्र विभाग की ओपीडी में रोजाना सौ से अधिक मरीज पहुंच रहे हैं, जिनमें युवाओं की संख्या सबसे ज्यादा है। मोबाइल एवं कंप्यूटर का अत्यधिक प्रयोग करने से कम उम्र में बच्चों को चश्मा लगने के साथ कई अन्य बीमारियां हो जा रही हैं। नेत्र सर्जन डॉ. पूनम वर्मा ने बताया कि आंखों की सुरक्षा के लिए ही साल अक्तूबर माह के दूसरे बृहस्पतिवार को विश्व दृष्टि दिवस मनाया जाता है। ताकि लोगों को आंखों की बीमारियों के प्रति जागरूक किया जा सके। मौजूदा समय में बच्चे मोबाइल और कंप्यूटर से चिपके रहते हैं। इससे आंखों को नुकसान पहुंचता है। ऐसे में कम उम्र में ही बच्चों को चश्मा लग जा रहा है। इसलिए इनके इस्तेमाल में सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। बदलती जीवनशैली और आहार में गड़बड़ी से भी आंखों में समस्याएं बढ़ी हैं। शुगर से लेकर हाई ब्लड प्रेशर आंखों का दुश्मन है। इसलिए इन बीमारियों से बचाव करें।

आंखों की सुरक्षा के लिए अपनाएं ट्रिपल 20 का फार्मूला

नेत्र सर्जन डॉ. पूनम वर्मा ने बताया कि आंखों को सुरक्षित रखने के लिए अमेरिकन ऑप्टोमेट्रिक एसोसिएशन ने 20/20/20 फार्मूला ईजाद किया। जिसका पालन हर 20 मिनट पर कम से कम 20 फिट की दूरी पर किसी वस्तु को 20 सेकंड तक ध्यान से देखकर किया जा सकता है। वहीं मोबाइल व कंप्यूटर पर काम करते समय पलकों को झपकाते रहें।

नेत्र सर्जन बताती हैं कि अक्सर लोग बाजार से आई ड्रॉप खरीदकर डालने लगते हैं। यह सही नहीं है। दवा सदैव डॉक्टर की सलाह से ही डालें। ज्यादा दिन तक ड्रॉप डालने से आंखों में संक्रमण भी हो सकता है।

बेदखली के 52 मामले हुए निस्तारित

तमकुहीराज। तमकुहीराज तहसीलदार ने राजस्व टीम के साथ बृहस्पतिवार को शाहपुर खलवापट्टी, बतरौली धुरखड़वा और जंगल लाला छपर का राजस्व टीम के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने धारा 67 (बेदखली) के लंबित 52 मामले मौके पर निस्तारण कर दिया। तहसीलदार चंदन शर्मा की अगुवाई में राजस्व टीम सार्वजनिक भूमि पर हुए कब्जा के खिलाफ अभियान चलाई जा रही है। तहसीलदार ने बताया तहसील क्षेत्र के शाहपुर खलवा पट्टी में धारा 67 (बेदखली) के 13 मामले लंबित थे। बतरौली धुरखड़वा में 12 और जंगल लाला छपर में 27 मामले विचाराधीन थे। इन सभी मामलों का मौके पर जाकर निस्तारण कर दिया गया। उन्होंने बताया सार्वजनिक और निजी भूमि पर हुए कब्जे को हटवाने की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

भाजपा नेता समेत चार फरार आरोपियों पर इनाम की रकम एक लाख, अब तक खाली हैं पुलिस के हाथ

कानपुर। किसान की मौत को एक माह का वक्त बीत चुका है। भाजपा नेता डॉ. प्रियरंजन समेत चारों आरोपी लगातार पुलिस को चकमा देते आ रहे हैं। पुलिस देश के कई जिलों से लेकर नेपाल तक की खाक छान चुकी है, लेकिन अब तक हाथ खाली हैं। कानपुर में किसान बाबू सिंह यादव की खुदकुशी के मामले में पुलिस ने फरार आरोपियों पर इनाम की राशि बढ़ा दी है। मुख्य साजिशकर्ता भाजपा नेता डॉ. प्रियरंजन आशु समेत अन्य फरार आरोपियों पर इनाम की धनराशि को बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दिया गया है। बता दें कि चकेरी निवासी किसान बाबू सिंह यादव ने करोड़ों की जमीन हड़पे जाने से आहत होकर नौ सितंबर को ट्रेन से कटकर जान दे दी थी। किसान की पत्नी बिटान ने भाजपा नेता डॉ. प्रियरंजन, भाजपा नेता शिवम पांडेय, किसान के भतीजे जितेंद्र यादव, बबलू, राहुल जैन व मधुर पांडेय के खिलाफ चकेरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोपी राहुल व मधुर को पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। भाजपा नेता और उसके तीन साथी फरार हैं। पुलिस फरार आरोपी शिवम सिंह और बबलू के घर में कुर्की का नोटिस चस्पा करने के साथ ही उनके घरों में मुनादी करा चुकी है।

राशि बढ़ाने के लिए भेजा था प्रस्ताव

किसान की मौत को एक माह का वक्त बीत चुका है। भाजपा नेता डॉ. प्रियरंजन समेत चारों आरोपी लगातार पुलिस को चकमा देते आ रहे हैं। पुलिस देश के कई जिलों से लेकर नेपाल तक की खाक छान चुकी है, लेकिन अब तक हाथ खाली हैं। ऐसे में इनाम की राशि बढ़ाकर एक लाख रुपये करने का प्रस्ताव जेसीपी कानून व्यवस्था आनंद प्रकाश तिवारी ने सीपी आरके स्वर्णकार को भेजा था।

लक्ष्य ढाई लाख, अब तक खरीद हुई 400 मीट्रिक टन

लखीमपुर खीरी। जिले में धान कटान का कार्य तेजी के साथ किया जा रहा है। 13 दिनों के बाद अब किसान मंडी समितियों के क्रय केंद्रों पर धान लेकर पहुंचने लगा है। शहर के राजापुर मंडी में बनाए गए 38 क्रय केंद्रों में आधे पर धान खरीद शुरू हो गई है। इस बार शासन की तरफ से ढाई लाख मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य रखा गया है। इसके सापेक्ष अभी तक महज 400 मीट्रिक टन धान खरीद ही हो सकी है। धान में नमी होने के चलते क्रय केंद्र सूने पड़े थे, हालांकि बीते सोमवार से धान केंद्रों पर चहल पहल देखी गई। मौजूदा समय में जो धान क्रय केंद्रों पर पहुंच रहा है उसमें 17 से लेकर 18 प्रतिशत तक नमी पाई जा रही है। मंडी समिति में पांच एजेंसियों के करीब 38 क्रय केंद्र खोले गए हैं, जिनमें आधे पर खरीद शुरू हो चुकी है। बता दें कि बनाए गए क्रय केंद्रों पर किसानों के लिए इलेक्ट्रानिक कांटा, डस्टर, नमी मापक यंत्र, किसानों के बैठने के लिए कुर्सी और पेयजल की इंतजाम उपलब्ध हैं। इस बार जिले में 169 केंद्र बनाए गए हैं। शासन की तरफ से सामान्य धान 2183 रुपये व ग्रेड ए वाला धान 2203 रुपया प्रति क्विंटल तय किया गया है, लेकिन आढ़तों पर सौ से लेकर ढाई सौ रुपये कम कीमत में खरीदा जा रहा है।

पुलिस की कार्रवाई से नाराज व्यापारियों ने बंद रखीं दुकानें, पुलिस फोर्स तैनात

कुशीनगर। बिहार के कटेया थाने में तमकुहीराज के लक्ष्मीपुर बुजुर्ग के पंकज की पिटाई से मौत के मामले में पुलिस व स्थानीय लोगों की रार और बढ़ गई। हवालात में पिटाई से मौत के मामले में पुलिस पर कार्रवाई की मांग के लिए थाने पर प्रदर्शन करने वाले 22 नामजद व 400 अज्ञात पर केस दर्ज किया गया। इसे लेकर कटेया बाजार के व्यापारियों ने बृहस्पतिवार को दुकानें बंद रखी। वहीं पुलिस की कार्रवाई पर सवाल खड़े किए। इस दौरान बाजार में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। उधर, पुलिस आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है।

कटेया थाने के हवालात में तमकुहीराज के लक्ष्मीपुर बुजुर्ग निवासी पंकज कुशवाहा की मौत हो गई थी। ससुराल कटेया बाजार जाते समय कटेया पुलिस ने उसे तथा उसके मित्र राजन को शराब तस्करी के आरोप में पकड़ा था। आरोप है कि दोनों की पुलिस ने हवालात में पिटाई की गई। उसके बाद इलाज भी नहीं कराया, जिससे पंकज की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद उग्र कटेया बाजार और मृतक के गांव से आए लोगों ने पुलिस का जमकर विरोध किया था। पत्थरबाजी और तोड़फोड़ का भी आरोप था। उसके दो दिन बाद मंगलवार को पुलिस ने उग्र भीड़ पर थाने में रखे कागजात फाड़ने, थाना फूंकने की धमकी, तोड़फोड़, लोक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने सहित कई गंभीर धाराओं में 22 नामजद और 400 अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया। उसी दिन से गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार उन लोगों के घरों पर दबिश दे रही है। इधर पुलिस की कार्रवाई के विरोध में व्यापारी फिर उग्र हो गए। बृहस्पतिवार को कटेया बाजार पूरी तरह बंद रखा। बाजार बंद में शामिल व्यापारियों का आरोप है कि थाने पर हुए बवाल के मामले में पुलिस निर्दोष लोगों पर कार्रवाई कर रही है। इस संबंध में बिहार के गोपालगंज जिले के एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि पुलिस किसी निर्दोष को नहीं फंसाएगी। व्यापारी अपनी दुकानें खोलें। उपद्रवियों को चिह्नित करने में पुलिस का सहयोग करें।

बोले व्यापारी

- कटेया पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद रखने का निर्णय लिया है। बंदी कितने दिनों तक रहेगी, यह अभी नहीं बता सकते।

मांग है कि शासन यहां के बड़ा बाबू (कटेया थानेदार) को पहले हटाए। उनकी कार्यप्रणाली से व्यवसायियों में भय का माहौल है।

धोखेबाज दुल्हन: कोर्ट से छिपाई बच्चों की बात, शादी की तारीख भी गलत बताई, पहले पति और फर्जी भाई समेत अन्य फरार

कानपुर। विवेचक थाना प्रभारी कौशलेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि सविता उर्फ शिवांगी के खिलाफ कई सबूत और साक्ष्य मिले हैं। उसने पहले पति से तलाक के मुकदमे बच्चे होने की बात छिपाई थी। शादी की तिथि भी गलत बताई गई। शिवांगी के पहले से नसबंदी कराने की बात भी सामने आई है। कानपुर में इनकम टैक्स अफसर बनकर फजलगंज थाने में तैनात सिपाही जितेंद्र गौतम से शादी करके 10 लाख रुपये का चूना लगाने वाली धोखेबाज दुल्हन शिवांगी सिसोदिया उर्फ सविता देवी का एक और झूठ पुलिस ने पकड़ा लिया। शिवांगी ने पहले पति से तलाक के अदालत में दाखिल मुकदमे में दो बच्चे होने की बात छिपाई थी।

साथ ही 2007 के स्थान पर 2015 में शादी होना बताया। पुलिस ने अदालत से शिवांगी के तलाक के मुकदमे से जुड़े दस्तावेज हासिल किए हैं। पुलिस ने झांसी पर शिवांगी के पहले पति, कन्यादान करने वाले फर्जी भाई, भाभी व किराये पर आए जनातियों के घरों में दबिश दी, लेकिन सभी के घरों में ताले लटके मिले।

शिवांगी को फ्लैट में उसके प्रेमी के साथ रंगे हाथ पकड़ा

झांसी के खुशीपुरा कचहरी के पास रहने वाली शिवांगी सिसौदिया उर्फ सविता देवी उर्फ पिंकी गौतम उर्फ सविता शास्त्री ने सिपाही जितेंद्र से फेसबुक पर दोस्ती की। फर्जी इनकम टैक्स इंस्पेक्टर बनकर 2021 में झांसी में शादी की थी। नजीराबाद में जितेंद्र के साथ रहने के दौरान सिपाही ने शिवांगी को फ्लैट में उसके प्रेमी के साथ रंगे हाथ पकड़ा।

गैंग का पर्दाफाश करने के लिए पुलिस झांसी पहुंची

तब उसकी असलियत सामने आई और जितेंद्र ने उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। शिवांगी के पूरे गैंग का पर्दाफाश करने, उसके खिलाफ मजबूत साक्ष्य जुटाने के लिए नजीराबाद पुलिस झांसी गई थी। मऊरानीपुर में मंडी के पास रहने वाला पहला पति बृजेंद्र फरार है।

सिपाही के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए अदालत में अर्जी दी थी

उसकी दुकान और घर पर ताला लटका मिला। पुलिस ने दादी-बाबा के घर में रह रहे उसके दो बच्चों, शिवांगी के गुरसहाय थाना क्षेत्र के नुरारी गांव स्थित मायके पहुंचकर असली पिता, भाई और भाभी समेत कई लोगों से पूछताछ की है। शिवांगी ने पहले पति को जीजा बताते हुए सिपाही के खिलाफ रिपोर्ट कराने के लिए अदालत में अर्जी दी थी।

मदन ने खुद को फैक्टरी मालिक बताया था

पुलिस की जांच में साफ हो गया है कि बृजेंद्र उसका पति है जीजा नहीं। पुलिस ने झांसी में ही रहने वाले शिवांगी के फर्जी भाई मदन वर्मा, भाभी, प्रेमी सोनू और शादी में किराये पर जनातियों की तलाश में उनके घरों में दबिश दी। सभी के घरों में ताले लटके मिले। मदन ने खुद को नोएडा निवासी फैक्टरी मालिक बताया था।

तलाक के मुकदमे बच्चे होने की बात छिपाई थी

विवेचक थाना प्रभारी कौशलेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि सविता उर्फ शिवांगी के खिलाफ कई सबूत और साक्ष्य मिले हैं। उसने पहले पति से तलाक के मुकदमे बच्चे होने की बात छिपाई थी। शादी की तिथि भी गलत बताई गई। शिवांगी के पहले से नसबंदी कराने की बात भी सामने आई है। इसका पता करने के लिए उसका मेडिकल कराया जाएगा।

जेल से कैदी को लखनऊ ले जा रही एंबुलेंस कंबाइन से टकराई, सिपाही समेत दो घायल

लखीमपुर खीरी। पीलीभीत जेल से बीमार कैदी को लेकर एंबुलेंस लखनऊ जा रही थी। गोला खुटार हाईवे पर लालापुर गांव के पास एंबुलेंस की टक्कर कंबाइन से हो गई। हादसे में सिपाही समेत दो लोग घायल हो गए। पीलीभीत जेल से बीमार कैदी को इलाज के लिए लखनऊ ले जा रही एंबुलेंस बृहस्पतिवार रात कंबाइन से टकरा गई। हादसे में एक सिपाही और एंबुलेंस सहायक घायल हो गया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसा लखीमपुर खीरी में गोला-खुटार हाईवे हुआ। पीलीभीत जेल में बंद एक कैदी धर्मेंद्र पुत्र राम बरन के बीमार हो जाने पर उसे एंबुलेंस से इलाज के लिए लखनऊ मेडिकल कॉलेज ले जाया जा रहा था। इसी दौरान गोला खुटार हाईवे पर लालापुर गांव के पास यह एंबुलेंस कंबाइन से टकरा गई। हादसे में पीलीभीत का कांस्टेबल डिंकू और एंबुलेंस सहायक पवन कुमार पुत्र धर्मेंद्र घायल हो गए। संसारपुर पुलिस चौकी प्रभारी प्रभात गुप्ता ने बताया कि हादसे में घायल कांस्टेबल डिंकू और एम्बुलेंस सहायक पवन कुमार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला भेज दिया गया। को

युवती ने एसपी दफ्तर के परिसर में फंदा लगाने का किया प्रयास

कन्नौज। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए चलाए जा रहे शक्ति दीदी अभियान के बीच उत्पीड़न के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसा ही एक मामले में एसपी दफ्तर पहुंची युवती ने इंसाफ न मिलने की बात कहते हुए परिसर में ही पेड़ पर दुपट्टा डालकर फंदा लगाने का प्रयास किया। पूरा वाक्या 10 अक्तूबर का बताया जा रहा है। एएसपी व अन्य पुलिस कर्मियों ने समझाकर युवती को शांत किया। इस पूरे प्रकरण का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सदर कोतवाली क्षेत्र के जलालपुर चौकी क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली युवती ने रतनेश चतुर्वेदी, उसके पुत्र राज, शांतनु व मीरा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप लगाया था कि दो अक्तूबर को वह कानपुर से दवा लेकर लौटी, तभी पुरानी बातों को लेकर आरोपियों ने जाति सूचक गालियां देते हुए उसके साथ मारपीट की थी। बचाने आए माता-पिता के साथ भी मारपीट की गई। उसने मारपीट और छेड़छाड़ का आरोप लगाकर शिकायत की थी लेकिन पुलिस ने सिर्फ मारपीट की धारा में रिपोर्ट दर्ज की। उसने पुलिस पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए 10 अक्तूबर को एसपी दफ्तर पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई। न्याय मिलता न देख पीड़िता ने कार्यालय से बाहर निकलकर परिसर में खड़े पेड़ पर दुपट्टा डालकर फंदा लगाने की कोशिश की। युवती को पेड़ पर दुपट्टा डालता देख सनसनी फैल गई। एएसपी डॉ. अरविंद कुमार ने महिला सिपाहियों की मदद से युवती को रोका और समझा कर शांत कराया। न्याय का भरोसा मिलने के बाद युवती घर लौट गई।

युवती का आरोप- पुलिस ने जबरदस्ती लिखवाई दूसरी तहरीर

पीड़ित युवती ने सदर कोतवाली पुलिस पर आरोप लगाते हुए बताया कि उसने पुलिस को तहरीर दी थी, उसमें लिखा था कि पड़ोसियों ने घर में सामने मारपीट की थी। बचने के लिए वह घर में घुस गई। सभी लोगों ने घर में घुसकर मारपीट की और उसके साथ छेड़छाड़ कर कपड़े फाड़ दिए। बचाने आई मां के साथ भी छेड़छाड़ की। आरोप लगाया है कि पुलिस ने जबरदस्ती तहरीर बदलवाकर छेड़छाड़ की बात हटवा दी। नौ अक्तूबर को युवती की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया था। 10 अक्तूबर को युवती कार्यालय आई थी। कार्यालय से बाहर जाकर युवती ने यह सब किया।

जंगल किनारे घास काटने गए युवक को बाघ ने मार डाला

लखीमपुर खीरी। जंगल किनारे घास काटने गए युवक को बाघ ने मार डाला। युवक का अधखाया शव दूसरे दिन बृहस्पतिवार की सुबह घटनास्थल से दो किलोमीटर दूर जंगल में बरामद हुआ। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दुधवा टाइगर रिजर्व बफर जोन की भीरा रेंज जंगल के किनारे बसे पल्हनापुर गांव निवासी जोखे का 30 वर्षीय पुत्र गुड्डू बुधवार दोपहर बाद करीब तीन बजे जंगल किनारे खेत में घास काटने गया था। पहले से छिप कर बैठे बाघ ने हमला कर दिया। बाघ युवक को करीब दो किलोमीटर दूर खींचकर जंगल में ले गया और खा लिया। गुड्डू की पत्नी तारावती ने बताया कि शाम तक जब पति घर वापस नहीं आए तो गांव वालों के साथ उसकी तलाश शुरू की। पूरी रात ढूंढने के बाद भी गुड्डू का कहीं पता नहीं चला। बृहस्पतिवार सुबह जब कुछ लोग लकड़ी बीनने जंगल गए, तो उन्होंने गुड्डू का अधखाया शव देखा। गुड्डू की पत्नी गांव के अन्य लोगों के साथ जंगल गई तो शव देख गिर गई। सूचना पाकर डिप्टी रेंजर भीरा अनुज रंजन. वनरक्षक मोहित कुमार और वाचरों के साथ मौके पर पहुंचे और भीरा पुलिस को सूचित किया। भीरा पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। भीरा रेंजर राजकुमार शर्मा ने बताया कि पल्हनापुर गांव जंगल के बिल्कुल किनारे पर बसा हुआ है। यहां बाघों और अन्य वन्यजीवों का मूवमेंट बना रहता है। उन्होंने कहा कि बाघ शिकार को मार कर कभी दो किलोमीटर दूर नहीं ले जाता। ऐसा लगता है कि मृतक जंगल के अंदर लकड़ी बीनने या घास काटने गया होगा और बाघ के क्षेत्र में पहुंच गया होगा। इससे वह बाघ का शिकार बन गया। उन्होंने लोगों को सतर्कता बरतने और जंगल के अंदर न जाने की हिदायत दी।

गृहकर कम करने समेत कई मुद्दों पर बनी सहमति

लखीमपुर खीरी। नगर पालिका सभागार में पालिकाध्यक्ष केबी गुप्ता की अध्यक्षता में बोर्ड की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें शहर के विकास कार्यों, पालिका की आगामी योजनाओं के प्रस्तुत प्रस्तावों पर विचार विमर्श करते हुए मंजूरी दी गई। बैठक में गृहकर 25 प्रतिशत कम करने, अंत्येष्टि स्थल का निर्माण कराने, विभिन्न वार्डों में सड़कें व नाले-नालियां बनवाने जाने पर बोर्ड की सहमति बनी। महिला आरक्षण बिल लागू करने पर बोर्ड बैठक में शामिल सदस्यों ने प्रधानमंत्री के लिए बधाई प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। इसके अलावा पालिकाध्यक्ष केबी गुप्ता ने सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी आपसी सामंजस्य बैठाते हुए कार्य करें। बैठक में अधिशासी अधिकारी महेंद्र कुमार चौधरी, लेखाकार मेलाराम, लिपिक बिजेन्द्र कुमार, कंप्यूटर ऑपरेटर अंकुर सिंह के साथ ही भारी संख्या में पालिका सदस्य मौजूद रहे।

फर्जी अस्पतालों और क्लीनिक पर प्रशासन की नजरें टेढ़ी

कन्नौज। संक्रामक बीमारियों के बढ़ते दायरे के बीच गांव-गांव फैले झोलाछाप और बिना लाइसेंस के संचालित अस्पताल और क्लीनिक पर प्रशासन की निगाहें टेढ़ी हुई हैं। स्वास्थ्य समिति की बैठक के दौरान डीएम ने इन सभी पर कार्रवाई करने के लिए कहा है। कलक्ट्रेट के गांधी सभागार में स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक के दौरान डीएम शुभ्रांत शुक्ला ने कहा कि फर्जी अस्पताल और क्लीनिक हर हाल में बंद कराया जाएं। इसमें किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। स्वास्थ्य के साथ किसी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कहा कि प्राइवेट हॉस्पिटलों का सत्यापन करवाएं।

आरबीएसके के स्क्रीनिंग के दौरान बच्चों की विभिन्न प्रकार की बीमारियों का मोबाइल हेल्थ टीमों की ओर से परीक्षण किया जाता है। इसमें बेसिक शिक्षा, स्वास्थ्य, आंगनवाड़ी, आपस में समन्वय स्थापित कर छह माह से 19 साल तक के बच्चों के परीक्षण में तेजी लाने को कहा। साथ ही वैक्सीनेशन की धीमी गति पाए जाने पर बढ़ाने को कहा। बैठक में सीएमओ डॉ. विनोद कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी, परियोजना निदेशक सहित संबंधित कई अधिकारी मौजूद रहे।

ई-कवच में खराब मिला उमर्दा, गुगरापुर, जलालाबाद का प्रदर्शन

डीएम ने ई-कवच पर फीडिंग में उमर्दा, गुगरापुर, जलालाबाद, तालग्राम, सौरिख का प्रदर्शन खराब पाया है। उन्होंने इसमें सुधार करने कहा है। एएनसी चेकअप में सुधार लाने और रजिस्ट्रेशन की संख्या बढ़ाने के लिए कहा। नसबंदी कैंप लगाने और हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर के सीएचओ को मिनी फैमिली प्लानिंग कार्यक्रम से जोड़ने के लिए कहा। डीएम ने बताया कि 162 हेल्थ वेलनेस सेंटर के सापेक्ष 31 हेल्थ सेंटर क्रियाशील नहीं हैं, इन्हें क्रियाशील किया जाए।

आभा कार्ड जरूरी, आधार कार्ड की तरह करता है काम

डीएम ने कहा कि आभा कार्ड बहुत ही उपयोगी है, सभी लोगों का बना होना आवश्यक है। आभा कार्ड के जरिए स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एक क्लिक पर मिल जाएंगी। हर उम्र के लोगों की स्वास्थ्य संबंधी डाटाबेस ऑनलाइन स्टडी करने के लिए आभा एक डिजिटल कार्ड के रूप में काम करेगा। यह आधार कार्ड की तरह है जो लोगों के स्वास्थ्य संबंधी आंकड़ों को ऑनलाइन सुरक्षित रखता है।

उन्होंने कहा कि जननी सुरक्षा का लाभ सभी लाभार्थियों को मिलना चाहिए। लाभार्थी जननी सुरक्षा के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, एनीमिया मुक्त भारत अभियान के कार्य में फोकस करने को कहा। कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। रोगियों के खातो में समय से धनराशि मिल जानी चाहिए। अभियान चलाकर रोगियों को चिह्नित किया जाए।

छात्र ने बंद किया स्कूल जाना, एक साल से चल रही थी अध्यापिका से लव चैटिंग, शिकायत पर पिता को मिल रही धमकी

कानपुर। छात्र के पिता ने डीसीपी पूर्वी को बताया कि छावनी थाना प्रभारी ने उनसे मोबाइल जांच के लिए मांगा ही नहीं। उन पर यह झूठा आरोप लगाया जा रहा है कि वह जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं और मोबाइल देने से मना कर दिया है। कानपुर में कैंट स्थित एक नामी मिशनरी स्कूल में शिक्षिका और हाईस्कूल के छात्र के बीच हुई लव चैटिंग का मामला एक साल बाद सामने आया है। रात-रात भर उनमें बातें होती रहीं। करीब तीन माह पहले मां ने मामला पकड़ा था। इसके बाद शिक्षिका से शिकायत की थी। इस पर उसने सामान्य चैटिंग की बात कही थी। 15 दिन पहले फिर मामला पकड़ा तो शिकायत लेकर स्कूल में फादर से मिले। इसके बाद से धमकी मिल रही हैं। कहा कि वह महिला को प्रताड़ित करने के आरोप में जेल भिजवा देंगे। इसके बाद से छात्र स्कूल नहीं जा रहा है। आरोप है कि नाबालिग बेटे को प्रेमजाल में फंसाकर धर्म परिवर्तन की ओर ले जाया जा रहा है।

उधर, पुलिस ने तीन दिन बाद भी रिपोर्ट दर्ज नहीं की है। हालांकि बजरंग दल के आने के बाद गुरुवार को छावनी थाना पुलिस की टीम ने शुक्लागंज स्थित छात्र के घर पहुंचकर बयान दर्ज किए। पिता ने बताया कि मामले की शिकायत डीजी के अलावा अधिकारियों को भेजी। साथ ही कई जगह फैक्स भी किए, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

एसीपी कैंट को चैटिंग, रिकॉर्डिंग और फोटो के साथ मोबाइल भी सौंपा

उन्होंने कैंट थाने में दो अक्तूबर को तहरीर दी थी। इसके बाद बुधवार को बजरंग दल के राम जी तिवारी और सहयोगियों के साथ आने में रिपोर्ट होने की गुहार लगाई। पिता ने गुरुवार को डीसीपी पूर्वी शिवाजी शुक्ला, एडीसीपी पूर्वी आकाश पटेल के सामने एसीपी कैंट को चैटिंग, रिकॉर्डिंग और फोटो के साथ मोबाइल भी सौंप दिया।

सब इंस्पेक्टर और एक महिला कांस्टेबल छात्र के घर पहुंचे

छात्र के पिता ने डीसीपी पूर्वी को बताया कि छावनी थाना प्रभारी ने उनसे मोबाइल जांच के लिए मांगा ही नहीं। उन पर यह झूठा आरोप लगाया जा रहा है कि वह जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं और मोबाइल देने से मना कर दिया है। वहीं, छावनी थाने के सब इंस्पेक्टर रोहित तोमर और एक महिला कांस्टेबल कोमल गुरुवार को शुक्लागंज स्थित छात्र के घर पहुंचे।

ईसाई धर्म सबसे शांत और प्रेम करने वाला है

फिर छात्र से एकांत में करीब 15 मिनट बातचीत की। छात्र ने पुलिस को बताया कि उसकी चोटी काट दी थी, साथ ही चर्च ले जाती थी। बताती थी कि ईसाई धर्म सबसे शांत और प्रेम करने वाला है। इसके बाद फादर भी पूछते, कि आपको सब समझ में आ गया। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत बढ़ती चली गई और छात्र चैट का लती हो गया था।

छात्र के फोन पर हुई सख्ती, तो एक रात घर से रहा बाहर

परिजनों ने छात्र को मोबाइल फोन देना बंद कर दिया। छात्र मोबाइल के लिए परिजनों पर दबाव बनाने के लिए रात भर लापता रहा। अगले दिन घर लौटा, बताया कि वह छावनी स्थित मैस्कर घाट में रहा था।

इकलौता बेटा होने की कारण परिजनों ने उससे ज्यादा कुछ नहीं कहा था। छात्र ने बाद में परिजनों को बताया, उसे ऐसा करने के लिए शिक्षिका ने कहा था, जिस पर घर वाले उसे मोबाइल से दूर न रखें। इससे उनके बीच चैटिंग होती रही।

पूजा की घंटी नहीं लगती अच्छी, ईसाई धर्म को बताता शांत

कुछ महीनों से छात्र के व्यवहार में बदलाव देख परिजनों को कुछ गड़बड़ होने का शक हुआ था। पिता के अनुसार बेटे में हिंदू धर्म के प्रति आस्था कम होने लगी थी। वह ईसाई धर्म को बेहतर और शांत बताता था। उसे घर में पूजा की घंटी अच्छी नहीं लगती। इस पर पत्नी ने बेटे पर निगरानी रखनी शुरू की। फिर उसका मोबाइल चैट चेक किया, तो यह हकीकत सामने आई। वह चैट का लती हो गया था।

दोस्त के साथ निकले कारोबारी का घर के बाहर मिला शव

झांसी। चिरगांव में एक कारोबारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मंगलवार रात वह अपने दोस्त के साथ बुलेट पर सवार होकर निकले थे। उनका शव बुधवार सुबह घर के बाहर खून से लथपथ हाल में पड़ा मिला। शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। शव मिलने की सूचना पर पुलिस और फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंच गई। परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद विसरा सुरक्षित रखवाया है। चिरगांव के गल्ला मंडी रोड निवासी धर्मेंद्र कुशवाहा (55) पुत्र गणेश अपने बेटे मानवेंद्र के साथ मिलकर प्रापर्टी डीलिंग का काम करते थे। सोमवार रात करीब आठ बजे धर्मेंद्र अपने एक दोस्त के साथ बुलेट पर सवार होकर बाहर निकले थे। रात भर वह लौटकर घर नहीं आए। बुधवार सुबह घर की महिलाएं बाहर झाड़ू लगा रही थीं। उसी समय दरवाजे से करीब बीस मीटर दूरी पर धर्मेंद्र की खून से लथपथ लाश पड़ी हुई थी। यह देखकर महिलाएं चीखने-चिल्लाने लगीं। आसपास के लोग भी जमा हो गए। सूचना मिलने पर चिरगांव पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। धर्मेंद्र के सिर, मुंह एवं पेट पर चोट के निशान थे। पूरा चेहरा खून से सना हुआ था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। एसपी आरए गोपीनाथ सोनी के मुताबिक पूछताछ में मालूम चला है कि धर्मेंद्र शराब पीने के आदी थे। रात में वह शराब पीने के बाद बाहर निकले। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से उनके मौत की वजह साफ होगी। मामले की छानबीन कराई जा रही है। जिसके साथ वह बाहर निकले थे, उससे भी पूछताछ की जाएगी। उधर, पोस्टमार्टम कराने के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार भी कर दिया है।

परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

धर्मेंद्र के भतीजे महेश समेत अन्य परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। उनका कहना है कि जिन परिस्थितियों में शव बरामद हुआ, उसमें हत्या की आशंका है। परिवार में धर्मेंद्र की पत्नी हीरा देवी समेत एक बेटा एवं एक बेटी हैं। दोनों की वह शादी कर चुके। उनकी मौत के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

अमृत काल में सभी वर्गो के नागरिक करें अपने सहभागिता-राज्यमंत्री

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। हमारी भावी पीढ़ी का भविष्य नवाचार और तकनीक शिक्षा पर आधारित है जिसके पास नवाचार का भण्डारण है, आने वाला समय उसी का है। नवाचार और रोजगारपरक शिक्षा के माध्यम से हम न सिर्फ स्वयं स्वावलंबी बनते हैं बल्कि रोजगार का सृजन भी करते हैं। ये बातें उत्तर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) असीम अरुण ने शुक्रवार को अम्बेडकर चौराहा स्थित बैंकटाचार्य मैरिज हॉल में आयोजित 'अमृत काल में सहभागिता' कार्यक्रम में कहीं। शुक्रवार को समाज कल्याण विभाग द्वारा रोजगार व उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए 'अमृत काल में सहभागिता' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज कल्याण राज्यमंत्री मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समाज कल्याण राज्यमंत्री द्वारा प्रतीकात्मक रूप से 5 लाभार्थियों का गोल्डन कार्ड भी वितरित किए गए। इस मौके पर समाज कल्याण विभाग के मुख्यालय से आये अधिकारियों ने विभाग द्वारा चलाई जा रही रोजगारपरक योजनाओं की जानकारी नागरिकों को प्रदान की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री ने कहा, उत्तर प्रदेश सरकार युवाओं को उद्यमिता से जोड़ते हुए रोजगारपरक बनाने हेतु लगातार कार्य कर रही है। केंद्र व राज्य सरकार मिल कर कई रोजगारपरक योजनाएं संचालित कर रही हैं ताकि आज़ादी के इस अमृत काल में कोई पीछे न रहे। कार्यक्रम के दौरान मनकापुर विधायक रमापति शास्त्री व कटरा बाजार विधायक बावन सिंह द्वारा सभी लोगों से संबोधन करते हुये सरकार का जनकल्याणकारी योजनाओं का व्याख्यान किया।

कार्यक्रम के माध्यम से सरकार की रोजगारपरक योजनाओं की जानकारी जिले के युवाओं को प्रदान की गयी इस मौके पर मत्स्य विभाग, बैंक, जिला उद्योग केंद्र, मत्स्य विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारियों ने नागरिकों को रोजगार व उद्यमिता के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में ऐसे सफल उद्यमियों ने भी हिस्सा लिया जिन्होंने सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर खुद को स्वावलंबी बनाते हुए दूसरों को भी रोजगार प्रदान किया है। इस मौके पर नागरिकों को उनके पसंद के रोजगार कार्यक्रम में पंजीकरण कर उद्यम संचालित करने के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने की जानकारी बैंकों द्वारा प्रदान की गयी।

इस दौरान मा0 विधायक मनकापुर रमापति शास्त्री, मा0 विधायक कटरा बाजार बावन सिंह, जिलाधिकारी नेहा शर्मा, पुलिस अधीक्षक अंकित मित्तल, मुख्य विकास अधिकारी एम.अरुन्मोली, उप कृषि निदेशक प्रेम ठाकुर, डीसी एनआरएलएम, जिला समाज कल्याण अधिकारी राजेश चौधरी, जिला प्रोबेशन अधिकारी संतोष कुमार सोनी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी लालजी दूबे, जिला पूर्ति अधिकारी कृष्ण गोपाल पाण्डेय, एलडीएम, मत्स्य अधिकारी, जीएम डीआईसी, डिक्की के प्रतिनिधि व सैकड़ो की संख्या में छात्र व छात्राएं व उद्यमी मौजूद रहे।

डॉ भीमराव अंबेडकर जी की मूर्ति पर किया माल्यार्पण

समाज कल्याण राज्यमंत्री ने जिले में पहुंचते ही अंबेडकर चौराहे पर स्थापित डॉ भीमराव अंबेडकर जी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। इसके बाद उन्होंने वेंकटचार्य क्लब में लगाए गए कौशल विकास, कृषि, उद्योग मत्स्य, बैंक सहित विभिन्न विभागों के स्टालों का निरीक्षण भी किया। उन्होंने अरगा ब्रांड चला रही महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से बात की।

आपदा प्रबंधन द्वारा रैली, ट्रेनिंग, कार्यशाला मॉकड्रिल का किया गया आयोजन

जिलाधिकारी नेहा शर्मा के निर्देश पर जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के द्वारा अपर जिलाधिकारी के अध्यक्षता में विश्व आपदा जोखिम नियुनिकरण दिवस के अवसर पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें जिला आपदा विशेषज्ञ राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि आज राजस्व विभाग ,चिकित्सा विभाग , शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग,बाल विकास विभाग के द्ववारा आज आपदा नियुनिकरण दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम किया गया। जिसमें रैली, ट्रेनिंग, कार्यशाला मॉकड्रिल का आयोजन किया गया, इसके साथ ही वज्रपात से बचने के लिए दामनी एप का प्रयोग करे सर्पदंश में क्या करे क्या न करे के बारे में बताया गया। भूकंप से बचाव हेतु क्या करे क्या न करे शीतलहर में क्या करे क्या न करे स्कूलों में बच्चों को किस आपदा में क्या करे क्या न करे के बारे में बताया गया।

अपर जिलाधिकारी सुरेश सोनी ने बताया कि सभी ग्रामो में जागरूकता करें जिससे आपदा को नियुन किया जाता है, तहसीलदार सदर ने बताया कि आपदा में राहत संबंधित को तत्काल दिया जाता।

कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के द्वारा सर्पदंश से बचाव हेतु क्या किया जाए क्या न किया जाए के बारे में बताया गया। जिला पंचायत राज अधिकारी ने बताया कि ग्रामो में सभी को आपदा से बचाव हेतु कैसे लोगों को बचाया जाय इसके संबंध में बताया गया, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया सभी स्कूलों में आपदा से बचाव हेतु मॉकड्रिल कराया गया, बैठक में नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, लेखपाल, आपदा लिपिक सहित अन्य संबंधित लोग मौजूद रहे।

अग्रसेन जयंती पर फोटो फ्रेम प्रतियोगिता से कार्यक्रम शुरू

गोण्डा। रानी बाजार स्थित श्री राम जानकी मारवाड़ी धर्मशाला में आयोजित महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह पर तीन दिवसीय कार्यक्रम फोटो फ्रेम निर्माण प्रतियोगिता से शुरू हुआ। जिसमें 15 बच्चों ने हिस्सा लिया। ये कार्यक्रम विकास जैन, चेतन अग्रवाल और सीमा अग्रवाल की देखरेख में हुआ और फिर क्रेप क्राफ्ट पेपर से माला निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें 13 बच्चों ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। इसमें प्रीती अग्रवाल, बेनू अग्रवाल और नीलम जैन की देखरेख में हुआ फिर उसके बाद कैरम युगल(डबल्स) प्रतियोगिता का आयोजन हुआ ये आयोजन मारवाड़ी युवा मंच गोण्डा शाखा द्वारा किया गया जिसमें 32 बच्चों ने हिस्सा लिया ये आयोजन अनिकेत गोयल और हर्षित नेवटिया के देखरेख में हुआ, फिर उसके बाद शतरंज प्रतियोगिता हुई जो जूनियर , सीनियर और सुपर सीनियर तीन ग्रुप में हुआ। जिसमें 42 बच्चे प्रतिभागी हुए। जिसमें मुनीश सिंघल, विपुल मोदी ,राजीव अग्रवाल के देखरेख में हुआ। कार्यक्रम से पूर्व दीप प्रज्वलन का कार्यक्रम हुआ दीप प्रज्वलित सरोज अग्रवाल ने किया। ये कार्यक्रम अग्रवाल नवयुवक संघ गोण्डा द्वारा आयोजन किया गया। और आज शनिवार को बोरा दौड़, कुर्सी दौड़ , म्यूजिकल चेयर रेस , फिल्मी अंताक्षरी, महिलाओं द्वारा नृत्य एवं संगीत कार्यक्रम , अकाल मित्र प्रतियोगिता फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता होगी। कार्यक्रम के दौरान अग्रवाल नवयुवक संघ के अध्यक्ष संजय अग्रवाल, विकास जैन,अनिल मित्तल,चेतन अग्रवाल,सीए पवन अग्रवाल, आयुष केडिया, अजय अग्रवाल,अनिकेत गोयल महिला मंडल की सीमा अग्रवाल,पूनम मित्तल,बेनू अग्रवाल, मारवाड़ी युवा मंच की प्रांतीय उपाध्यक्ष नीलम जैन, प्रीती अग्रवाल,सरोज गर्ग,रेनू अग्रवाल मंजू अग्रवाल, रूचिका नेवटिया सहित अन्य पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

वृक्षारोपण स्थलों और पौधशालाओं की हमेशा करे ठीक से देखभाल - डी0के0 सिंह

उप प्रभागीय वनाधिकारी सुल्तानपुर ने किया वृक्षारोपण स्थलों और पौधशालाओं का निरीक्षण

सुल्तानपुर। वन विभाग के अधिकारियो द्वारा प्रकृति को हरा भरा बनाने के लिए लगातार दिशा निर्देश और निरीक्षण किया जाता है इसी क्रम में उप प्रभागीय वनाधिकारी डी0के0 सिंह सुल्तानपुर के द्वारा आज कादीपुर रेंज के अंतर्गत मिसिरपुर हरित पट्टी 2023 एवं नरवारी ग्राम समाज वृक्षारोपण 2023 व पारा बासुपुर पौधशाला का निरीक्षण किया गया। श्री सिंह द्वारा वर्ष 2023 में कराये गये वृक्षारोपण और पौधशाला को हमेशा ठीक रखने का दिशा निर्देश दिया। उप प्रभागीय वनाधिकारी डी0के0 सिंह सुल्तानपुर के द्वारा सभी कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वृक्षारोपण स्थलों पर लगे पौधों को नियमित देखभाल करे ताकि अधिकतम पौधों को बचाया जा सके। निरीक्षण में उप प्रभागीय वनाधिकारी डी0के0 सिंह, चंद्रभान सोनकर वन दरोगा, राकेश चौहान वन दरोगा, दीपक सिंह वन रक्षक, अजय वर्मा वन रक्षक, संतोष कुमार तिवारी वनरक्षक आदि मौजूद रहे।

आपदा प्रबंधन द्वारा रैली, ट्रेनिंग, कार्यशाला मॉकड्रिल का किया गया आयोजन

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा के निर्देश पर जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के द्वारा अपर जिलाधिकारी के अध्यक्षता में विश्व आपदा जोखिम नियुनिकरण दिवस के अवसर पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें जिला आपदा विशेषज्ञ राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि आज राजस्व विभाग ,चिकित्सा विभाग , शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग,बाल विकास विभाग के द्ववारा आज आपदा नियुनिकरण दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम किया गया। जिसमें रैली, ट्रेनिंग, कार्यशाला मॉकड्रिल का आयोजन किया गया, इसके साथ ही वज्रपात से बचने के लिए दामनी एप का प्रयोग करे सर्पदंश में क्या करे क्या न करे के बारे में बताया गया। भूकंप से बचाव हेतु क्या करे क्या न करे शीतलहर में क्या करे क्या न करे स्कूलों में बच्चों को किस आपदा में क्या करे क्या न करे के बारे में बताया गया।

अपर जिलाधिकारी सुरेश सोनी ने बताया कि सभी ग्रामो में जागरूकता करें जिससे आपदा को नियुन किया जाता है, तहसीलदार सदर ने बताया कि आपदा में राहत संबंधित को तत्काल दिया जाता। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के द्वारा सर्पदंश से बचाव हेतु क्या किया जाए क्या न किया जाए के बारे में बताया गया। जिला पंचायत राज अधिकारी ने बताया कि ग्रामो में सभी को आपदा से बचाव हेतु कैसे लोगों को बचाया जाय इसके संबंध में बताया गया, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया सभी स्कूलों में आपदा से बचाव हेतु मॉकड्रिल कराया गया, बैठक में नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, लेखपाल, आपदा लिपिक सहित अन्य संबंधित लोग मौजूद रहे।

आपदा न्यूनीकरण के सम्बंध में बैठक सम्पन्न

लखनऊ। अपर मुख्य सचिव राजस्व श्री सुधीर गर्ग की अध्यक्षता में आज शास्त्री भवन, लखनऊ में आपदा न्यूनीकरण के सम्बंध में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने प्रतिनिधि अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार आपदा न्यूनीकरण के लिए पूर्णतया प्रतिबद्ध है। विभिन्न विभागों के अधिकारी अपने विभाग की योजनाओं के संचालन के दौरान आपदा से बचाव हेतु उपाय करें जिससे आपदा के पूर्व, आपदा के दौरान, आपदा के बाद जन-धन की हानि को कम किया जा सके। उन्होंने जल जीवन मिशन, इन्दिरा आवास योजना, कन्या सुमंगला विद्या योजना, पेंशन, छात्रवृत्ति योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, मनरेगा आदि योजना के क्रियान्वयन में आपदा को कम करने के निर्देश दिये।

उन्होंने निर्देशित किया कि प्रदेश के समस्त विभागों के अधिकारी समय-समय पर एनजीओ एवं प्राइवेट सेक्टर के कुछ प्रतिनिधियों के साथ अन्य राज्यों के दौरे कर आपदा न्यूनीकरण से सम्बंधित उनके कार्यों को सीखें एवं उन्हें धरातल पर लागू करने के प्रयास करें। राहत आयुक्त श्री जी0एस0 नवीन कुमार ने बताया कि एनजीओ, यूएनडीपी, यूनीसेफ प्रदेश के विभिन्न विभागों के अधिकारी आपदा न्यूनीकरण से सम्बंधित एक दिवसीय वर्कशाप का शीघ्र ही आयोजन किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को आवास, संरचनाएं, शिक्षा एवं अन्य क्षेत्रों में आपदा जोखिम न्यूनीकरण हेतु घरों को जोखिम वाले क्षेत्रों में न बनाया जाना, शहर का मास्टर प्लान आपदाओं की सम्भावनाओं को ध्यान में रखकर बनाया जाना, शिक्षण संस्थानों में नियमित पूर्वाभ्यास/मॉकड्रिल को अनिवार्य किया जाना इत्यादि के सम्बंध में निर्देश दिये।

औद्योगिक विकास मंत्री नन्दी ने की मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग की समीक्षा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी' ने जब से उद्योग विभाग की जिम्मेदारी सम्भाली है, राजकीय मुद्रणालय का आधुनिकीकरण और विभिन्न विभागों के अधिक से अधिक राजकीय समग्री का मुद्रण गवर्नमेंट प्रेस में ही हो यह उनकी प्राथमिकता रही है। जिसे धरातल पर लाते हुए लखनऊ के ऐशबाग में स्थित राजकीय मुद्रणालय के आधुनिकीकरण की योजना बनाई गई है, जिस पर करीब 250 करोड़ रूपए खर्च होगा। आज पिकअप भवन सभागार में मंत्री नन्दी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग के अधिकारियों ने राजकीय मुद्रणालय लखनऊ के आधुनिकीकरण का प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया, जिसे मंत्री नन्दी ने मंत्री परिषद में भेजने के निर्देश दिए। मंत्री नन्दी ने आज पिकअप भवन सभागार में मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग के कार्यों एवं आधुनिकीकरण योजना की गहन समीक्षा की। जिसमें अधिकारियों ने मंत्री नन्दी को बताया कि राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग की वेबसाइट को अपडेट कर दिया गया है, जिसमें विभाग से सम्बंधित सारी जानकारी उपलब्ध है। वहीं कच्चे माल की इन्वेन्ट्री आदि के डिजिटिलाइजेशन की जिम्मेदारी यूपीडेस्को को सौंपी गई है, जो जल्द ही कार्य शुरू करेगा। अधिकारियों ने बताया कि विभाग में रिक्त पदों पर भर्ती की जाए, इसकी प्रक्रिया चल रही है। कार्मिक एवं वित्त विभाग की सहमति के बाद प्रस्ताव को मंत्री परिषद में भेजा जाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि राजकीय मुद्रणालय ऐशबाग लखनऊ में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज से सम्बंधित सादी उत्तर पुस्तिकाएं, उत्तर प्रदेश प्राविधिक शिक्षा परिषद, विभागीय परीक्षाओं से सम्बंधित उत्तर पुस्तिकाएं, आयुष विभाग की होमियोपैथिक परीक्षा से सम्बंधित सभी उत्तर पुस्तिकाएं, 15 जनपदों से सम्बंधित विभिन्न विभागों पुलिस, राजस्व, चकबंदी, भूलेख, कृषि इत्यादि से सम्बंधित समस्त प्रपत्रों का मुद्रण कार्य तथा उत्तर प्रदेश विधान सभा, विधान परिषद के सत्र से सम्बंधित एजेण्डा, विधायिका व अन्य मुद्रित सामग्रियों का मुद्रण कार्य, राजभवन सचिवालय से सम्बंधित मुद्रण कार्य, राज्यपाल के लेटर हेड आदि का मुद्रण कार्य, भारत निर्वाचन आयोग एवं राज्य निर्वाचन आयोग के निर्वाचन से सम्बंधित मतपत्रों, प्रपत्रों एवं स्टेशनरी आदि का मुद्रण कार्य, उत्तर प्रदेश सचिवालय से सम्बंधित कार्य किए जाते हैं, लेकिन क्षमता कम होने के कारण सभी विभागों की जरूरतें निर्धारित समय में पूरी नहीं हो पाती हैं, जिसकी वजह से विभागों को राजकीय मुद्रणालय के अलावा बाहर से मुद्रण कराना पड़ता हैं। सभी विभागों के मुद्रण कार्य गवर्नमेंट प्रेस में ही हो इसलिए राजकीय मुद्रणालय ऐशबाग लखनऊ के आधुनिकीकरण की योजना बनाई गई है। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक ऐशबाग में 1200 मीट्रिक टन कागज की खपत कर रहे हैं, जबकि आधुनिकीकरण व इम्पोर्टेड मशीनें लगने के बाद यह क्षमता 1200 मीट्रिक टन से बढ़कर 4500 मीट्रिक टन हो जाएगी। देश के सबसे इंटीग्रेटेड मॉडल के आधार पर राजकीय मुद्रणालय ऐशबाग के आधुनिकीकरण की योजना बनाई गई है। अधिकारियों के प्रस्तुतिकरण के अनुसार राजकीय मुद्रणालय का नया भवन स्वास्तिक के आकार का बनाया जाएगा, जिसमें 100 करोड़ रूपया भवन निर्माण और 150 करोड़ रूपया आधुनिक मशीनों को खरीदने में खर्च होगा।

प्रदेश में संचालित स्कूल एवं कालेजों में चलाया जाएगा विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान

लखनऊ। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्रीमती निधि श्रीवास्तव की अध्यक्षता में शुक्रवार को निर्वाचन नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान-2024 में युवा वर्ग के मतदाताओं के नाम निर्वाचक नामावलियों में शामिल किए जाने के लिए चलाए जाने वाले जागरूकता अभियान के संबंध में माध्यमिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई। बैठक में माध्यमिक शिक्षा विभाग से अपेक्षा की गई की विभाग के अंतर्गत संचालित स्कूल-कॉलेज में 1 जनवरी 2024 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे छात्र-छात्राओं का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने हेतु व्यापक अभियान चलाया जाए। इसके लिए स्कूल कॉलेज में संचालित इलेक्टरल लिटरेसी क्लब को क्रियाशील किया जाए, उनके माध्यम से अर्ह अथवा पात्र छात्र-छात्राओं को चिन्हित करते हुए ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन फार्म भरवाए जाने की कार्रवाई की जाए। बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री मनीष शुक्ला, सांख्यिकी अधिकारी टी पी गुप्ता तथा माध्यमिक शिक्षा विभागसे सुश्री रीता जोशी असिस्टेंट डिप्टी डायरेक्टर उपस्थित रही।

गोण्डा में डेंगू मलेरिया को लेकर एक्शन में प्रशासन

कंट्रोल रूम से की जाएगी अभियान की निगरानी

गोण्डा। जिले में वायरल बुखार से पीड़ित काफी लोगों के चिकित्सालयों में पहुंचने तथा डेंगू व मलेरिया से प्रभावित कई लोगों के भर्ती होने की सूचनाएं प्राप्त होने पर जिलाधिकारी ने संक्रामक बीमारियों पर प्रभावी रोकथाम हेतु स्थानीय निकायों व ग्राम पंचायतों को सख्त निर्देश दिये है। उन्होंने सभी नगर निकायों व ग्राम पंचायतों में नियमित रूप से स्वच्छता अभियान संचालित करने व सघन रूप से फागिंग व जलभराव वाले क्षेत्रों में ब्लीचिंग पाउडर व चूने का छिड़काव करने के निर्देश दिये। उन्होंने स्थानीय निकाय प्रभारी व डीपीआरओ को निर्देश दिए कि वह समस्त नगर निकायों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई अभियान को गति प्रदान करते हुए सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें ताकि संक्रामक रोगों बीमारियों के प्रसार पर प्रभावी रोकथाम हो सके।

जिले व ब्लॉक स्तर पर कंट्रोल रूम से होगी निगरानी

जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी एवं समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद एवं विकासखण्ड मुख्यालय पर नियंत्रण कक्ष क्रियाशील कराते हुए अभियान की सघन समीक्षा की जाये । प्रभारी अधिकारी स्थानीय निकाय द्वारा अधिशासी अधिकारियों से एवं जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा खण्ड विकास अधिकारियों से सफाई अभियान के सम्बन्ध में दैनिक रिपोर्ट प्राप्त कर प्रतिदिन प्रस्तुत की जायेगी।

प्रत्येक घर तक संस्कृत पहुंचने के लिए गृहे-गृहे संस्कृतम् योजना संचालित

निज संवाददाता

गोण्डा। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान आयोजित गृहे-गृहे संस्कृत योजना के अंतर्गत आयोजित 12 दिवसीय सरल संस्कृत भाषा शिक्षण कक्षा का प्रारंभ हुआ दिनांक 12 अगस्त 23 को उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में हुआ इसी क्रम में गोंडा में कंपोजिट विद्यालय नगर क्षेत्र गोंडा मैं 12 दिवसीय शिविर का उद्घाटन हुआ उद्घाटन में प्रधानाध्यापक बृजेश शुक्ला व अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

उन्होंने संस्कृत की महत्व के बहुत ही सरल माध्यम व के लाभ बताएं एवं छात्र छात्राएं की प्रेरित किया कि इस शिविर में अधिक से अधिक छात्र सम्मिलित हो और अन्य मित्रों को भी पढ़ने को प्रेरित करें ऑनलाइन माध्यम से हुए कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक विनय श्रीवास्तव चंद्रकला शाक्य इस योजना के समन्वयक अनिल गौतम प्रशासनिक अधिकारी जगदानंद झा प्रशिक्षण श्रीमंत धीरज मैठनी समन्वयक श्रीमंत दिव्यंजन समन्वयी का राधा शर्मा व अन्य प्रशिक्षिका उपस्थित रहे प्रशिक्षिका सुशीला सोनी ने बताया यह शिविर इस स्कूल में 12 दिनों तक चलेगा जिसमें बच्चों को संस्कृत में खेल गीत व संस्कृत में बोलना पढ़ना सिखाया जाएगा। बृजेश शुक्ला ने संस्थान के निदेशक सहित संस्थान की पूरी टीम को धन्यवाद ज्ञापित कर सभी का आभार व्यक्त किया इस अवसर पर केंद्र के अनेक छात्र-छात्राओं उपस्थिति रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे — **ई-आक्शन सूचना**

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ मण्डल द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल ई-आक्शन के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जा रही है। आक्शन से सम्बन्धित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in (E-Auction Module) पर उपलब्ध है। निविदा सूचना संख्या, स्टेशनों की सूची एवं उपलब्ध स्थान का विवरण निम्नवत है :-

क्रम सं.	ई-आक्शन सूचना सं.	स्टेशन	कार्य का विवरण	आक्शन/लाट बन्द होने की तिथि व समय
01	MSS-LJN-BNZ-Machr-17-23-1 (Misc-Static-Services-Massage Chair)	बादशाहनगर	लखनऊ मण्डल के बादशाहनगर स्टेशन पर मसाज चेयर की स्थापना, संचालन एवं रखरखाव करने के संबंध में।	26-10-2023 को समय 13:30 बजे तक
02	MSS-LJN-ASH-Machr-16-23-1 (Misc-Static-Services-Massage Chair)	ऐशबाग	लखनऊ मण्डल के ऐशबाग स्टेशन पर मसाज चेयर की स्थापना, संचालन एवं रखरखाव करने के संबंध में।	26-10-2023 को समय 13:40 बजे तक
03	MSS-LJN-LJN-HLthk-11-23-1 (Miss-Static-Services-Health Kiosk)	लखनऊ, गोरखपुर	लखनऊ मण्डल के गोरखपुर व लखनऊ स्टेशनों पर हेल्थ एटीएम की स्थापना, रखरखाव व मेन्टेनन्स के संबंध में।	26-10-2023 को समय 13:50 बजे तक
04	MSS-LJN-LJN-BCrush-6-23-1 (Miss-Static-Services-Bottle Crushing Machine)	(MUR, GD, GKP, KLD, BST, STP, LMP, LJN, BNZ&ASH)	लखनऊ मण्डल के दस स्टेशनों पर 45 पीबीसीएम मशीन की रखरखाव व मेन्टेनन्स के संबंध में।	26-10-2023 को समय 14:00 बजे तक
05	MSS-LJN-GKP-PR Kiosk-7-23-1 (Miss-Static-Services-Promotional Kiosk)	गोरखपुर	लखनऊ मण्डल के गोरखपुर स्टेशन पर 48 एस्कायर फिट एरिया में प्रमोशनल कियोस्क का प्रावधान करना।	26-10-2023 को समय 14:10 बजे तक
06	MSS-LJN-LJN-PR Kiosk-8-23-1 (Miss-Static-Services-Promotional Kiosk)	लखनऊ, गोमतीनगर, बादशाहनगर	लखनऊ मण्डल के लखनऊ, गोमतीनगर, बादशाहनगर स्टेशनों पर प्रत्येक के 48 एस्कायर फिट एरिया में प्रमोशनल कियोस्क का प्रावधान करना।	26-10-2023 को समय 14:20 बजे तक

क्रम सं. 01, 02, 03, 05 एवं 06 के लिये निविदा की अवधि: 03 वर्ष तथा क्रम सं. 04 के लिये निविदा की अवधि: 05 वर्ष

टेण्डर से सम्बन्धित अन्य जानकारी वेबसाइट: www.ireps.gov.in (E-Auction Module)

आक्शन/लाट खुलने की तिथि व समय: दिनांक 26-10-2023 को समय 13:00 बजे तक

मुजाधि/वाणिज्य-150 मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य), लखनऊ

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

गोंडा में अब गंदगी फैलाना, खुले में शौच या पेशाब करना पड़ेगा महंगा, जुर्माना लागू

नगर पालिका परिषद ने नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन नियमावली / उपविधि 2017 को किया लागू

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। नगर पालिका परिषद गोंडा की सीमा में गंदगी फैलाना या खुले में शौच व पेशाब करना अब आपको महंगा पड़ेगा। नगर पालिका परिषद गोंडा नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन नियमावली / उपविधि, 2017 को शुक्रवार से लागू कर दिया गया है। इसके प्रावधानों के तहत नगर पालिका सीमा के अन्दर खुले में शौच करने वाले व्यक्तियों पर 500 रुपये एवं खुले स्थान पर पेशाब करने वाले व्यक्तियों पर 100 रुपये जुर्माना वसूला जायेगा। जिसकी अदायगी सम्बन्धित व्यक्ति को तुरन्त करनी होगी। अध्यक्ष नगर पालिका परिषद और अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद की ओर से इसका गजट जारी कर दिया गया है। शहर को स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुंदर बनाने की दिशा में इसे लागू किया गया है।

नए प्रावधान के तहत, नगर पालिका परिषद गोंडा की सीमा में रहने वाले सभी नगरवासियों को ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2016 के मुताबिक घरों से निकलने वाले तमाम तरह के कूड़े को अलग-अलग करके कूड़ेदान में डालना होगा। ऐसा न करने पर नगर पालिका परिषद इस कचरे को उठाने से इन्कार कर सकती है। साथ ही, जुर्माना भी लगा सकते हैं। वहीं, बड़े होटलों से निकलने वाले कचरे का निपटारा होटल प्रबंधन को खुद ही करना होगा। उन्हें छोटे प्लांट लगाने के निर्देश दिए गए हैं। नहीं तो उन्हें राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) के निर्देशों के मुताबिक 5000 हजार रुपये तक का जुर्माना भुगतना पड़ सकता है। कूड़े-कचरे का निपटान वैज्ञानिक तरीके से करने के लिए नगर पालिका अब लोगों के घरों से निकलने वाले कचरे तीन अलग -अलग श्रेणियों में उठाएंगे। इस कचरे को तीन अलग रंगों के कूड़ेदानों में डालना होंगा। गीला कूड़ा जैसे सब्जी, चाय बैग, सड़े फल, अंडे के छिलके आदि को हरे कूड़ेदान में डालें। बोलतें, चिप्स रैपर, स्टेशनरी आदि को नीले कूड़ेदान में और खतरनाक कूड़ा जैसे रेजर, सैनिटरी पैड आदि को लाल कूड़ेदान में डालें।

कूड़ा उठाने के लिए नगर पालिका यह शुल्क लेगी	रुपये/माह
(1) आवासीय भवन (प्रति भवन) किरायेदार अतिरिक्त	30
(2) व्यवसायिक भवन प्रत्येक दुकान, जल-पान, रेस्टोरेंट	100
(3) व्यवसायिक भवन प्रत्येक काम्पलेक्स, होटल	500
(4) व्यवसायिक भवन फैक्ट्री, अर्द्धसरकारी संस्थान	500
(5) व्यवसायिक भवन चिकित्सीय क्लीनिक	1,000
(6) व्यवसायिक भवन, नर्सिंगहोम	2,500

कूड़ा गली, सार्वजनिक स्थानों पर न फेंके

कूड़े को गली, खुले सार्वजनिक स्थानों, नाली या जलाशयों में फेंकने, जलाने या गाड़ने पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। कोई व्यक्ति अग्रिम रूप से कम से कम तीन कार्य दिवस पूर्व स्थानीय निकाय को सूचित किये बिना किसी गैर अनुज्ञप्त वाले स्थान पर 100 व्यक्ति से अधिक का एक कोई आयोजन या समारोह आयोजित नहीं करेगा। ऐसा व्यक्ति या आयोजक स्त्रोत पर ही कूड़े को अलग-अलग इकट्ठा करने की व्यवस्था करनी होगी। वह पृथक्कृत कूड़े को नगर पालिका परिषद को देगा। हर स्ट्रीट वेंडर को रखना होगा कूड़ादान प्रत्येक मार्ग विक्रेता अपने कार्य-कलाप के दौरान उत्पन्न कूड़ा जैसे खाद्य अपशिष्ट प्रोज्य (डिस्पोजेबल) प्लेटों, डिब्बे, नारियलों के छिलके, शेष बचा भोजन, सब्जियों, फलों आदि के लिये कूड़ादान रखेगा। यह कूड़ा नगर पालिका परिषद की भण्डारण डिपो या वाहन में डालना है।

नहीं मानें तो यह जुर्माना भी भरना होगा

नगर पालिका परिषद द्वारा लागू की गई इस व्यवस्था का अनुपालन न करना अपराध माना जायेगा। परिषद ने साफ किया है कि उलंघन की दशा में 5 हजार रुपये जुर्माना देना होगा। प्रथम दोष सिद्धि के दिनांक के पश्चात् प्रत्येक ऐसे दिन के लिए जिसमें अपराधी द्वारा अपराध किया जाना सिद्धि होने पर 50 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से जुर्माना जाएगा। वहीं, सड़क के किनारे भवन निर्माण सामग्री अवशेष रखने पर 50 हजार रुपये का आर्थिक दण्ड वसूल किया जायेगा।

उत्तर प्रदेश राज्य मुक्त विश्वविद्यालय परिषद की तैयार होगी नियमावली

लखनऊ। शिक्षा निदेशक, (माध्यमिक)/सभापति, राज्य मुक्त विद्यालय परिषद, उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में गत बुधवार को विद्या भवन, निशातगंज, लखनऊ में राज्य मुक्त विद्यालय परिषद के अधिनियम, 2008 के संबंध में बैठक आहूत की गयी।

सभापति डॉ. महेंद्र देव ने बताया कि बैठक में अपर शिक्षा निदेशक, पत्राचार शिक्षा संस्थान उत्तर प्रदेश, प्रयागराज/निदेशक, उत्तर प्रदेश राज्य मुक्त विद्यालय परिषद द्वारा पत्राचार शिक्षा संस्थान, उत्तर प्रदेश/उत्तर प्रदेश राज्य मुक्त विद्यालय परिषद के अधिनियम, 2008 पर विस्तारपूर्व प्रस्तुतीकरण दिया गया, जिसमें बोर्ड के उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा आम सहमति से यह निर्णय लिया गया कि सर्वप्रथम उत्तर प्रदेश राज्य मुक्त विद्यालय परिषद की नियमावली तैयार की जाय तथा साथ ही साथ चरणबद्ध तरीके से विभिन्न समितियों के गठन आदि एजेण्डा बिन्दुओं पर कार्य किया जाय तथा बोर्ड की आगामी बैठक के लिये विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में बोर्ड के सदस्य/प्रतिनिधि, सभापति/अध्यक्ष उत्तर प्रदेश राज्य मुक्त विद्यालय परिषद, निदेशक उत्तर प्रदेश राज्य मुक्त विद्यालय परिषद, शिक्षा निदेशक (बेसिक), निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, निदेशक, प्राविधिक शिक्षा निदेशक, दूरदर्शन केंद्र, निदेशक, उघोग निदेशालय, कानुपर निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, प्रयागराज, प्रधानाचार्य, राजकीय बालिका इण्टर कालेज, गाजियाबाद, प्रधानाचार्य, राजकीय जुबिली इण्टर कालेज, गोरखपुर एवं एजूकेट गर्ल्स व पत्राचार शिक्षा संस्थान, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज के विशेषज्ञों एवं सहायकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

RNI No. 46071/85
स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक टी.रजा रिज़वी ने विकास प्रिन्टिंग प्रेस, मालवीयनगर, गोण्डा से मुद्रण करवाकर 568, मालवीयनगर गोण्डा (उ0प्र0) 271001 से प्रकाशित किया।
गोण्डा कार्यालय
फोन/फैक्स-05262-230683
मो0- 09415120085
लखनऊ कार्यालय-
फोन- 0522-4028445
मो0- 09415249085
:- E-mail :-
trigutdainik@gmail.com